राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 आरसीबी का शिविर शुरू...

केजरीवाल ने कोर्ट में खुद पेश... 12

वर्ष : 14 | अंक : 302 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 15 मार्च, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 24°C

न्यूनतम तापमान 18°C

बाजार

सोना 67,280

चांदी 77,600

सेंसेक्स 73,097

निफ्टी 22,146

भ्रष्टाचार में फंसने से आपा खो बैठे केजरीवाल, सीएए भारत में रह रहे शरणार्थियों के लिए: गृह मंत्री

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में फंसने के बाद वे अपना आपा खो बैठे हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने केजरीवाल के सीएए पर की गई टिप्पणियों पर पलटवार किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएए 2014 के पहले आ चुके शरणार्थियों के लिए बनाया गया है। गृहमंत्री की टिप्पणी के बाद मुख्यमंत्री ने भी अपना पक्ष रखते हुए कहा कि आज आप 2014 से पहले की बात कर रहे हैं, कल 2019 से पहले वालों की बात करेंगे, फिर 2024 तक की बात करेंगे।

गृह मंत्री ने एक समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में आरोप लगाया था कि दिल्ली के मुख्यमंत्री बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं के प्रति सहानुभूति रखते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अपना भ्रष्टाचार उजागर होने से आपा खो बैठे

हैं। उन्हें इतनी चिंता है तो वे बांग्लादेशी घुसपैठियों की बात क्यों नहीं करते या रोहिंग्या का विरोध क्यों नहीं करते? दिल्ली का चुनाव उनके लिए लोहे के चने चबाने जैसा है, इसलिए वो वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएए के तहत नागरिकता पाने वाले शरणार्थी पहले से ही भारत में रह रहे हैं। एनआरसी का सीएए से कोई संबंध नहीं है। सीएए को पूरे देश में समान रूप से लागू किया जाएगा। देश में केवल दो क्षेत्र जो सीएए के दायरे में नहीं होंगे, वे हैं आईएलपी (इनर लाइन परमिट) क्षेत्र और भारतीय संविधान की छठी अनुसूची के तहत आने वाले क्षेत्र। गृह मंत्री की टिप्पणी के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री ने एक बार फिर बयान जारी कर अपनी वही बात दोहरायी है। उन्होंने कहा कि सीएए आने से आजादी से ज्यादा बड़ा माइग्रेशन होगा। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश में 2.5 से 3 करोड़ अल्पसंख्यक हैं। वहाँ बहुत गरीबी है, उनके पास रोजगार नहीं है। इनमें से आधे भी भारत में आ गए तो कहाँ बसाएँगे उनको? उन्होंने कहा कि गृह मंत्री कह रहे हैं कि 2014 से पहले आने वालों को बसाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी तक घुसपैठ चल रही है। पहले उनमें डर था अब घुसपैठियों को कानूनी कर रहे हैं। आज आप 2014 से पहले की बात कर रहे हैं, कल 2019 से पहले वालों की बात करेंगे, फिर 2024 तक की बात करेंगे। घुसपैठिए तो आ ही रहे हैं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि रोहिंग्या मोदी सरकार के दौरान आए हैं।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी ने सिख नव वर्ष की शुरूआत पर बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को सिख नववर्ष की शुरूआत पर लोगों को बधाई दी और कामना की कि सिख गुरुओं की शिक्षा का प्रकाश पूरे विश्व को जगमग करता रहे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सिख नव वर्ष की शुरूआत पर शुभकामनाएं। वाहेगुरु की असीम कृपा से सभी का कल्याण हो। गुरु साहिबों का ज्ञान और उनका मार्गदर्शन हमारे समाज को जगमग करता रहे। सिख सम्प्रदाय नानकशाही कैलेन्डर का अनुसरण करता है। सिख नव वर्ष एवं चैत माह संक्रान्ति पर्व को सिख समुदाय के लोग बेहद श्रद्धा के साथ मनाते हैं।

दिल्ली में आवासीय इमारत में आग लगने से चार लोगों की मौत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शाहदरा के शास्त्री नगर इलाके में गुरुवार तड़के एक आवासीय इमारत में भीषण आग लगने से दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक शास्त्री नगर स्थित आवासीय इमारत में आग लगने की सूचना सुबह लगभग 05:30 बजे गीता कॉलोनी पुलिस थाने को मिली। दिल्ली अग्निशमनकर्मी चार दमकलों के साथ मौके पर पहुंचे। एंबूलेंस और पुलिस की पीसीआर वैन को घटनास्थल पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि आग चार मंजिला आवासीय इमारत में लगी, जिसके भूतल पर कार पार्किंग की सुविधा है। आग पार्किंग स्थल से शुरू हुई और धुआं पूरी इमारत में फैल गया। संकीर्ण सड़क होने के बावजूद अग्निशमन अधिकारी आग पर काबू पाने में कामयाब रहे। बचावकर्मियों ने तीन पुरुषों, चार महिलाओं और दो बच्चों सहित कुल नौ लोगों को बचाया और उन्हें नजदीकी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि अस्पताल से दो बच्चों और एक विवाहित जोड़े सहित चार लोगों की दम घुटने से मौत होने की जानकारी मिली है। घटना की विस्तृत जांच जारी है।

समिति ने कहा- एक साथ चुनाव कराए जाने से विकास प्रक्रिया को मिलेगा बढ़ावा

कोविंद समिति ने एक साथ चुनाव कराने व एकल मतदाता सूची की सिफारिश की

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने पहले कदम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की तथा इसके बाद 100 दिनों के भीतर एक साथ स्थानीय निकाय चुनाव कराने की बृहस्पतिवार को सिफारिश की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी गई 18000 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट में कोविंद की अगुवाई वाली समिति ने कहा है कि एक साथ चुनाव कराए जाने से विकास प्रक्रिया और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा मिलेगा, लोकतांत्रिक परंपरा की नींव गहरी होगी और इंडिया जो कि भारत है की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी। समिति ने सिफारिश की है कि भारत निर्वाचन आयोग राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से एकल मतदाता सूची और मतदाता पहचान पत्र तैयार करे। समिति ने कई संवैधानिक संशोधन की सिफारिश की है जिनमें से ज्यादातर के लिए राज्यों के अनुमोदन की जरूरत नहीं होगी। फिलहाल, भारत निर्वाचन

आयोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए जिम्मेदार है, जबकि नगर निकायों और पंचायतों के चुनावों का प्रबंधन राज्य चुनाव आयोगों द्वारा किया जाता है। कोविंद ने जब राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति को रिपोर्ट सौंपी उस वक्त उनके साथ समिति के सदस्य गृह मंत्री अमित शाह, वित्त आयोग के पूर्व प्रमुख एनके सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद और विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल थे। एक बयान में कहा गया है कि यह रिपोर्ट दो सितंबर 2023 को समिति गठन के बाद से हितधारकों, विशेषज्ञों के साथ व्यापक परामर्श और 191 दिनों के शोध कार्य के बाद तैयार की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार को शरद पवार का नाम व चुनाव चिह्न घड़ी का उपयोग करने से रोका

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक बड़ा झटका देते हुए अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को उनके चाचा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) अध्यक्ष शरद पवार के नाम व अविभाजित पार्टी का चुनाव चिह्न घड़ीका इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ ने कहा कि चूंकि अजित पवार एनसीपी अब एक स्वतंत्र इकाई है, इसलिए उसे शरद पवार की पहचान और चुनाव चिह्न घड़ी का उपयोग नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार से कहा, जब चुनाव आते हैं तो आपको उनके (शरद पवार) नाम की जरूरत होती है और जब चुनाव नहीं होते, तो आपको उनकी जरूरत नहीं होती। अब, चूंकि आपकी एक स्वतंत्र पहचान है, आपको उसी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। पीठ ने कहा, आप एक अलग राजनीतिक दल हैं, तो उनकी तस्वीरों आदि का उपयोग क्यों करें? अब अपनी पहचान के साथ जाएं, आपने उनके साथ नहीं रहने का फैसला किया है। अदालत ने सुझाव दिया कि अजित एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर यह बता सकते हैं कि उनका शरद पवार और एनसीपी-सपा से कोई संबंध नहीं है। अदालत ने यह आदेश एनसीपी (सपा) की एक याचिका की सुनवाई करते हुए दिया। याचिका में भारत के चुनाव आयोग के 6 फरवरी के फैसले को चुनौती दी गई थी। आयोने ने 25 साल पहले शरद पवार द्वारा स्थापित मूल पार्टी और उसके घड़ी चुनाव चिह्न को अजित पवार को दे दिया था। बाद में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने भी इसी तरह का फैसला सुनाया था। ईसीआई और विधानसभा अध्यक्ष दोनों ने अजीत पवार गुट को असली एनसीपी घोषित किया, जबकि शरद पवार गुट को एक नया नाम (एनसीपी-सपा) और ट्रम्पेटर चुनाव चिह्न आवंटित किया गया।

कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी भाजपा में हुईं शामिल

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस से निलंबित सांसद और पंजाब के पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर आज दिल्ली में बीजेपी में शामिल हुईं। माना जा रहा है कि भाजपा उन्हें पटियाला सीट से लोकसभा चुनाव में उतार सकती है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं कांग्रेस से सांसद परणीत कौर आज भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गयीं। भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में भाजपा के महासचिव अरुण सिंह, तरुण चुघ, विनोद तावड़े, भाजपा में पंजाब के प्रभारी विजय रूपाणी, पंजाब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ तथा भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी मौजूद थे। तावड़े ने अपने संबोधन में कहा कि परणीत कौर जैसे सांसद एवं मंत्री के रूप में काम करके अपनी योग्यता एवं क्षमता को सिद्ध किया है। पंजाब में आम आदमी के मन में भाजपा के प्रति बढ़ती लोकप्रियता के बीच कौर के आगमन से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सेवा का मिशन और मजबूत होगा। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी कौर ने कहा कि वह आज भाजपा में शामिल हो रहीं हैं। पिछले 25 साल से लोकसभा विधानसभा में देश के लिए पंजाब के लिए काम किया हे। आज वो समय आ गया है कि जो हमारे देश को दुनिया में ऊंचा उठा सके और हमारे बच्चों के भविष्य को उज्जवल बना सके, ऐसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करतीं हैं और उनके नेतृत्व में देश एवं पंजाब की तरक्की के लिए काम करेंगीं। कौर चार बार से पटियाला लोकसभा सीट से सांसद हैं। वह 1999 में सबसे पहले पटियाला से लोकसभा चुनाव जीती थीं और इसके बाद 2004, 2009 और 2019 में इसी सीट से चुनाव जीता। वह संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार में 2009 से 2012 तक विदेश राज्य मंत्री भी रही हैं। इसके अलावा वह 2014 से 2017 तक पटियाला से विधायक भी रही हैं। वह 2019 में पुनः पटियाला से विजयीं हुईं है। पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में कांग्रेस ने कौर को गत वर्ष फरवरी को निलंबित कर दिया था।

अयोध्या से ब्राह्मण उम्मीदवार उतारेंगी मायावती!

लखनऊ। बीएसपी सुप्रीमो मायावती, सच्चिदानंद पांडे सचिन को अयोध्या में अपना उम्मीदवार बना सकती हैं। सचिन ने हाल ही में भाजपा से अपना इस्तीफा दिया है। 13 मार्च को उन्होंने बीजेपी की सदस्यता से इस्तीफा दिया। इसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे हैं कि वो बीएसपी की टिकट पर अयोध्या लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। पांडे ने बीजेपी को जो इस्तीफा भेजा था, उसमें उन्होंने कहा था कि अब मुझे पार्टी में बने रहने पर घुटन महसूस हो रही है, जिसकी वजह से अब बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा भेज रहा हूं।

कांग्रेस अध्यक्ष का दर्द बोले अब तो चुनाव लड़ने के लिए भी पैसा नहीं रहा

प्रात : किरण/एजेंसी

कालाबुरागी। लोकसभा चुनाव में अब कुछ हफ्ते ही शेष बचे हैं और उससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस के बदहाली के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग की ओर से पार्टी पर जुमार्ना लगाया गया है। खरगे ने संकेत दिया कि पार्टी धन की कमी का सामना कर रही है और आरोप लगाया कि जिन बैंक खातों में लोगों द्वारा दान किया गया पैसा रखा गया था, उन्हें भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने फ्रीज कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधते हुए, खड़गे ने लोगों से देश में संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए आगामी लोकसभा चुनावों में एक साथ मजबूती से खड़े होने और उनकी पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया। यह कहते हुए कि चुनाव में सभी को समान अवसर मिलना चाहिए, खड़गे ने भाजपा पर कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज करने और आयकर के माध्यम से पार्टी पर भारी जुमार्ना लगाने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा कि भाजपा खुद चुनावी बांड के माध्यम से मिले हजारों करोड़ रुपये का खुलासा करने के लिए तैयार नहीं हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि यह हमारी पार्टी का पैसा था जो आम लोगों ने दान में दिया था।

संदेशखाली में शाहजहां शेख के कई ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता। संदेशखाली में महिलाओं का उत्पीड़न और हिंसा का आरोपी टीएमसी नेता शाहजहां के चार ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है। सुबह- सुबह हुई इस कार्रवाई में टीम के साथ केंद्रीय सुरक्षाबलों के जवान भी मौजूद हैं। आपको बता दें कि पिछली बार जब ईडी की टीम पहुंची थी तो उनके काफिले पर शाहजहां के समर्थकों के द्वारा हमला किया गया था। बता दें कि राशन वितरण घोटाला मामले की जांच के सिलसिले में शेख शाहजहां के परिसर की तलाशी लेने गए जांच एजेंसी के अधिकारियों पर लगभग 1000 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया था।

ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू चुनाव आयुक्त नियुक्त

- अधीर रंजन ने जताई असहमति

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को देश का अगला चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। चुनाव आयोग की तरफ से इन दो नामों की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने गुरुवार को मीडिया को इस फैसले के बारे में जानकारी दी और इस फैसले पर अपनी असहमति जताई। बैठक से बाहर निकलकर मीडिया से मुखातिब होते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के नाम पर चयन समिति ने मुहर लगा दी है। चुनाव आयुक्त के चयन के लिए चयन समिति की बैठक के बाद कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, उनके (सरकार) पास (चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने वाली समिति में) बहुमत है। उन्होंने मुझे बुधवार की देर रात पहले 212 नाम दिए थे, लेकिन बैठक के दौरान नियुक्ति से 10 मिनट पहले सिर्फ छह नाम दिए गए। मुझे जानकारी है कि सीजेआई वहां नहीं हैं। सरकार ने ऐसा कानून बनाया है कि सीजेआई बाहर रहे और वहां अंदर बैठकर सरकार अपने बहुमत की वजह से अपने पंसदीदा नाम का चयन कर सके। बता दें कि दोनों नौकरशाहों को चुनाव आयुक्त बनाने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत पैनल ने लिया है। पीएम मोदी के अलावा इस पैनल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भी थे। अधीर रंजन चौधरी ने चयन समिति में सीजेआई की जगह एक केंद्रीय मंत्री को शामिल करने वाले कानून को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला।

आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लिए आठ उम्मीदवारों की पहली सूची घोषित की

प्रात : किरण/एजेंसी

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी ने बृहस्पतिवार को लोकसभा चुनाव के लिए पंजाब में आठ उम्मीदवारों की पहली सूची घोषित की। पार्टी ने पांच कैबिनेट मंत्रियों को मैदान में उतारा है। सूची के मुताबिक, पंजाब के कैबिनेट मंत्रियों झ कुलदीप सिंह धालीवाल को अमृतसर सीट से, लालजीत सिंह भुल्लर को खडूर साहिब से, गुरुमीत सिंह खुदियां को बठिंडा से, गुरुमीत सिंह मीत को संगरूर से और बलबीर सिंह को पटियाला लोकसभा सीट से मैदान में उतारा गया है। जालंधर से सांसद सुशील रिंकू एक बार फिर इसी सीट से उम्मीदवार बनाए गए हैं। पार्टी ने गुरप्रीत सिंह जीपी को फतेहगढ़ साहिब लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। बस्सी पथाना सीट से कांग्रेस के पूर्व विधायक सिंह हाल में आप में शामिल हुए थे। आप ने पंजाबी अभिनेता करमजीत अनमोल को फरीदकोट लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है।

गारंटी महालक्ष्मी सिर्फ एक योजना नहीं है बल्कि आधी आबादी के बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि की गारंटी है

महालक्ष्मी योजना महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं समृद्धि की गारंटी : राहुल गांधी

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के गरीब परिवारों की महिलाओं को हर साल एक लाख रुपए देने के ऐलान को क्रांतिकारी पहल करार देते हुए कहा है कि इसमें महालक्ष्मी योजना की घोषणा कर देश की महिलाओं की सुरक्षा सम्मान और समृद्धि की गारंटी सुनिश्चित की गई है। श्री गांधी ने आज ट्वीट कर कहा, महालक्ष्मी सिर्फ एक योजना नहीं है बल्कि आधी आबादी के बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और

समृद्धि की गारंटी है। देश की हर गरीब महिला को महालक्ष्मी योजना बहुत ध्यान से समझने की जरुरत है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने हर गरीब परिवार की एक महिला को महालक्ष्मी मान कर उनके खाते में साल के 1 लाख रुपए डालने का संकल्प लिया है। महिलाएं घर का बैंक होती हैं जिनके पास गया एक-एक रुपया परिवार को मजबूत बनाने में ही लगता है और मजबूत परिवार ही मजबूत समाज का आधार हैं। श्री गांधी ने कहा महिला को अब किसी के आगे हाथ फैलाने या नजर झुकाने की जरुरत नहीं होगी। पढ़ाई, कमाई और दवाई का बोझ घर की महिला खुद अपने कंधों पर उठाने में सक्षम होगी। महिलाओं के हाथ में एक लाख का मतलब परिवार के सामने अचानक आयी किसी विपदा से निपटने का इंश्योरेंस भी है। उन्होंने गरीब घरों की महिलाओं ध्यान में रखते हुए बनाई गई इस योजना को ऐतिहासिक करार दिया और कहा यह योजना बड़ी संख्या में छोटे निवेश वाले बिजनेस शुरू करने में सहायक बन कर गांव-गांव महिलाओं को उद्यमी भी बनाएगी। कांग्रेस देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए महिलाओं की आकांक्षाओं में निवेश पर विश्वास रखती है। संघर्ष के दिन खत्म हुए, अब खुशियां आपका इंतजार कर रही हैं।

रामलीला मैदान में जुटे किसानों को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में आई

प्रात : किरण

नई दिल्ली। ऐलान के मुताबिक एमएसपी समेत विभिन्न मांगों को लेकर अनेक किसान संगठनों ने आज दिल्ली के रामलीला मैदान में पहुंचना शुरू किया है। इसे देखते हुए दिल्ली पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है और चारों ओर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम कर रखे हैं। किसान महापंचायत दिल्ली के रामलीला मैदान में आज होने जा रही है। किसान महापंचायत को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने भी व्यापक सुरक्षा व्यवस्था कर रखी है और चारों ओर अलर्ट किया हुआ है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीसीपी सेंट्रल एम हर्षवर्धन का कहना था कि यह सुनिश्चित करने के लिए हमने विस्तृत व्यवस्था कर रखी है कि कानून एवं व्यवस्था हर स्थिति में बनी रहे। कानून व्यवस्था को लेकर महापंचायत आयोजक समूह ने भी एक लिखित आश्वासन दिया है। इसमें कानून और व्यवस्था बनाए रखने से संबंधित विभिन्न बिंदु शामिल हैं। इस तरह से हम हर स्थिति में कानून-व्यवस्था बनाए रखेंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि दिल्ली में बहुत ज्यादा तादाद में किसान आए हुए हैं और यह प्रक्रिया सतत जारी रहने वाली है। बावजूद इसके उम्मीद है कि एसकेएम नेता जो बता रहे थे, वो उस सीमा के तहत ही सब करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था व शांति बनाए रखने के लिए पर्याप्त बल उपलब्ध है। उम्मीद है कि बिना किसी गड़बड़ी के यहां पर सब हो जाएगा। वहीं किसान संगठनों ने आरोप लगाया है कि दिल्ली रामलीला मैदान में आयोजित महापंचायत और प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे किसान नेताओं को पुलिस ने ग्रेटर नोएडा के दनकौर में रोक लिया है। इससे सीमा पर तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

भालुओं के झुंड ने तीन युवकों पर हमला कर किया बुरी तरह घायल

चमोली , एजेंसी। गांव में ही रिश्तेदारी में जा रहे तीन युवकों पर भालुओं के झुंड ने हमला कर दिया। तीनों ही बुरी तरह घायल हैं। चमोली जनपद के नंदानगर ब्लॉक के लांखी गांव के तीन युवाओं पर भालुओं के झुंड ने हमला कर घायल कर दिया, जिनमें से दो घायलों का जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में इलाज चल रहा है। तीनों युवा गांव में ही किसी रिश्तेदारी में जा रहे थे। तभी अचानक भालुओं की झुंड़ ने उन पर हमला कर दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदार के साथ ही भालुओं की भी दहशत है।

समयावधि में कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह ने भल्ला स्टेडियम के पास निर्माणाधीन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। उन्होंने अफसरों को निश्चित समयावधि में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उपाध्यक्ष अंशुल सिंह ने बताया कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बैडमिंटन, लॉन टेनिस, फुटबाल, स्कैवश कोर्ट, जिम, योग और इंडोर क्रिकेट पिच बनाई जा रही है। इस ग्राउंड में खिलाड़ी बेहतर अभ्यास कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही भल्ला क्रिकेट ग्रांउड भी बनकर तैयार हो जाएगा। इस ग्राउंड में रणजी क्रिकेट प्रतियोगिताएं हो सकेंगी। कॉम्प्लेक्स में पहले सिर्फ बैडमिंटन खेलने के लिए सुविधा थी। प्राधिकरण ने इसे अन्य खेलों के लिए विकसित किया। उम्मीद है कि अगले दो महीने में कॉम्प्लेक्स पूरी तरह तैयार हो जाएगा।

एक साल बाद चार हजार बेटियों को मिला कन्याधन

हरिद्वार, एजेंसी। आखिरकार सरकार की ओर से जनपद भर की इंटर पास करीब चार हजार बेटियों को कन्याधन जारी कर दिया गया है। सरकार की ओर से नंदा गौरा योजना से लाभार्थियों को 51-51 हजार रुपये दिए गए हैं। बीते सत्र की साढ़े तीन हजार से अधिक बेटियों का पैसा देने की भी प्रक्रिया जारी कर दी गई है। सरकार की ओर से गरीब बेटियों के लिए नंदा गौरा योजना शुरू की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में इंटर में उत्तीर्ण हुई 396 कन्याएं योजना के लिए चयनित हुई थीं, लेकिन इन्हें योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि नहीं मिल पाई थी। अब सरकार की ओर से पात्र बेटियों के बैंक खातों में योजना का पैसा ट्रांसफर कर दिया गया है। इससे बेटियों के चेहरे खिल गए हैं। वहीं, शैक्षिक सत्र 2023-24 में स्वीकृत किए गए 3734 आवेदनों के लाभार्थियों के बैंक खातों में भी धन ट्रांसफर करने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला मुख्यालय की ओर से बेटियों की सूची बुधवार को शासन को भेज दी गई है। योजना के लिए चयनित 166 बेटियों के बैंक खातों में गड़बड़ी मिली है। इससे पैसा ट्रांसफर नहीं हो पा रहा है। इनमें चालू सत्र के 163 तो बीते सत्र के तीन आवेदन हैं। अधिकारियों का कहना है कि बैंक की त्रुटियां ठीक कराकर इनका पैसा भी जारी कराया जाएगा।

19 करोड़ से खैरना-रानीखेत मार्ग की दशा सुधरेगी

गरमपानी(नैनीताल), एजेंसी। खैरना-रानीखेत स्टेट हाइवे पर सुरक्षात्मक कार्यों के लिए रानीखेत लोनिवि ने 19 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। बजट स्वीकृत होते ही खैरना से मोहान तक सड़क पर क्रैश बैरियर और पैरापिट का निर्माण शुरू किया जाएगा। खैरना-रानीखेत स्टेट हाइवे से खैरना, गरमपानी, हल्द्वानी, रानीखेत, द्वाराहाट, दूनागिरी, अल्मोड़ा, गनियाद्योली, पिलखोली, सोनी, मोहान, रामनगर के वाहन चालक और यात्री आवाजाही करते हैं। मार्ग की दशा सुधरने से सफर आसान होने के साथ सुरक्षित भी होगा।

उत्तराखंड बनेगा वेड इन इंडिया का हब, सीएम धामी बना रहे विस्तृत नीति

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में विकास की रफ्तार तेज हो रही है। पर्यटन के बाद अब उत्तराखंड में वेडिंग डेस्टिनेशन्स बनाने की तैयारी तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद अब सूबे की धामी सरकार विस्तृत नीति बना रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड का नैसर्गिक सौंदर्य हमेशा से देश दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। अब प्रदेश वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भी खास पहचान बनाएगा।

सीएम धामी ने कहा कि सरकार इसके लिए एक विस्तृत नीति बनाने पर कार्य कर रही है, जिसके परिणाम शीघ्र सामने आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपेक्षा के अनुरूप उत्तराखंड जल्द ही वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भारत ही नहीं, बल्कि विश्व में नंबर एक बनेगा।

बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैंप कार्यालय सभागार में डेस्टिनेशन वेडिंग पर उत्तरी भारत के प्रमुख वेडिंग प्लानर के साथ वर्चुअल बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई ऐसे धार्मिक और प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण स्थल हैं, जिनमें फिल्मों की शूटिंग और प्री वेडिंग शूट के लिए प्राथमिकता दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों से शादियों के लिए विदेश जाने के स्थान पर उत्तराखंड आने का आह्वान किया था।

सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड में वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए सैकड़ों उपयुक्त स्थान है। यहां त्रियुगीनारायण मंदिर है, जहां शिव-पार्वती विवाह संपन्न हुआ था। यहां बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री जैसे चार धाम हैं। यहां जागेश्वर धाम है, आदि कैलास है। ऐसे में कौन यहां नहीं आना चाहेगा।

सीएम धामी ने कहा कि वेडिंग डेस्टिनेशन के संबंध में जो भी सुझाव मिले हैं, उन्हें जल्द ही अमल में लाया जाएगा। कार्यक्रम में 75 से अधिक वेडिंग प्लानर शामिल हुए। उन्होंने कहा कि देवभूमि का वातावरण, मौसम व प्रकृति की विविधता को देखते हुए उत्तराखंड के प्रति युवाओं में जबरदस्त आकर्षण है। बैठक में सचिव नियोजन आर मीनाक्षी सुंदरम ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन गिरिजा शंकर जोशी ने किया।

डकोटा से चानचक तक बनने वाली रिंग रोड के लिए हुई पैमाइश

देहरादून, एजेंसी। क्लेमेंटटाउन क्षेत्र में डकोटा-चानचक रिंग रोड बनने का रास्ता साफ हो गया है। रिंग रोड के बनने से इन क्षेत्रों के लोगों को सैन्य क्षेत्र से नहीं गुरजना पड़ेगा। बुधवार को विधायक धर्मपुर विनोद चमोली के नेतृत्व में लोनिवि, राजस्व,पुलिस, सिंचाई विभागों ने रोड की पैमाइश की और कच्ची सड़क का शुभारंभ किया।

क्लेमेंटटाउन के डकोटा, ओस्ले लाइन, लालढांग, इंदरपुरी, बड़ा भारूवाला, छोटा भारूवाला के लोगों को आने-जाने के लिए सैन्य क्षेत्र को प्रयोग करना पड़ता है। जगह-जगह सेना के बैरियर होने के कारण उन्हें रात को कड़ी पूछताछ के बाद ही आने-जाने दिया जाता है। इससे उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या से निजात के लिए वर्ष 2011 से क्षेत्रवासी डकोटा से चानचक तक रिंग रोड की मांग लगातार कर रहे थे। लेकिन बीच में काश्तकारों की जमीन और कब्जों के कारण आज तक इस सड़क का निर्माण नहीं पाया था। लेकिन अब लगभग 1.2 किलोमीटर के रिंग रोड के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है।

विधायक विनोद चमोली ने डकोटा से चानचक रिंग रोड के कच्चे मार्ग का शुभारंभ किया। लोनिवि, राजस्व, पुलिस, सिंचाई विभाग ने अधिकारियों ने रोड के लिए पैमाइश कर अवैध कब्जों को हटाया। लोनिवि निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता प्रवीन कर्णवाल ने कहा कि जल्द ही सड़क का एस्टीमेट बनाकर स्वीकृत के लिए भेजा जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद सड़क निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने इसके लिए विधायक चमोली का आभार जताया है। भाजपा नेता महेश पांडे ने कहा कि सड़क बनने से लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सिविल सर्विसेज बोर्ड के लिए उत्तराखंड में भी कसरत होगी शुरू, सरकार करेगी अध्ययन

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में सिविल सर्विसेज बोर्ड के गठन को लेकर जल्द निर्णय हो सकता है। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय से मिले दिशा-निर्देशों के क्रम में प्रदेश सरकार इस दिशा में आगे कदम बढ़ाने की तैयारी कर रही है। जल्द ही इस संबंध में उच्च स्तरीय बैठक की जाएगी।

सिविल सर्विसेज बोर्ड का गठन कई राज्यों में हो चुका है। इसके लिए तय दिशा-निर्देशों के अनुसार इसकी अध्यक्षता राज्य के मुख्य सचिव द्वारा की जाती है। अपर मुख्य सचिव या या अध्यक्ष, राजस्व परिषद, सचिव वित्त व समकक्ष रैंक के अधिकारी इसके सदस्य होते हैं।

सिविल सर्विसेज बोर्ड को राज्य कैडर के अधिकारियों के लिए कम से कम दो साल का निश्चित कार्यकाल देने के केंद्र के दिशा-निर्देशों का पालन करने का प्रावधान करता है। यदि कोई कार्यकाल पूरा होने से पहले अधिकारियों के तबादले की सिफारिश करता है तो बोर्ड इसकी जांच कर उस पर कार्य करता है। नियमानुसार, इसके अंतिम

प्राधिकारी मुख्यमंत्री होते हैं। इसका फायदा यह है कि इससे अधिकारियों को एक निश्चित कार्यकाल मिल सकता और वे बेहतर प्रशासन प्रदान कर सकते हैं।

इसके साथ ही वे राजनीतिक आकाओं को खुश करने के स्थान पर नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। इससे नौकरशाह दिशा-निर्देशों का प्रभावी तरीके से पालन कर सकेंगे। साथ ही स्थानांतरण को लेकर उनकी चिंता कम हो जाएगी।

अपर मुख्य सचिव कार्मिक आनंद बर्द्धन का कहना है कि इस संबंध में केंद्र का पत्र मिला है।

अधिकारी बोले, हमने नहीं दी प्लांट के लिए अनापत्ति

कालाढूंगी, एजेंसी। कोटाबाग के सूरपुर गांव में निर्माणाधीन एथेनॉल प्लांट के मानकों की जांच की मांग को लेकर चल रहे धरने के 28वें दिन एडीएम शिवचरण द्विवेदी ने कालाढूंगी तहसील पहुंचकर ग्रामीणों के साथ बैठक की। बैठक में ग्रामीणों ने अनापत्ति देने वाले अधिकारियों से सवाल किया तो अधिकतर विभागों के अफसरों ने स्थानीय स्तर पर अनापत्ति नहीं देने की बात कही। इस बीच ग्रामीणों की ओर से अनापत्ति प्रमाण पत्र दिखाने पर एडीएम हैरान हो गए। लोनिवि के अधिकारियों ने कहा उन्होंने ग्रामीण सड़क के बीच से 12 मीटर छोड़कर निर्माण करने के निर्देश दिए हैं। हवाला देते हुए ग्रामीणों को संतुष्ट करने का प्रयास किया लेकिन लोगों ने स्थलीय निरीक्षण कर जांच की मांग कर दी। इस दौरान एसडीएम रेखा कोहली, तहसीलदार संजय कुमार कोहली, भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल, दीपेश जलाल, गुड्डू चौहान, रवि दिगारी, अनिल वालिया आदि रहे।

देवप्रयाग में पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटा, तीन लोग घायल; सभी अस्पताल में भर्ती

देवप्रयाग, एजेंसी।
देवप्रयाग में सड़क हादसा हुआ है। एक पिकअप वाहन पलटने से तीन लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देवप्रयाग नगर की मेन मार्केट बस्ती के उपर स्थित राजमार्ग पर वाहन पलटने से तीन लोग घायल हो गए। घायलो को सीएचसी बागी में भर्ती कराया गया है। वाहन श्रीनगर से बिजनौर की ओर जा रहा था।

ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग पर बुधवार रात करीब सवा 11 बजे गीता लॉज के समीप पिकअप वाहन सड़क पर पलट गया। एसएसआई अनिरुद्ध मैठाणी ने बताया कि श्रीनगर से बिजनौर जा रहे वाहन में पांच लोग सवार थे। जिनमें तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को सीएचसी बागी में भर्ती कराया।

घायलों में सोनू पुत्र अमर सिंह, कृष्ण पुत्र प्रकाश सिंह, दीपक पुत्र गरीब दास निवासी बादशाहपुर, श्रीवावाली चकधामपुर बिजनौर उप्र शामिल हैं। सभी लोग सब्जी के कारोबार से जुड़े हैं।

उत्तराखंड के 3700 सरकारी स्कूलों की बदलेगी तस्वीर, स्थापित की जाएगी स्मार्ट शाला

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में अब शिक्षा की तस्वीर बदलने जा रही है। ताला लगे स्कूलों और खस्ताहाल स्कूलों को अब स्मार्ट शाला बनाया जाएगा। प्रदेश के 3700 राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट शाला स्थापित की जाएंगी। गैर सरकारी संगठन संपर्क फाउंडेशन की पहल पर इन चयनित विद्यालयों में स्मार्ट टीवी व उपकरण और विभिन्न शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके अतिरिक्त संस्था की ओर से विकसित 'संपर्क दीदी' चैटबाट के माध्यम से शिक्षकों से समन्वय स्थापित कर शैक्षिक गतिविधियों को भी आसान बनाया जा सकेगा। इस योजना को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा धन सिंह रावत शुरु करेंगे।

प्राथमिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार

लाने के दृष्टिगत राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में संपर्क फाउंडेशन की पहल पर प्रदेश के 3700 राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 'संपर्क स्मार्क शाल' स्थापित किए जाएंगे, ताकि इन्हें स्मार्ट स्कूल में परिवर्तित किया जा सके।

इस योजना में 2700 प्राथमिक एवं 1000 उच्च प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया गया है। इनमें अल्मोड़ा जिले के 16, बागेश्वर के 35, चमोली के 20, चंपावत के 78, देहरादून के 217, हरिद्वार के 171 विद्यालय हैं। नैनीताल के 96, पौड़ी के 37, पिथौरागढ़ के 12, रुद्रप्रयाग के 48, टिहरी के 13, ऊधमसिंह नगर 190 तथा उत्तरकाशी के 67 उच्च प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं।

जिलाध्यक्ष की मौत से परिवार में कोहराम

हरिद्वार, एजेंसी। सड़क दुर्घटना में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय कुमार की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में भी शोक की लहर है। कनखल श्मशान घाट पर संजय कुमार का अंतिम संस्कार किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी शोक जताया।

जगजीतपुर निवासी संजय कुमार भाजपा से लंबे समय से जुड़े हुए थे। पिछले दिनों पार्टी की ओर से उन्हें अनुसूचित जाति मोर्चा में जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई थी। भाजपा पदाधिकारियों के अनुसार संजय कुमार मिलनसार थे और हर कोई उनके व्यवहार की प्रशंसा करता था। हादसे में संजय की मौत की खबर मिलते ही रानीपुर विधायक आदेश चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप गोयल, जिला पंचायत सदस्य दर्शना सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिला अस्पताल पहुंचे। दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

स्वच्छता समितियों के गुमशुदा 200 कर्मचारियों की जानकारी नहीं दे रहा नगर निगम

देहरादून, एजेंसी। एक माह से ज्यादा समय हो गया है लेकिन पार्षद स्वच्छता समितियों के माध्यम से हुए गड़बडझाला की जांच अधर में लटकी हुई है। इसका कारण नगर निगम की ओर से जांच समिति को जानकारी उपलब्ध न कराना है। समिति ने गायब मिले दो सौ कर्मचारियों के बारे में नगर स्वास्थ्य अधिकारी से जानकारी मांगी थी, लेकिन अभी तक वह जानकारी उपलब्ध नहीं करा पाए हैं। ऐसे में जांच रिपोर्ट फाइनल होने में लगातार देरी हो रही है।

नगर निगम के पार्षद स्वच्छता समितियों में बड़ा गड़बड़झाला सामने आया था। समिति के माध्यम से हर वार्ड में दस से 12 कर्मचारियों को रखा गया था। जिनको निगम की ओर से सीधे वेतन न देकर समिति के माध्यम से वेतन दिया जाता था। सौ वार्डों में करीब एक हजार के करीब कर्मचारी थे। नगर निगम का बोर्ड भंग होने पर जब प्रशासक जिलाधिकारी सोनिका ने कर्मचारियों का भौतिक सत्यापन किया तो करीब दो सौ कर्मचारी मौके से नदारद मिले। इनमें से एक नाम, पते के भी कई कर्मचारी मिले। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि नगर निगम की ओर से समितियों को तो प्रति कर्मचारी 15 हजार के हिसाब से वेतन दिया जा रहा था, लेकिन समिति की ओर से किसी कर्मचारी को दस तो किसी को और कम वेतन दिया जा रहा था। भौतिक सत्यापन में मिली गड़बड़ी के बाद जिलाधिकारी ने मामले की विस्तृत जांच के लिए सीडीओ झरना कमठान के नेतृत्व में एक जांच कमेटी गठित की है। कमेठी को एक माह के अंदर जांच रिपोर्ट देने को कहा गया था। दो माह होने को है, अभी भी जांच अधर में लटकी हुई है।

समिति ने निगम के नगर स्वास्थ्य अनुभाग को ऐसे कर्मचारियों जो मौके पर नहीं थे और जिनके नाम से वेतन दिया जा रहा है, उनकी पूरी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए थे। लेकिन निगम की ओर से आज तक इसकी जानकारी समिति को उपलब्ध नहीं कराई है। जांच समिति की माने तो 800 कर्मचारियों का भौतिक सत्यापन हो चुका है। 200 कर्मचारियों के बारे में नगर निगम से जानकारी मांगी गई है, लेकिन अभी तक इनकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

पार्षद स्वच्छता समितियां 2018 से पूर्व भी थीं, लेकिन समितियों के माध्यम से रखे कर्मचारियों को निगम डायरेक्ट खातों में वेतन देता था। 2018 के बाद बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित कर इन कर्मचारियों को समिति के माध्यम से दिए जाने निर्णय लिया गया। तब से निगम कर्मचारियों के खातों में वेतन देने के बजाय हर माह करोड़ों का भुगतान समिति को करती रही।

टांटवाला में ही पढ़ाएंगी सुनीता, यथावत रखा ट्रांसफर आदेश

हरिद्वार, एजेंसी। बच्चों का उत्पीड़न करने के मामले में सहायक अध्यापिका सुनीता रानी टांटवाला में ही पढ़ाएंगी। सीईओ (मुख्य शिक्षा अधिकारी) की ओर से सहायक अध्यापिका के प्रत्यावेदन का निस्तारण करते हुए पूर्व में किए ट्रांसफर आदेश को यथावत रखा है। साथ ही उन्होंने स्कूल में मानक से अधिक मिले दो और सहायक अध्यापकों को दूसरे विद्यालयों में समायोजित करने के निर्देश दिए हैं।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय भेल सेक्टर नंबर-01 में तैनात सहायक अध्यापक सुनीता रानी पर बच्चों का उत्पीड़न करने का आरोप लगा था। उनकी शिकायत बाल संरक्षण आयोग तक पहुंची थी। आरोप था कि उनकी ओर से बच्चों की पिटाई की गई और उन्हें धूप में हाथ ऊपर कर खड़ा किया गया। मामले का वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हुआ था। मामले की जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) आशुतोष भंडारी की ओर से 18 अक्तूबर 2023 को शहर से दूरस्थ लालढांग क्षेत्र के गांव टांटवाला में ट्रांसफर कर दिया गया था, लेकिन सुनीता रानी की ओर से 26 अक्तूबर 2023 को प्रत्यावेदन कर दोबारा जांच करने की मांग मुख्य शिक्षा अधिकारी से की गई थी। कहा था कि जांच अधिकारी की ओर से उनका पक्ष नहीं सुना गया है।

मामले की जांच फिर से उप शिक्षा अधिकारी बहादराबाद की ओर से की गई। अब जांच रिपोर्ट मिलने पर सीईओ के.के. गुप्ता की ओर से छात्र और विद्यालय हित में टांटवाला में स्थानांतरण के आदेशों को यथावत रखने के आदेश जारी किए गए हैं।

अनियमित दिनचर्या और खानपान से बढ़ रही किडनी की समस्या, समय पर इलाज न मिलने पर कैंसर का खतरा

देहरादून, एजेंसी।
किडनी में पथरी की समस्या बढ़ रही है। समय पर इलाज न मिलने पर किडनी कैंसर का खतरा भी हो सकता है।

अनियमित दिनचर्या और खानपान से किडनी स्टोन यानी गुर्दे की पथरी की समस्या बढ़ रही है। खासतौर से युवाओं में यह समस्या अधिक हो रही है। किडनी स्टोन का सही समय पर इलाज न किया जाए तो किडनी के कैंसर की संभावना बढ़ जाती है।

डॉक्टरों के मुताबिक शरीर में कुछ खराब मिनरल इकट्ठा हो जाते हैं और पथरी बन जाती है। खाने-पीने को लेकर लापरवाही, मोटापा, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और दर्द निवारक दवाओं के अधिक उपयोग से किडनी की समस्या बढ़ रही है। दून अस्पताल के यूरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज बिस्वास ने बताया कि पहले किडनी में स्टोन का ऑपरेशन चीरा लगाकर किया जाता था। लेकिन अब तकनीक बदल गई है।

इसके बाद किडनी में छेद करके स्टोन निकाला जाने लगा। इस समय इलाज की प्रक्रिया अधिक एडवांस हो गई है। इसमें न कोई छेद होता है और न ही

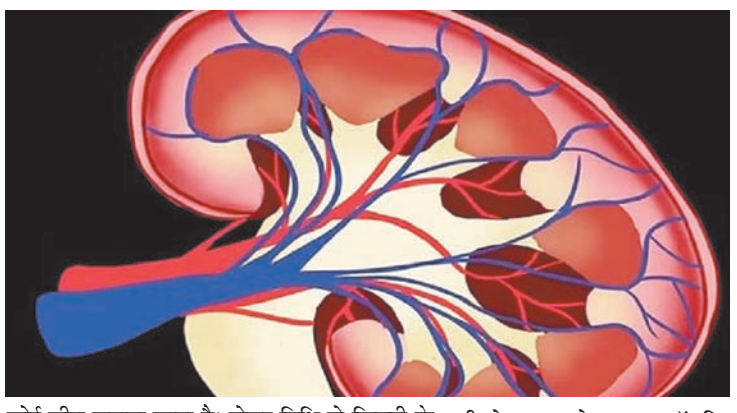

कोई चीरा लगाया जाता है। लेजर विधि से किडनी के स्टोन को निकाल दिया जाता है। इस प्रक्रिया से बेहतर इलाज होता है। डॉ. बिस्वास ने बताया कि 20 से 25 साल के युवाओं में किडनी के स्टोन की समस्या बढ़ रही है। पिछले दिनों 15 साल के बच्चे के किडनी स्टोन का ऑपरेशन किया गया है। इसके अलावा डायलिसिस की जरूरत तब पड़ती है जब दोनों किडनी काम करना बंद कर देती हैं। दून अस्पताल में स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (सोटो) सेंटर खुल गया है। इसलिए जल्द ही किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा मिल सकेगी। इसके अलावा आई ट्रांसप्लांट और लिवर ट्रांसप्लांट भी होना शुरू हो जाएगा। डॉ. बिस्वास ने बताया कि किडनी स्टोन से बचाव के लिए सबसे अधिक जरूरी यह है कि बीज वाले खाद्य पदार्थों का कम उपयोग करें। हाई प्रोटीन थोड़ा कम लें। एक दिन में तीन से साढ़े तीन लीटर तक पानी जरूर पीयें, ताकि दो लीटर तक पेशाब बन सके। इसके अलावा यह देख लें कि पानी में टीडीएस की मात्रा 150 से 200 से अधिक न हो।

सीएए भाजपा के लिए संवेदना का मुद्दा है, पोलिटिकल गेन का नहीं: अमित शाह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने बृहस्पतिवार को समाचार एजेंसी एएनआई पॉडकास्ट को दिए गए साक्षात्कार में उजागर किया कि, ह्यसीएए भाजपा के लिए संवेदना का मुद्दा है, पोलिटिकल गेन का नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी शरणार्थियों की वेदना को समझते हैं और इसीलिए उनकी 75 वर्ष लंबी इस वेदना को चुनाव से पहले समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। देश की जनता यह समझ चुकी है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम मोदी जी और अमित शाह के लिए अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से 31 दिसंबर, 2014 से पहले आए करोड़ों शरणार्थियों को उनके अधिकार देना, उनकी वेदना से उन्हें मुक्ति दिलाना और उनकी तीन पीढ़ियों को न्याय देने का मुद्दा है, जो कांग्रेस ने कभी नहीं दिया। इस कानून के लागू होते ही यह भी जाहिर हो चुका है कि मोदी-शाह ने शरणार्थियों की 75 साल की वेदना का अंत करने का काम किया है। नागरिकता संशोधन अधिनियम के बारे में विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जा रहे झूठ के तथ्यों का एक ही जवाब है कि मोदी सरकार सभी पात्र शरणार्थियों को नागरिकता देगी। सीएए नागरिकता देने का कानून है, नागरिकता लेने का नहीं। राहुल गांधी से लेकर ओवैसी तक और अरविंद केजरीवाल से लेकर ममता बनर्जी तक सभी विपक्षी दलों के नेता झूठ की राजनीति कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का विरोध करने के बजाए वोटबैंक की राजनीति के लिए शरणार्थियों के खिलाफ भ्रम फैला रहे हैं। ममता बनर्जी को सीएए का विरोध करने की जगह घुसपैठ को रोकना चाहिए। दरअसल हिंदू और मुसलमानों के बीच द्वेष पैदा कर अपने वोट बैंक को साधना चाहती हैं ममता बनर्जी। भाजपा के बढ़ते विस्तार से यह मान लेना चाहिए कि वह दिन दूर नहीं है जब पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की सरकार होगी और घुसपैठ पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कोई भी राज्य यदि यह दावा कर रहा है कि उनके यहाँ सीएए लागू नहीं होगा तो उनके लिए भी अमित शाह का स्पष्ट संदेश है कि, ह्यनागरिकता कानून केंद्र का विषय है, राज्यों के विरोध का कोई बुनियाद नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 2019 लोकसभा चुनाव के अपने घोषणापत्र में ही सीएए लागू करने की बात कही थी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले देश भर में सीएए लागू कर दिया गया। भारतीय राजनीति के चाणक्य और बड़े-से-बड़े निर्णय को सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुँचाने वाले शाह के रवैये से यह साफ है कि, न इंडिया एलाएंस सत्ता में आने वाला है, और न ही सीजे जाने वाला है। ध्यान देने लायक बात यह है कि किसी भी मुस्लिम के लिए भारत की नागरिकता लेने का रास्ता बंद नहीं किया गया है। दरअसल मोदी सरकार के हर फैसले का विरोध करना विपक्ष की आदत बन गई है, जिसका उदाहरण है - सर्जिकल, एयर स्ट्राइक, धारा 370 को हटाना, तीन तलाक को हटाना आदि। 2024 लोकसभा चुनाव में घमंडिया गठबंधन को करारी शिकस्त देने के लिए भारतीय राजनीति के चाणक्य एक बार फिर से मोदी सरकार की उपलब्धियों के साथ मैदान में उतर चुके हैं। दुनिया जानती है कि जब शाह मैदान में उतरते हैं तो कमल का पताका जरूर फहराता है। बीते 10 वर्ष की उपलब्धियों के आधार पर देश की जनता ने भी एक बार फिर से नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का मन बना लिया है।

सुबह मकान में लगी भीषण आग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

शाहदरा जिला के गीता कॉलोनी स्थित शास्त्री नगर में एक रिहायशी बिल्डिंग में आज सुबह सुबह 4 मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। आग आज सुबह बिल्डिंग की पार्किंग से शुरू हुई थी। जो बढ़कर ऊपरी मंजिल तक पहुंच गई। फर्स्ट, स्केंड, थर्ड और फोर्थ फ्लोर पर अलग अलग फ्लैट बने हुए थे और उनमें अलग अलग फैमली रहती है। ग्राउंड फ्लोर पर आधे हिस्से में पार्किंग और बाकी में दो कमरे का फ्लैट भी बना हुआ था। फायर डायरेक्टर अतुल गर्ग ने बताया की फायर कंट्रोल रूम को सुबह 5:27 पर आग की कॉल मिली थी। मौके पर एसिस्टेंट डीविजनल ऑफिसर सुमित तहलान, एसटीओ प्रवीण और अनूप सहित लगभग 45 फायर कर्मियों की टीम पहुंची। वहां बिल्डिंग में रहने वाले 8 लोगो को निकालकर पास के अस्पताल में पहुंचाया। जिनमें से पांच लोग तो ग्राउंड फ्लोर से निकाले गए और बाकी तीन ऊपर से। फायर की टीम के पहुंचने से पहले कुछ लोग छत के सहारे निकल गए थे। जिन घायलों को हॉस्पिटल में ले जाया गया, बाद में पता चला की उनमें से अस्पताल में 2 बच्चों और एक पति पत्नी सहित 4 की मौत हो गई। बाकी अभी और हॉस्पिटल में भर्ती हैं। पांच लोगों को पार्किंग एरिया के पिछले हिस्से में बने कमरे से निकल गया और तीन लोगों को पहली मंजिल से निकाला गया। आग पार्किंग वाले हिस्से में लगी थी जिसमें कार और बाइक भी जल गई। ऊपर के फ्लोर पर धुआं पहुंच गया था जिसकी वजह से लोग बेहोश हो गए थे। मृतकों में दो बच्चे और एक महिला बुरी तरह झुलस गए थे।

सड़क क्रॉस कर रहे बुजुर्ग की ली थी हिट एंड रन में जान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आर के पुरम थाना कि पुलिस टीम ने हिट एंड रन के मामले का खुलासा किया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिए है। जिसने एक 70 साल के बुजुर्ग को स्कूटी से टक्कर मारी थी। जब वह मोहन सिंह मार्केट के पास रोड क्रास कर रहे थे। टक्कर के बाद स्कूटी सवार मौके से फरार हो गया था। जिसकी पहचान पुलिस ने तरुण कुमार के रूप में की है। जिस स्कूटी से हादसे को अंजाम दिया गया था, उसे भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। डीसीपी रोहित मीना ने बताया कि यह एक्सीडेंट 7 मार्च को रात में 8:00 बजे के आसपास हुई थी। घायल बुजुर्ग जगदीश कुमार को ट्रामा सेंटर में भर्ती का गया था। लेकिन इलाज के दौरान 10 मार्च को उन्होंने दम तोड़ दिया।

आईपी यूनिवर्सिटी में वित्तीय प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के स्टाफ डेवेलपमेंट सेल द्वारा गैर-शैक्षणिक स्टाफ के लिए वित्तीय प्रबंधन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए यूनिवर्सिटी के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉक्टर) महेश वर्मा ने कहा कि वित्तीय प्रबंधन व्यक्ति और देश दोनों के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रबंधन एक कला है जिसे सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों की तुलना में यहाँ सामाजिक सुरक्षा कम हैं यैसे में आम आदमी के लिये वित्तीय प्रबंधन की दरकार बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि अपने देश में अभी भी लोग वित्तीय प्रबंधन को गंभीरता से नहीं लेते। येसे में इसे लेकर जन-जागरूकता की दरकार है। यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉक्टर कमल पाठक ने इस अवसर पर कहा कि पैसे से आप सब कुछ नहीं खरीद सकते। आत्मिक सुख और शांति पैसे से नहीं खरीदी जा सकती। यूनिवर्सिटी के स्टाफ डेवेलपमेंट सेल की चेयरपर्सन प्रो. अरविन्दर कौर ने कहा कि वित्तीय स्वतंत्रता आज की जरूरत है। वित्तीय प्रबंधन से इसे और सशक्त किया जा सकता है। इस प्रोग्राम की संयोजक डॉक्टर अनुराधा चुग ने बताया कि यूनिवर्सिटी के 48 गैर- शैक्षणिक स्टाफ इस कार्यशाला में भाग ले रहे हैं। रिसोर्स पर्सन के रूप में सीपीएफ विशेषज्ञ राजेश मिनोचा और सीए गुप्ता को इस कार्यशाला के लिए बुलाया गया है। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी की कुलसचिव (एकेडेमिक) सुनीता शिवा और वित्त नियंत्रक नरेंदर त्यागी भी उपस्थित थे।

पंजाबी बाग पुलिस ने 2400 क्वार्टर बरामद किया, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पंजाबी बाग थाना की पुलिस टीम ने होली से पहले बॉर्डर पार हरियाणा से लाई जा रही शराब की एक बड़ी खेप को जप्त किया है। इस मामले में शराब तस्कर को गिरफ्तार करके 2400 से ज्यादा क्वार्टर और शराब की बोतल बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पुलिस ने मोहम्मद शौकत के रूप में की है, जो मूलतः बिहार का रहने वाला है। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि इस शराब तस्कर के बारे में एक इनफार्मेशन मिली थी। रेलवे लाइन के साथ बने सीमेंट साइडिंग एरिया में शराब की खेप लेकर आया है। उसके बाद तुरंत मौके पर एसएचओ देवेंद्र सिंह ओबेरॉय, कांस्टेबल निर्मल और संदीप की टीम पहुंची। वहां पर देखा कि ई-रिक्शा में शराब की पेटियां भरी हुई थी।

सीआरपीएफ कैंप के पास अफ्रीकन ड्रग तस्कर से लाखों की हेरोइन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

तिलक विहार पुलिस चौकी की टीम ने एक अफ्रीकन ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से फाइन क्वालिटी की 91 ग्राम हीरोइन बरामद की गई है। जिसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि इस ड्रग तस्कर के बारे में सहायक सब इंस्पेक्टर सुखपाल को एक सूचना मिली थी। उस सूचना पर इस अफ्रीकन ड्रग तस्कर के बारे में और जानकारी कंफर्म की गई तो एसीपी सुरेंद्र सिंह राठी, एसएचओ विनीत कुमार पांडे और चौकी इंचार्ज नरेश अहलावत की टीम ने सीआरपीएफ कैंप के पास ट्रैप लगाया। जैसे ही यह वहां पर पहुंचा पुलिस ने उसे मौके पर दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से पॉलिथीन के अंदर ब्राउन मैटेरियल बरामद किए गए। जिसकी जांच करने के बाद हीरोइन निकली। इसके खिलाफ तिलक नगर थाना में एनडीपीएस एक्ट और फोर्नर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया गया। और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि यह तिलक नगर के कृष्णापुरी इलाके में रह रहा था। जांच में इसके पास से वैलिड पासपोर्ट भी नहीं मिला। इसने पुलिस को बताया कि वह हीरोइन बेचने वाले बड़े सप्लायर से खरीदता था और फिर उसे विकासपुरी, चंद्र विहार और तिलक नगर इलाके में ड्रग का इस्तेमाल करने वाले लोगों को बेचता था।

जमीन से जुड़े नेता हैं हर्ष मल्होत्रा, पांच लाख से अधिक वोटो से जीतेगें : रामनारायण दुबे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी नें लोकसभा चुनावों में सभी सीटों से जमीनी कार्यकर्ताओं को प्रत्याशी बनाया है। यह कहना है पूर्वी दिल्ली नगर निगम के पूर्व मेयर भाजपा के वरिष्ठ नेता रामनारायण दुबे का। रामनारायण दुबे कहते हैं यह पहला मौका है जब किसी भी पार्टी ने अपनी प्रदेश इकाई के तीनों महा मंत्रियों को लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया है। पार्टी ने संदेश दिया है संगठन के लोगो की सत्ता में भी भागीदारी होनी चाहिए। रामनारायण दुबे ने कहा कमलजीत सहरावत, योगेन्द्र चंदोलिया तथा हर्ष मल्होत्रा तीनों ही मेयर रहे है और पार्टी नें उनके कार्यों को पहचान कर महत्व दिया है। रामनारायण दुबे कहते हैं जहां तक हर्ष मल्होत्रा का सवाल है पार्टी ने उन्हें पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया है। श्री दुबे ने कहा उन्होंने श्री मल्होत्रा के साथ काफी समय तक पूर्वी दिल्ली नगर निगम में एक साथ काम किया है। हर्ष मल्होत्रा जमीन से जुड़े व्यक्ति है उन्हें प्रत्याशी बना पार्टी नें अच्छा एवं सराहनीय निर्णय लिया है। श्री मल्होत्रा कार्यकताओं में काफी लोकप्रिय हैं, वे कार्यकताओं का सम्मान करते हैं। श्री दुबे ने कहा लोकसभा चुनावों में भाजपा दिल्ली की सभी सातों सीटों पर जीत दर्ज करेगी और हर्ष मल्होत्रा की जीत का अंतराल पांच लाख से अधिक रहेगा।

सीएए लागू होने पर चरणजीव मलहोत्रा ने प्रधानमंत्री का किया धन्यवाद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारत सरकार की अधिसूचना के साथ ही देश में सिटिजन एमेंडमेंट एक्ट (सीएए) लागू हो गया है। भारत में सीएए लागू होने की खुशी में प्रमुख समाजसेवी एवं कोरोना योद्धा चरणजीव मलहोत्रा ने देश भर में सीएए लागू करने की मोदी सरकार द्वारा की गई घोषणा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के प्रति अभार व्यक्त करते हुए कहा है कि यह कानून नागरिकता लेने का नहीं देने के लिए है। समाज का कोई भी वर्ग किसी के बहकावे में नहीं आए। उन्होंने कहा कि यह कानून अफगानिस्तान, बंगलादेश और पाकिस्तान से 31 दिसम्बर, 2014 से पहले भारत आए धार्मिक आधार पर प्रताड़ित हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए लाया गया है। चरणजीव मलहोत्रा ने कहा कि इस कानून से किसी को डरने की जरूरत नहीं है। यह कानून दशकों से पीड़ित शरणार्थियों को पुनर्वास और नागरिकता की कानूनी बाधाओं को दूर कर सम्मानजनक जीवन देगा। नागरिकता अधिकार से उनके सांस्कृतिक, भाषिक, सामाजिक पहचान की रक्षा होगी। दरअसल यह कानून उन लोगों के लिए है जिन्हें वर्षों से उत्पीड़न सहना पड़ा है और उनके लिए दुनिया में भारत के अलावा और कोई जगह नहीं है।

चोरी का 7 मोबाइल आया बेचने, पहुंचा तिहाड़

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

द्वारका जिला के एंटी बरगलरी सेल की टीम ने सात चोरी का मोबाइल बरामद किया है और इस मामले में एक शातिर मोबाइल चोर को भी गिरफ्तार किया है। जो पहले से 15 मामलों में शामिल रहा है। जिसकी पहचान शाहिद अहमद के रूप में हुई है। यह जेजे कॉलोनी, उत्तम नगर का रहने वाला है। इसकी गिरफ्तारी से नजफगढ़, उत्तम नगर, बिंदापुर, मोहन गार्डन, डाबड़ी, द्वारका नॉर्थ थाना के सत मामलों का खुलासा करने का दावा पुलिस ने किया है। डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि इंस्पेक्टर विवेक मेंडोला, एएसआई कृष्ण की टीम ने स्ट्रीट क्राइम को रोकने के लिए चलाया गया अभियान के तहत सीसीटीवी फुटेज की मदद से इस आरोपी के बारे में जानकारी इकट्ठा की थी। जो इस तरह की वारदात को अंजाम देता है। पुलिस टीम को पता चला कि शाहिद अहमद सफेदा पार्क, उत्तम नगर के पास चोरी का मोबाइल किसी को बेचने के लिए आएगा। पुलिस टीम ने वहीं पर छापा मारकर इसे पकड़ा। उसके पास से सात मोबाइल बरामद किए गए।

मेरे इस सवाल का जवाब केंद्रीय गृह मंत्री ने नहीं दिया- केजरीवाल

- 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद रोहिंग्या आए, क्या ये सरकार की मिलीभगत से आए या नाकामी की वजह से आए?

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा सीएए कानून लाकर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के करोड़ों लोगों को अपने देश के लोगों का घर, रोजगार और संसाधन देने के प्रयास पर प्रश्न खड़ा किया है। ह्लआपह्ल के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीएए को लेकर बुधवार को मैने ये प्रश्न उठाए थे, लेकिन अभी तक केंद्र सरकार से मेरे इन सवालों का जवाब नहीं मिला है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पूरे जवाब में मुझे गाली-गलौज है। लेकिन मैं महत्वपूर्ण नहीं हूं, देश महत्वपूर्ण है। आज सारी सरकारें मिलकर अपने देश के युवाओं को रोजगार देने में असमर्थ हैं, ऐसे में पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के लोगों के लिए घर और रोजगार कहां से लाएंगे? उन्होंने कहा कि दिल्ली में राशन कार्ड कम पड़ रहे हैं, केंद्र सरकार इसकी संख्या बढ़ाने की इजाजत नहीं दे रही है, लेकिन पाकिस्तानियों का राशन कार्ड बनाना चाहती है। मैं देश के लोगों से पूछना चाहता हूं कि अगर आपके घर के सामने पाकिस्तानियों को बसा दिया जाए तो क्या आपको मंजूर है? क्या आपकी बहू-बेटियां और देश सुरक्षित होगा? केंद्रीय गहमंत्री देश के 140 करोड़ लोगों की बात करें, मैं महत्वपूर्ण नहीं- केजरीवाल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सीएए को लेकर गुरुवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि दो दिन पहले केंद्र सरकार ने सीएए का कानून पास किया था। बुधवार को मैंने एक प्रेसवार्ता करके यह समझाया कि कैसे सीएए देश के लिए बेहद खतरनाक है। इसे वापस लिया जाना चाहिए। बुधवार को की गई मेरी प्रेस कांफ्रेंस पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपना बयान जारी किया है। अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री के बयान का जवाब देते हुए कहा कि मैंने उनका बयान सुना। मैंने सीएए पर जो प्रश्न उठाए थे, केंद्रीय गृहमंत्री ने अपने पूरे बयान में मेरे किसी प्रश्न का जवाब नहीं दिया है। उन्होंने केवल मुझे गाली-गलौज और भ्रष्ट बताने के लिए अलावा कुछ नहीं कहा है। मुझे छोड़ दीजिए, मैं महत्वपूर्ण नहीं हूं, देश महत्वपूर्ण है। देश के 140 करोड़ लोग महत्वपूर्ण हैं। हमें देश के 140 करोड़ लोगों की बात करनी है। हमारे देश में लोगों के पास नौकरियां-घर नहीं है, पहले अपने युवाओं के लिए रोजगार का इंतजाम करें- केजरीवाल ह्यआपह्ल के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री से कहा कि आज केंद्र सरकार और देश की सारी राज्य सरकारें अपने बच्चों को रोजगार देने में असमर्थ हैं। केंद्र सरकार पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से इतनी भारी संख्या में लोगों को भारत में लाकर बसाना चाहती है, उनको नौकरियां कहां से देंगे? पहले अपने बच्चों के लिए तो नौकरी का इंतजाम कर लो। मेरा यही मूल प्रश्न था कि इन तीनों देशों से आने वाले लोगों के लिए घर और रोजगार कहां से आएंगे? आप जो पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से इतनी भारी संख्या में लोगों का माइग्रेशन कराकर भारत में बसाना चाहते हैं, उनके लिए घर-नौकरियां और संसाधन कहां से लाएंगे? हमारे देश में पहले से ही इतनी गरीबी है। लोगों के पास नौकरियां और घर नहीं है। तो फिर इन देशों से आने वालो लोगों को कहां बसाएंगे? अगर हमने भारत के दरवाजे खोल दिए तो इतनी संख्या में लोग आ जाएंगे, जिसकी कल्पना भी नहीं कर सकते- केजरीवाल उन्होंने कहा कि आजादी के बाद बड़े स्तर पर माइग्रेशन हुआ था। बहुत सारे लोग भारत से पाकिस्तान और बांग्लादेश गए थे और पाकिस्तान-बांग्लादेश से भी बहुत सारे लोग भारत आए थे। अब सीएए की वजह से जो माइग्रेशन होने वाला है, वो आजादी के दौरान हुए माइग्रेशन से कहीं ज्यादा बड़ा होने वाला है। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान का कहना है कि सीएए के तहत इनके अल्पसंख्यक अगर भारत आकर रहना चाहें तो उनको इस बात की मंजूरी दी जाएगी कि उनको भारत की नागरिकता दे दी जाए। इन तीनों देशों में करीब ढाई से तीन करोड़ अल्पसंख्यक रहते हैं। वहां बहुत गरीबी है और उनके पास रोजगार नहीं है। भारत में आना और भारत की नागरिकता मिलना तो उनके लिए बहुत बड़े सपने की तरह है। अगर हमने भारत के दरवाजे खोल दिए तो इतनी बड़ी संख्या में लोग आने वाले हैं, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। इन ढाई-तीन करोड़ लोगों में से अगर एक-डेढ़ करोड़ लोग भी आ गए, तो उनको कहां बसाया जाएगा। मेरा यह प्रश्न था। लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री ने इसका जवाब नहीं दिया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान-बांग्लादेश में संदेश गया है कि भारत अब घुसपैठियों को वैध करने जा रहा है- केजरीवाल ह्यआपह्ल के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री का कहना है कि 2014 के पहले आए लोगों को ही भारत की नागरिकता देकर बसाया जाएगा। मैं केंद्रीय गृहमंत्री से पूछना चाहता हूं कि क्या 2014 के बाद इन देशों से लोगों का आना बंद हो गया है? 2014 के बाद भी आ रहे हैं और अभी लोगों का आना जारी है। जो अवैध घुसपैठिए हमारे देश में आते थे, वो डरते थे कि अगर आ गए तो हमें निकाल देंगे, पकड़ लेंगे, जेल में डाल देंगे, क्योंकि अवैध थे। लेकिन केंद्र सरकार सीएए कानून बनाकर उनको भारत में आने को वैध बना रही है। अब उनका डर खत्म हो जाएगा। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में यह संदेश गया है ।

नागरिक संसोधन कानून लागू करना केंद्र सरकार का बड़ा कदम : राज कुमार बल्लन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा नागरिक संसोधन कानून लागू करना एक बड़ा कदम है। इस कदम से बड़ी संख्या में ऐसे लोगो की मदद होगी जो अनेक सालों से शरणार्थी के तौर पर अपना जीवन यापन कर रहे थे। यह कहना है दिल्ली प्रदेश किसान मोर्चे के सयोंजक वरिष्ठ भाजपा नेता राज कुमार बल्लन का। राज कुमार बल्लन कहते हैं प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी अपनी बात के धनी है वे जो भी वादा करते हैं उसे पूरा करके ही दम लेते हैं। और ऐसा कर श्री मोदी नें पार्टी के संकल्प पत्र में किया एक महत्वपूर्ण वादा पूरा किया है। श्री बल्लन कहते हैं देश में सीएए लागू हो गया है। सीएए का अर्थ है नागरिकतासंशोधन कानून। लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार का यह बड़ा कदम है। इसके तहत अब तीन पड़ोसी देशों के शरणार्थी अल्पसंख्यकों को भारत की नागरिकता मिल सकेगी। इसके लिए उन्हें केंद्र सरकार द्वारा तैयार किए गए ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा। दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने सीएए को अपने घोषणा पत्र में शामिल किया था। पार्टी ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। गृह मंत्री अमित शाह हाल ही के अपने चुनावी भाषणों में कई बार नागरिकता संशोधन कानून को लागू करने की बात कर चुके थे। उन्होंने ऐलान किया था कि लोकसभा चुनाव से पहले इसे लागू कर दिया जाएगा। अब केंद्र सरकार ने इसके लिए नोटिफिकेशन जारी करते हुए इसे लागू कर दिया है। राज कुमार ने कहा की जनहित कार्य करने वाली भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक और जनहित की तरफ ऐतिहासिक कदम है। सीएए के तहत विदेशों से धार्मिक उत्पीड़न के चलते भारत आए उन विदेशी नागरिकों को भारत की नागरिकता दी जाएगी जो हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी या फिर ईसाई धर्म के हैं।

विकास के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक शांति के लिए अत्यंत आवश्यक : डॉ आर पी पराशर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जाने-माने आयुर्वेद विशेषज्ञ एवं दिल्ली नगर निगम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी आयुष डॉक्टर आर पी पाराशर ने कहा आम लोगों के लिए नींद जीवन के सबसे सामान्य और कम महत्व वाले पहलुओं में से एक हो सकती है, लेकिन जिन लोगों को किसी भी कारण से नींद में कमी की समस्या हो जाती है, उनके लिए पर्याप्त नींद लेना एक वास्तविक चुनौती बन जाती है और जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। डॉ आर पी पाराशर ने कहा नींद हमारी शारीरिक ही नहीं, मानसिक गतिविधियों और क्रियाओं के लिए भी अति आवश्यक है। वास्तव में भरपूर नींद व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक शांति के लिए अत्यंत आवश्यक है। डॉ आर पी पाराशर ने कहा कि अनिद्रा का भूत तेजी से लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रहा है, विशेष कर युवा वर्ग को। दुनिया भर में 30 से 40 फीसदी जनसंख्या को कभी न कभी नींद की समस्या का सामना करना पड़ता है जबकि 10 से 15 फीसदी लोग रोज नींद न आने की समस्या से परेशान है। हालांकि विटामिन बी-6 और विटामिन डी की कमी भी नींद न आने के कारणों में शामिल है, लेकिन नींद न आने के मुख्य कारण मानसिक ही हैं। डॉ आर पी पाराशर न कहा चिंताऔर मानसिक तनाव के मामले हर आयु वर्ग में बढ़ रहे हैं। करियर, नौकरी, काम धंधा और व्यक्तिगत संबंधों में उतार चढ़ाव एंजायटी और स्ट्रेस के मुख्य कारणों में से हैं जो अंततः नींद के समय और क्वालिटी को प्रभावित करते हैं। डॉ आर पी पाराशर ने कहा अच्छी नींद के लिए आहार विहार में आयुर्वेद विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों का पालन कर अनिद्रा की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। जल्दी सोना और जल्दी उठना स्वास्थ्य का पहला नियम है। अच्छी नींद के लिए जल्दी सोने की कोशिश करनी चाहिए और जल्दी सोने के लिए जल्दी डिनर करना व डिनर के बाद कुछ समय टहलना आवश्यक है। सोने से पहले नहाने से शारीरिक और मानसिक थकावट दूर होती है जिससे अच्छी नींद आती है। मौसम के अनुसार गुनगुने या गर्म पानी से पैरों की सिकाई कर तलवों में तेल की मालिश करने से अच्छी नींद आती है। सोने के स्थान पर अंधेरा होना चाहिए ताकि नींद के लिए आवश्यक मैलेटोनिन हार्मोन का स्राव पर्याप्त मात्रा में हो और अच्छी व गहरी नींद आए। गहरी नींद के लिए कमरे में सर्दी के मौसम में हल्की गर्मी और गर्मी के मौसम में हल्की सी ठंडक का एहसास शरीर को होना चाहिए। सोने से पहले डिजिटल गैजेट्स के प्रयोग की आदत छोड़ कर परिवार के साथ समय बिताने से दिमागी तनाव से छुटकारा मिलेगा। डॉ आर पी पाराशर न कहा, प्रातःकाल हल्का व्यायाम अवश्य करें, साथ ही रात को खाने के बाद टहल कर आएं क्योंकि शरीर थका होगा दो नींद आने में आसानी होगी। अच्छी नींद के लिए रात को हल्का खाना खाएं और चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, तंबाकू आदि का प्रयोग न करें क्योंकि कैफीन और निकोटिन का प्रयोग नींद के लिए हानिकारक है। गर्म दूध, डार्क चॉकलेट, बादाम, केला और चेरी का प्रयोग नींद की समस्या से निजात दिलाने में सहायता करता है। दूध और केले में ट्रिप्टोफैन नामक अमीनो एसिड होता है जो तनाव को दूर कर नींद की गुणवत्ता को बढ़ाता है। बादाम में विद्यमान मैग्नीशियम मांसपेशियों के तनाव और खिंचाव को कम कर अच्छी नींद लाने में मदद करता है। चेरी में उपस्थित मेलाटोनिन हार्मोन अच्छी नींद लाने में मदद करता है। सोने से पहले मेडिटेशन, प्राणायाम, शवासन, डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज और मंत्रोच्चारण करने से भी अच्छी नींद आती है। डॉ आर पी पाराशर ने कहा, अश्वगंधा, तगर, अजुर्नारिष्ट एवं सारस्वतारिष्ट जैसी आयुर्वेदिक दवाएं अनिद्रा में लाभदायक होने के साथ-साथ सुरक्षित भी हैं और इनके प्रयोग से आदत भी नहीं पड़ती है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 15 मार्च, 2024

हिंदू, सिख शरणार्थियों ने सीएए के खिलाफ टिप्पणी के विरोध में केजरीवाल के आवास के पास प्रदर्शन किया

- पाकिस्तान और बांग्लादेश से आकर यहां बसने वालों को नौकरियां और घर दिए जाएंगे, जिसका असर स्थानीय लोगों पर पड़ेगा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले हिंदू और सिख शरणार्थियों ने बृहस्पतिवार को यहां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सिविल लाइंस स्थित आवास के पास विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केजरीवाल से नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को लागू करने के खिलाफ की गई उनकी टिप्पणियों के लिए माफी की मांग की। प्रदर्शनकारी चंदगीराम अखाड़े के पास एकत्र हुए और केजरीवाल के बंगले की ओर मार्च करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

प्रदर्शनकारियों में शामिल पंजूराम ने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार हमें नागरिकता दे रही है जबकि केजरीवाल पूछ रहे हैं कि हमें नौकरी और घर कौन देगा। वह हमारा दर्द नहीं समझते। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि केजरीवाल को सीएए और शरणार्थियों के खिलाफ अपने बयान वापस लेने चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। विरोध-प्रदर्शन में रोहिणी, आदर्श नगर, सिग्नेचर ब्रिज के नजदीक और मंजनू का टीला में रहने वाले हिंदू और सिख शरणार्थियों ने हिस्सा लिया। केजरीवाल ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए को लागू करना भाजपा की वोट बैंक की गंदी राजनीति है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से आकर यहां बसने वालों को नौकरियां और घर दिए जाएंगे, जिसका असर स्थानीय लोगों पर पड़ेगा। केंद्र सरकार द्वारा सीएए के अधिसूचित नियमों के तहत बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आये हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारत की नागरिकता दी जाएगी।

समन के खिलाफ सीएम केजरीवाल ने खटखटाया सत्र अदालत का दरवाजा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कथित शराब नीति घोटाला मामले में ईडी की शिकायत पर मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा उन्हें जारी समन को चुनौती देते हुए सत्र अदालत का रुख किया। ईडी ने शिकायत की थी कि सीएम केजरीवाल ने अब रद्द की गई नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए एजेंसी के समन का पालन नहीं किया। राउज एवेन्यू कोर्ट की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) दिव्या मल्होत्रा ने 7 मार्च को ईडी की शिकायत पर सीएम केजरीवाल को दूसरा समन जारी किया था। एसीएमएम मल्होत्रा ने 7 फरवरी को इसी मुद्दे पर ईडी द्वारा दायर पहली शिकायत के संबंध में सीएम को खुद की उपस्थिति से एक दिन की छूट दी थी। एक सूत्र ने कहा, ईडी की दूसरी शिकायत केजरीवाल द्वारा समन संख्या 4 से 8 का पालन नहीं करने से संबंधित है। इसके पहले आप संयोजक ने वित्तीय जांच एजेंसी से उत्पाद शुल्क नीति मामले पर पूछताछ के लिए 12 मार्च के बाद की तारीख देने का अनुरोध किया था। उनकी प्रतिक्रिया तब आई थी, जब ईडी ने उन्हें 27 फरवरी को आठवीं बार समन जारी किया था और 4 मार्च को उसके सामने पेश होने के लिए कहा था। एसीएमएम मल्होत्रा ने 7 फरवरी को पहली शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कहा था। जारी किया था। एसीएमएम मल्होत्रा ने मामले को 16 मार्च को सुनवाई के लिए रखा था। सीएम केजरीवाल का आवेदन आज दिन में राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राकेश सयाल के समक्ष आने की संभावना है। एसीएमएम ने 17 फरवरी को इसी मुद्दे पर ईडी द्वारा दायर पहली शिकायत के संबंध में सीएम को खुद की उपस्थिति से एक दिन की छूट दी थी। एक सूत्र ने कहा, ईडी की दूसरी शिकायत केजरीवाल द्वारा समन संख्या 4 से 8 का पालन नहीं करने से संबंधित है। इसके पहले आप संयोजक ने वित्तीय जांच एजेंसी से उत्पाद शुल्क नीति मामले पर पूछताछ के लिए 12 मार्च के बाद की तारीख देने का अनुरोध किया था। उनकी प्रतिक्रिया तब आई थी, जब ईडी ने उन्हें 27 फरवरी को आठवीं बार समन जारी किया था और 4 मार्च को उसके सामने पेश होने के लिए कहा था। एसीएमएम मल्होत्रा ने 7 फरवरी को पहली शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कहा था। एसीएमएम मल्होत्रा ने 7 मार्च को ईडी की शिकायत पर सीएम केजरीवाल को दूसरा समन जारी किया था। एसीएमएम मल्होत्रा ने मामले को 16 मार्च को सुनवाई के लिए रखा था। सीएम केजरीवाल का आवेदन आज दिन में राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राकेश सयाल के समक्ष आने की संभावना है। एसीएमएम ने 17 फरवरी को इसी मुद्दे पर ईडी द्वारा दायर पहली शिकायत के संबंध में सीएम को खुद की उपस्थिति से एक दिन की छूट दी थी। एक सूत्र ने कहा, ईडी की दूसरी शिकायत केजरीवाल द्वारा समन संख्या 4 से 8 का पालन नहीं करने से संबंधित है। इसके पहले आप संयोजक ने वित्तीय जांच एजेंसी से उत्पाद शुल्क नीति मामले पर पूछताछ के लिए 12 मार्च के बाद की तारीख देने का अनुरोध किया था।

सीएए को लेकर मनोज तिवारी का केजरीवाल पर पलटवार, कहा- आप झूठ बोलने की मशीन हैं

- वित्तीय जांच एजेंसी की शिकायत में आरोप लगाया गया कि सीएम जानबूझकर समन का पालन नहीं करना चाहते

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कथित शराब नीति घोटाला मामले में ईडी की शिकायत पर मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा उन्हें जारी समन को चुनौती देते हुए सत्र अदालत का रुख किया। ईडी ने शिकायत की थी कि सीएम केजरीवाल ने अब रद्द की गई नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए एजेंसी के समन का पालन नहीं किया। राउज एवेन्यू कोर्ट की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) दिव्या मल्होत्रा ने 7 मार्च को ईडी की शिकायत पर सीएम केजरीवाल को दूसरा समन जारी किया था। एसीएमएम मल्होत्रा ने मामले को 16 मार्च को सुनवाई के लिए रखा था। सीएम केजरीवाल का आवेदन आज दिन में राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राकेश सयाल के समक्ष आने की संभावना है। एसीएमएम ने 17 फरवरी को इसी मुद्दे पर ईडी द्वारा दायर पहली शिकायत के संबंध में सीएम को खुद की उपस्थिति से एक दिन की छूट दी थी। एक सूत्र ने कहा, ईडी की दूसरी शिकायत केजरीवाल द्वारा समन संख्या 4 से 8 का पालन नहीं करने से संबंधित है। इसके पहले आप संयोजक ने वित्तीय जांच एजेंसी से उत्पाद शुल्क नीति मामले पर पूछताछ के लिए 12 मार्च के बाद की तारीख देने का अनुरोध किया था।

करदाताओं का पैसा दूसरे देशों के अल्पसंख्यकों पर खर्च करना स्वीकार्य नहीं : केजरीवाल

- सीएए को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की कथित टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने कहा कि देश महत्वपूर्ण है

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नईदिल्ली।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) लागू किए जाने को लेकर बृहस्पतिवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए दरवाजे खुलने के कारण पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारी संख्या में लोग भारत आएंगे। सीएए को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की कथित टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने कहा कि देश महत्वपूर्ण है।आम आदमी पार्टी (आप) के नेता ने एक प्रेसवार्ता में कहा, उन्होंने (शाह) मुझे भ्रष्ट कहा है, लेकिन मैं महत्वपूर्ण नहीं हूं, देश महत्वपूर्ण है। उन्होंने मेरे द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब नहीं दिया। उन्होंने केवल मुझे अपशब्द कहे। केजरीवाल ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए को लागू करना भाजपा की वोट बैंक की गंदी राजनीति है। उन्होंने कहा कि लोग चाहते हैं कि इस कानून को निरस्त किया जाए। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस कानून के जरिए केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने पाकिस्तान और बांग्लादेश से बड़ी संख्या में गरीब अल्पसंख्यकों के भारत आने के लिए द्वार खोल दिए हैं। उन्होंने दावा किया था कि आने वाले चुनावों में भाजपा को फायदा होगा क्योंकि पड़ोसी देशों से भारत में बसने वाले गरीब अल्पसंख्यक उसके वोट बैंक बन जाएंगे। बृहस्पतिवार को केजरीवाल ने केंद्र से पूछा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से भारत आने वाले शरणार्थियों के लिए नौकरियां, घर और अन्य संसाधन कहां से आएंगे। आप नेता ने दावा किया, सीएए लागू होने से 1947 से भी बड़ा पलायन होगा। अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में 2.5 से 3 करोड़ अल्पसंख्यक हैं। पड़ोसी देशों के अल्पसंख्यकों के लिए दरवाजे खोलने पर इतनी संख्या में लोग भारत आएंगे, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। केजरीवाल के मुताबिक, केंद्र का कहना है कि जो लोग 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए, उन्हें नागरिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या 2014 के बाद लोगों ने भारत में प्रवेश करना बंद कर दिया? पहले, घुसपैठियों को पकड़े जाने और दंडित होने का डर था, लेकिन सीएए उस डर को खत्म कर देगा। घुसपैठिए अभी भी देश में प्रवेश कर रहे हैं। भाजपा पर हमला करते हुए केजरीवाल ने दावा किया, आपके शासनकाल में रोहिंग्या भारत आए। क्या आप पाकिस्तानी घुसपैठियों को नौकरी और राशन कार्ड देंगे? करदाताओं का पैसा दूसरे देशों के अल्पसंख्यकों पर खर्च करना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएए लागू होने से देश असुरक्षित होगा और कानून-व्यवस्था की समस्या खड़ी हो जाएगी।

एयरपोर्ट से लापता विदेशी महिला को 24 घंटे में ढूंढा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट से लापता हुई एक कोरियन महिला को एयरपोर्ट पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ढूंढ निकाला। एयरपोर्ट पर लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से पुलिस को महिला का सुराग मिला। यह बीते फरवरी से लापता थी और इसकी शिकायत कोरिया दूतावास ने दर्ज कराई थी। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार 12 मार्च को कोरिया दूतावास की तरफ से एक बुजुर्ग महिला के लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई गई थी। यह महिला कोरिया से जनवरी 2024 में आई थी और बीते 10 फरवरी से लापता थी। इस बाबत गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने एयरपोर्ट के आसपास लगे लगभग 250 सीसीटीवी की फुटेज खंगाली। इस दौरान एक सीसीटीवी कैमरे में महिला को बीते 20 फरवरी मेट्रो स्टेशन के भीतर जाते हुए देखा गया।

न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में फिटनेस स्पा जिम में अपने फिटनेस रूटीन में लक्जरी को उजागर करें

न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली में फिटनेस स्पा जिम में लक्जरी और कल्याण को गले लगाओ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली : फिटनेस स्पा जिम गर्व से 11 मार्च 2024 को भारत सरकार के संयुक्त सचिव, मनमीत नंदा और अभिनेता के साथ-साथ निमार्ता, श्री निखिल नंदा की उपस्थिति के साथ न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली में अपने शानदार जिम के उद्घाटन की घोषणा करता है। फिटनेस स्पा जिम नई दिल्ली में सामुदायिक केंद्र की 47, पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल पर एक समुदाय-केंद्रित फिटनेस सेंटर है, जो व्यक्तियों को मिलने, संवाद करने और एक साथ काम करने के लिए एक स्थान पेश करता है। फिटनेस स्पा जिम व्यक्तिगत प्रशिक्षण योजनाएं और नवीनतम जिम उपकरण प्रदान करता है जो कसरत के अनुभव को बढ़ाते हैं, जबकि सभी अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं और स्वादों को पूरा करते हैं।फिटनेस स्पा जिम में, स्वास्थ्य सुधार लक्ष्य है, और इन आकांक्षाओं का सामना करने के लिए एक समुदाय का गठन किया जाता है। उनके पास उन लोगों को पूरा करने के लिए अलग-अलग कक्षाएं और व्यक्तिगत विकल्प हैं जो समूह-आधारित या आत्म-पुस्तक दृष्टिकोण के साथ सीखना पसंद करते हैं। यह आसानी से जिम भक्तों को अच्छी तरह से वातानुकूलित व्यक्ति बनने और खेल के मील के पत्थर तक पहुंचने का निर्देश देता है। इस तरह, प्रशिक्षक उन ग्राहकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण की व्यवस्था करने का भी ध्यान रखते हैं जो शारीरिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं। श्री अतुल सिंह राणा, जो फिटनेस स्पा जिम के संस्थापक हैं और 10 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ एक प्रमाणित व्यक्तिगत ट्रेनर हैं, ऐसे वर्कआउट डिजाइन करते हैं जो सुखद हों और सभी फिटनेस स्तरों वाले व्यक्तियों के लिए अधिकतम परिणाम प्रदान करें। यह जिम सेटअप लोगों को प्रारंभिक कमजोरी से मांसपेशियों की ताकत, आत्मविश्वास और सामान्य रूप से, शारीरिक कल्याण उपलब्धि तक विकसित करने में मदद करने पर केंद्रित है जहां एक सकारात्मक और सहायक वातावरण स्थापित होता है। 11 मार्च, 2024 एक विशेष दिन होने वाला है, क्योंकि श्री निखिल नंदा अभिनेता और निमार्ता, और सुश्री मनमीत नंदा, आईएएस, केंद्रीय कैबिनेट सचिवालय में संयुक्त सचिव फिटनेस स्पा इवेंट के आधिकारिक लॉन्च के दौरान उपस्थित रहेंगे। विशेषज्ञ वार्ता और नए व्यायाम दिनचर्या के साथ फिटनेस स्पा कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उपस्थित लोगों का स्वागत है। फिटनेस स्पा जिम सभी को 11 मार्च, 2024 को दोपहर 12:00 बजे न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में लक्जरी फिटनेस के अपने समुदाय में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है। उनके आधिकारिक स्रोतों और वेबसाइट पर जाकर नवीनतम जानकारी पर अपडेट रहें

दिल्ली से भाजपा के सातों प्रत्याशी घोषित होने के बाद जमीनी कार्यकर्ताओ में उत्साह का माहौल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भाजपा द्वारा 18वीं लोकसभा के लिए होने जब आम चुनाव के मद्देनजर दिल्ली की सातों लोकसभा के उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद से जमीनी कार्यकर्ताओ में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस संदर्भ में भाजपा शाहदरा जिला अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष विपिन जैन ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि पार्टी नेतृत्व ने इस बार दिल्ली के चुनावी समर में जमीनी कार्यकर्ताओ को उतार कर स्पष्ट संदेश दिया है कि विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल भाजपा में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है।। विपिन जैन ने बताया है कि भाजपा नेतृत्व ने वर्तमान 7 में से 6 सांसदों के टिकट काट कर एक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और 6 ऐसे कार्यकर्ताओं को टिकट दिया है जो जमीन से जुड़े आम कार्यकर्ता हैं। पार्टी के निर्णय को देखते हुए अब कार्यकर्ताओ ने भी यह संकल्प लिया है कि जिस प्रकार शीर्ष नेतृत्व ने जमीनी व संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओ पर भरोसा जताया है उसी तरह संगठन से जुड़े कार्यकर्ता भी इस बार मौजूदा प्रत्याशियों को 5 से 7 लाख मतों से भी ज्यादा मतो से अपने अपने प्रत्याशियों को जिताकर संसद में भेजेंगे।

किसानों की महापंचायत के कारण मध्य दिल्ली में यातायात का फूला दम

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र की कृषि क्षेत्र संबंधी नीतियों के विरोध में किसानों ने राष्ट्रीय राजधानी के रामलीला मैदान में बृहस्पतिवार को ह्यकिसान मजदूर महापंचायतह्ल का आयोजन किया, जिसके मद्देनजर मध्य दिल्ली और सराय काले खां में यातायात का बुरा हाल रहा। राजधानी में वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी हो गई, जिसके परिणामस्वरूप आईटीओ, दिल्ली गेट, दरियागंज और सराय काले खां के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-24 समेत विभिन्न स्थानों पर ट्रैफिक जाम हो गया। सराय काले खां में भारी ट्रैफिक जाम देखा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यात्रियों को कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है लेकिन वाहनों की आवाजाही जारी है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक परामर्श जारी किया है, जिसमें यात्रियों को यातायात नियमों और मार्ग परिवर्तन के बारे में सचेत किया गया है। परामर्श में कहा गया है कि जवाहरलाल नेहरू मार्ग, बाराखंभा रोड, बहादुर शाह जफर मार्ग, टॉलस्टॉय मार्ग, आसफ अली रोड, जय सिंह रोड, स्वामी विवेकानंद मार्ग, संसद मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग, बाबा खड़क सिंह मार्ग, मिंटो मार्ग, अशोक मार्ग, महाराजा रणजीत सिंह फ्लाईओवर, कनॉट सर्कस, भवभूति मार्ग, डीडीयू मार्ग और चमन लाल मार्ग सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक यातायात नियंत्रित किया जाएगा। यातायात पुलिस ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यदि संभव हो तो उपरोक्त सड़कों से जाने से बचें और सार्वजनिक परिवहन, विशेषकर मेट्रो सेवाओं का ज्यादा उपयोग करें।

उच्च न्यायालय ने पत्नी की क्रूरता के कारण बुजुर्ग दंपति के विवाह को खत्म माना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले कई वर्षों से अलग रह रहे एक बुजुर्ग दंपति की शादी को खत्म करने के कुटुंब अदालत के फैसले को बरकरार रखा और क्रूरता के आधार पर पति को दिए गए तलाक के फैसले के खिलाफ पत्नी की अपील को खारिज कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि अपने विवादों को शांत करने के बजाय महिला ने निराधार आरोप लगाकर तलाक की कार्यवाही जारी रखने का विकल्प चुना है। पुरुष ने दावा किया कि वह 1980 से अपनी पत्नी से अलग रह रहा है तो वहीं महिला का कहना है कि वे जनवरी 2013 से अलग रह रहे हैं। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्ण ने अपने हालिया आदेश में कहा, ह्वदोनों पक्षकारों की उम्र 70 साल से अधिक है और जीवन की इस उम्र में भी, अपीलकर्ता (पत्नी) ने अपने विवादों को शांत करने के बजाय निराधार आरोप लगाकर तलाक की कार्यवाही जारी रखने का विकल्प चुना है। पीठ ने कहा, हमारी राय में यह स्पष्ट रूप से साफ है कि अपीलकर्ता को प्रतिवादी (पति) में कोई भी अच्छाई नजर नहीं आती है और उसके और उसकी बहन के खिलाफ कई मुकदमे चलाकर उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके पुनर्मिलन की कोई गुंजाइश नहीं है। इसके अलावा साल 2013 से अलग रहने के बावजूद उन्होंने कभी विवादों में सुलह करने की कोशिश नहीं की।ह्व उच्च न्यायालय ने पुरुष के पक्ष में तलाक का आदेश देने के कुटुंब अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली महिला की अपील खारिज कर दी। दंपति भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई) हैं और उनकी 1973 में शादी हुई थी तथा दो बच्चे भी हैं। शादी के करीब 41 साल बाद पति ने क्रूरता के आधार पर तलाक मांगा जिसे 2018 में कुटुंब अदालत ने मंजूर कर लिया।

भाजपा ने नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर दलित व पिछड़ा वर्ग को सम्मानित किया : सुमेर सिंह सैनी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सैनी संगठन सभा ने नायब सिंह सैनी को हरियाणा के मुख्यमंत्री बनाये जाने पर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया। सैनी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमेर सिंह सैनी ने कहा कि नायब सिंह सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाकर भारतीय जनता पार्टी ने समस्त दलित, पिछड़ा व अति पिछड़े वर्ग को गौरवान्वित कर यह दर्शा दिया है कि भारतीय जनता पार्टी दलित व पिछड़े वर्ग की पूर्ण हिमायती है। ज्योतिबा फुले आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र सैनी सुपारी, अखिल भारतीय सैनी संगठन सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तराखंड के पूर्व राज्यमंत्री विरेन्द्र सैनी, अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा दिल्ली प्रदेश के संयोजक डी.के. सिन्हा, प्रदेश एडिडर ए.के. सिन्हा, अखिल भारतीय सैनी संगठन सभा के राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र सिंह सैनी, उत्तराखंड सैनी सभा के प्रदेश अध्यक्ष पवन सैनी, उत्तर प्रदेश सैनी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. किशोर सैनी, पंजाब प्रदेश अध्यक्ष मोहनजीत सिंह सैनी, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष जिले सिंह सैनी, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष रणधीर सिंह सैनी, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष नेमीचंद सैनी, सैनी संगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री विरेन्द्र सैनी, सैनी संगठन अमरोहा जिला अध्यक्ष गंगाशरण सैनी, सैनी संगठन सहारनपुर जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र सैनी सहित अखिल भारतीय सैनी संगठन सभा के विभिन्न पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि श्री नायब सिंह सैनी को हरियाणा के मुख्यमंत्री बनाये जाने पर भारतवर्ष का दलित व पिछड़ा वर्ग सम्मानित महसूस कर रहा है जिसके लिये समस्त सैनी समाज भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करता है।

गाजीपुर बाजार में नाबालिग के कार चलाने से एक महिला की मौत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के भीड़ वाले गाजीपुर बाजार में एक कार के दुकानों में घुस जाने से एक महिला की मौत हो गई जबकि अन्य नौ लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने सड़क दुर्घटना के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पॉलिटेक्निक का 17 वर्षीय एक छात्र कार चला रहा था। अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना बुधवार की रात हुई। उस दौरान हुंडई ऑरा कार भीड़भाड़ वाले गाजीपुर बाजार में स्थित दुकानों में घुस गई, जिससे 22 वर्षीय सीता देवी की मौत हो गई। इस घटना के बाद कार में सवार एक अन्य किशोर फरार हो गया। पुलिस ने पॉलिटेक्निक के छात्र को हिरासत में ले लिया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वाहन चालक ने भागने की कोशिश की थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ा।

दिल्ली में तेज रफ्तार कार ने पैदल यात्रियों को टक्कर मारी, महिला की मौत, 6 घायल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में बुधवार को कथित तौर पर लापरवाही से चलाए जा रहे एक वाहन की चपेट में आने से 22 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जबकि बच्चों सहित छह अन्य घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना रात करीब साढ़े नौ बजे गाजीपुर इलाके में हुई, जिसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि कुल सात घायलों को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें पांच महिलाएं भी शामिल हैं। इनमें गाजियाबाद के हयात नगर स्थित पाता खोड़ा कॉलोनी की रहने वाली सीता देवी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कार चालक भी घायल हो गया, उसका इलाज चल रहा है। अधिकारी ने कहा, ह्वसंदिग्ध पुलिस हिरासत में है। उन्होंने कहा कि कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

किसानों ने दिल्ली के रामलीला मैदान में लगाए केन्द्र के खिलाफ नारे

- पंजाब के पटियाला के किसान हरमन सिंह ने बताया कि वह बुधवार रात राजधानी पहुंचे थे

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बड़ी संख्या में किसान बृहस्पतिवार को ह्यकिसान मजदूर महापंचायतह्ल के लिए राष्ट्रीय राजधानी के रामलीला मैदान में इकट्ठा हुए और उन्होंने केन्द्र की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। तीन केंद्रीय कृषि कानूनों (अब रद्द किए जा चुके) के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर 2020-21 में हुए किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने कहा है कि सरकार की नीतियों के खिलाफ ह्यलड़ाई तेज करनेह्ल के लिए ह्यकिसान मजदूर महापंचायतह्ल में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। किसानों ने धरना स्थल पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पंजाब के पटियाला के किसान हरमन सिंह ने बताया कि वह बुधवार रात राजधानी पहुंचे थे। किसान हरमन सिंह ने कहा, ह्यह्लहम चाहते हैं कि केन्द्र की नीतियां किसानों के पक्ष वाली हों। हम चाहते हैं कि फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हमारी मांग भी पूरी हो। पंजाब के बठिंडा के किसान रविंदर सिंह ने कहा कि अक्टूबर 2021 में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यह्लहम चाहते हैं कि लखीमपुर खीरी में किसानों पर वाहन चढ़ाने वाले के खिलाफ कार्रवाई हो। पीड़ित परिवारों को मुआवजा और सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए। पुलिस ने यात्रा परामर्श जारी कर लोगों को मध्य दिल्ली की ओर जाने वाली सड़कों से बचने का सुझाव दिया है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली की सीमाओं पर तैनात अर्द्धसैनिक बलों के जवानों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। किसानों को अपने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ राजधानी में प्रवेश नहीं करने को कहा गया है। दिल्ली पुलिस ने किसानों को इस शर्त पर महापंचायत की अनुमति दी है कि इसमें 5000 से अधिक लोग इकट्ठा नहीं होंगे, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली नहीं लाई जाएगी और रामलीला मैदान तक कोई मार्च नहीं निकाला जाएगा।

फ्लावर फूड फेस्टिवल : उत्सव में फूलों से बने व्यंजन का आनंद उठाएंगे लोग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद अनूठे आहार उत्सव का आयोजन करने जा रही है। शनिवार और रविवार को आयोजित होने वाले इस उत्सव में फूलों से बने व्यंजनों का आनंद लिया जा सकेगा। बसंत आगमन के साथ ही एनडीएमसी द्वारा अलग-अलग उत्सवों का आयोजन किया जा रहा है। सबसे पहले आयोजित किए गए ट्यूलिप उत्सव में जहां अलग-अलग रंग के ट्यूलिप फूलों की सुंदरता का लोगों ने आनंद लिया। वहीं, गुलाब उत्सव में गुलाब की तमाम किस्मों की खूबसूरती बिखरी रही। इसी क्रम में अब एनडीएमसी की ओर से चाणक्यपुरी स्थित पीएसओआई क्लब में फ्लावर फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। इसमें फूलों से बनने वाले अलग-अलग व्यंजनों का प्रदर्शन किया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि देश भर में ही अलग-अलग फूलों से तमाम किस्म के व्यंजन बनाए जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

महिला की संदिग्ध मौत, दहेज हत्या का आरोप

हाजीपुर। रुस्तमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 12 में एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में शव मिलने से कोहराम मच गया। मृतका स्थानीय कौशल कुमार के 25 वर्षीय पत्नी प्रियंका कुमारी थी। घटनास्थल पर पहुचे मृतका के परिवार वालों ने ससुराल वालों पर दहेज में रुपए अन्य सामान नहीं देने पर हत्या का आरोप लगाया है। पटना जिले के मौजीपुर रामकृपाल टोला निवासी भीमराव की पुत्री प्रियंका कुमारी की शादी करीब 4 साल पहले रुस्तमपुर निवासी कौशल कुमार के साथ हुई थी। मायकेवालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले नगद रुपए टीवी समेत अन्य मांग को लेकर लड़की को प्रताड़ित एवं मारपीट किया करता था। थानाप्रभारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।मामले की जांच की जा रही है।

धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की अवधारणा को कमजोर करने वाला कानून है सीएए - बाबूसाहब सिंह

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई सीएए जैसे भेदभावपूर्ण और विभाजनकारी कानून के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध दिवस के तहत आज जमुई कचहरी चौक स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर मूर्ति के समक्ष भाकपा माले के कार्यकताओ ने धरना दिया` धरना की अध्यक्षता करते हुए भाकपा माले के जिला सचिव शम्भू शरण सिंह ने कहा कि 2024 लोक सभा चुनाव के ऐन वक्त पहले सीएए कानून लाना राजनीतिक साजिश है वही मंच संचालन करते हुए भाकपा माले के नेता बाबू साहब सिंह ने कहा कि दिसम्बर 2019 में पास किये गये भेदभावकारी और विभाजनकारी अन्यायपूर्ण नागरिकता संशोधन कानून को लागू करने से भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की अवधारणा को कमजोर करने वाला कानून है सीएए है। वही सभा को सम्बोधित करते हुए खेग्रामस के जिला संयोजक बासुदेव राय ने कहा 2024 लोकसभा चुनावों की अधिसूचना आने से ठीक पहले जारी करना एक संकेत है कि अमित शाह ने खुद सीएए की ह्यक्रोनोलॉजीह्न समझाते हुए कहा था कि इस कानून को लागू करने के बाद एनआरसी–एनपीआर को देशव्यापी स्तर पर लाया जायेगा जिसके माध्यम से दस्तावेज न दिखा पाने वाले नागरिकों को नागरिकता के अधिकार से वंचित कर दिया जायेगा. सीएए नागरिकों को धर्म के आधार पर बांटने के मकसद से लाया गया है, जो भ्रामक रूप से गैरमुस्लिम ह्यशरणार्थियोंह्न को नागरिकता देने और मुसलमानों की नागरिकता छीनने, यहां तक कि देशनिकाला देने, तक की बात करता है.वही किसान महा सभा के जिला सचिव मनोज कुमार पांडये और जयराम तुरी ने कहा कि असम में की गयी एनआरसी की कवायद और देश में जगह–जगह चलाये जा रहे बुलडोजर ध्वस्तीकरण अभियानों से स्पष्ट हो चुका है कि आदिवासियों और वनवासियों समेत सभी समुदायों के गरीब इससे प्रभावित होंगे. देश का लोकतांत्रिक अभिमत और समान नागरिकता एवं संवैधानिक अधिकार आन्दोलन ने सीएए–एनआरसी के पूरे पैकेज को संविधान पर हमला बता कर खारिज कर दिया है. चुनाव से पहले सीएए नियमावली की अधिसूचना ने लोकतंत्र के संवैधानिक आधार को बचाने के जनआन्दोलन की अनिवार्यता को पुनः रेखांकित किया है. मोदी सरकार को आगामी आम चुनावों में सत्ताच्युत करना जरूरी हो गया है. मौके पर झाझा प्रखण्ड सचिव कंचन रजक,रमेश यादव,गुलटेंन पुजहर,बासुदेव हासदा,जयप्रकाश दास, राज किशोर किस्को, मोहम्मद हैदर, शंकर शाह, अर्जुन मांझी ,बहादुर तांती ,इजरेल अंसारी,यूनुस मिया,सकुर अंसारी,कासिम अंसारी रहीम मिया सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे ।

तीन दिन से लापता वृद्ध का पोखर में मिला शव, फैली सनसनी

● जताया जा रहा है हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

प्रात: किरण, संवाददाता

मुरलीगंज (मधेपुरा) रामपुर पंचायत वार्ड दस अंतर्गत एक पोखर में गुरूवार की अहले सुबह संदिग्ध स्थिति में एक वृद्ध का शव मिलने से क्षेत्र मे सनसनी व्याप्त है। शव की पहचान जोरगामा पंचायत के वार्ड दस निवासी राजेंद्र उर्फ राजो पासवान (65) वर्ष के रूप में हुई है। मृतक की पुतहू सीता देवी ने बताया कि मेरे ससुर तीन से दिन लापता था। काफी खोजबीन के बाद बुधवार को थाना में आवेदन भी दिया गया है। लोगों के द्वारा पता चला कि पोखर में ससुर राजो पासवान का शव है। उन्होंने बताया कि वे सिंगयान पंचायत के अमरपुरा निवासी जीवन सिंह के पोखर का देखरेख का काम करता था। जीवन सिंह के द्वारा भी लापता होने का आवेदन थाना में दिया गया है। जिस पोखर में शव मिला उक्त पोखर का देखरेख करीब ढ़ेड साल से कर रहे थे। लापता होने के बाद गुरुवार की सुबह वृद्ध का शव उसी पोखर से बरामद हुआ है। हालांकि स्थानीय ग्रामीणों ने वृद्ध की हत्या का आशंका जाहिर कर रहे हैं। घटना को लेकर पीड़ित परिवार में मातमी माहौल गमगीन है। बहरहाल पुलिस सभी बिन्दुओ पर छानबीन तेज कर दिया है। थानाध्यक्ष मंजू कुमारी ने कहा कि शव की शिनाख्त और परिजन से पूछताछ के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। एक दिन पूर्व वृद्ध के लापता होने का दो आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की छानबीन की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक के सफल निर्देशन में अपहृत युवक बरामद

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई जिले के सोनो थाना क्षेत्र अन्तर्गत लोहा निवासी राजेश सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने 13 मार्च को सोनो थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि मेरा 19 वर्षीय पुत्र मौसम कुमार का अज्ञात लोगों के द्वारा अपहरण कर लिया गया है जिसका काण्ड संख्या 89/24 है वहीं अपहरण का मामला दर्ज होते ही जमुई पुलिस अधीक्षक डॉ शौर्य सुमन ने झाझा एस डी पी ओ राजेश कुमार के नेत्वृत में एक टीम का गठन किया गयो जिसमें सोनो थाना अध्यक्ष दीनानाथ सिंह, एस आई मनकेश्वर प्रसाद, प्रशिक्षु एस आई विशाल कुमार सिंह, जमुई तकनीकी शाखा के कर्मी एवम सोनो थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे उपर्युक्त टीम के द्वारा लगातार छापामारी से भयभीत होकर अपहृत युवक मौसम कुमार स्वयं घर पहुंच गयो रात्रि 8:30 बजे के करीब छापामारी दल ने अपहृत युवक मौसम कुमार को घर से बरामद कर सोनो थाना ले आऐ अपहृत मौसम कुमार ने पुलिस के समक्ष ब्यान दिया कि गांव के ही प्रदीप यादव के द्वारा आपसी रंजिश चल रहा थो जिस पर दबाव बनाने के लिए मैंने मंसूर के खेत से ही भागने का प्रोग्राम बनायो फिर मैंने मंसूर के खेत में अपना चप्पल का फीता उतार कर और अपना मोबाइल रख कर झाझा स्टेशन पहुंच गऐजहां से मैने हावड़ा स्टेशन की ट्रेन पकड़ कर हावड़ा चला आयोफिर मुझे एहसास हुआ कि मैंने गलती की है और मैं घर वापस लौट आयो पुलिस ने तत्परता दिखाई और इस अपहरण काण्ड का सफल उद्भेदन कियोजमुई पुलिस आपकी सेवा में सदैव तत्पर।

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ एवं देश बचाओ अभियान ने किसान महापंचायत का किया आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

मानसी खगड़िया। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर देश बचाओ अभियान एवं राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के बैनर तले खुटिया में गायत्री परिसर में किसान महापंचायत का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मोर्चा के राज्यनेता व अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने किया। दर्जनों किसान बैनर झंडा पोस्टर के साथ जुलूस निकाल कर किसान महापंचायत में पहुंचे। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के प्रदेश महासचिव किरण देव यादव ने किसान महापंचायत में ज्यूरी टीम के समक्ष किसानों के समस्या समाधान करने संबंधित मांगों को रखे। श्री यादव ने न्यूनतम समर्थन मूल्य धरातल पर लागू करने, स्वामीनाथन आयोग के सिफारिश को लागू करने, किसानों के सस्ते दर पर खाद बीज मुहैया करने, खेती को उद्योग का दर्जा देने, किसान कृषि किसानी जमीन जीविका बचाने, किसान के अनाज के लागत का डेढ़ गुनी दाम देने, हर फसल का सुरक्षा देने, फसल क्षतिपूर्ति देने, किसान को पेंशन देने, किसानों का सभी प्रकार का ऋण माफ करने एवं सस्ते दर पर ऋण देने, कृषि यंत्र उपलब्ध कराने, खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाने, पैक्स के माध्यम से धरातल पर फसल की खरीदारी करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज नहीं खरीदने वाले व्यवसायी पर मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने, आत्महत्या करने वाले किसान एवं आंदोलन के क्रम में शहीद किसानों को शहीद का दर्जा देने एवं 20-20 लाख रुपया मुआवजा देने, आश्रित को नौकरी देने, किसानों के हत्यारे अजय मिश्रा एवं उनके पुत्र पर कानूनी कार्रवाई कर फांसी देने का अपील किया। देश बचाओ अभियान के सचिव धर्मेंद्र कुमार, संयोजक मधुबाला ने कहा कि भारत में 80% किसानों का देश है, किसान अन्नदाता है, किसानों पर लाठी गोली ड्रोन से युद्ध जैसा हमला, सड़कों पर कील ठोकने, दीवाल खड़ा करने, आतंकवादी घोषित करने जैसी अपने ही देश के किसानों को आतंकवादी बताना दुर्भाग्यपूर्ण है। दोषी केंद्र सरकार एवं पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई हो। दर्जनों किसान शंकर यादव, जय जय राम यादव, मंचन यादव गायत्री देवी आदि ने किसानों की समस्या को रखा। किसानों के अधिवक्ता डॉ कमल किशोर यादव ने किसानों के पक्ष रखते हुए किसानों के हित में ज्यूरी टीम से न्याय देने का अपील किया, उन्होंने कहा कि पूंजीपतियों का लोन खरबों रुपया माफ किया जाता है किंतु किसानों का 50 हजार रुपए के लोन पर जेल भेज दी जाती है। किसानों पर हो रहे अन्याय पर रोक लगाकर न्याय देने की जरूरत है। किसान एवं अधिवक्ता का पक्ष समस्या सुनने के बाद पांच सदस्यीय न्याय खंडपीठ ज्यूरी टीम सरपंच रविंद्र यादव, सरपंच मनोज कुमार ने त्वरित संज्ञान लेते हुए किसानों की मांग को जायज ठहराते हुए किसान के हित में निर्णय दिये तथा फैसले को महामहिम राष्ट्रपति को प्रेषित किया जाएगा। समाजसेवी किरण देव यादव ने कहा कि केंद्र एवं बिहार सरकार किसान मजदूर विरोधी है जिसे 2024 25 के चुनाव में उखाड़ फेंकने का किसान महापंचायत में निर्णय लिया गया। किसान महापंचायत में किसान, कृषि, किसानी बचाओ - देश बचाओ नारों को बुलंद किया गया।

अनियंत्रित मछली लदा पिकअप वैन पेड़ से टकराई , गाड़ी में लगी आग चालक और कारोबारी हुए घायल

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई जिले के सोनो थाना क्षेत्र के एनएच 333अ पर पंचपहाड़ी के समीप एक तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पेड़ से टकराने के बाद गाड़ी में आग लग गई। इस दुर्घटना में पिकअप चालक और मछली कारोबारी बुरी तरह घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनो लाया गया। मिली जानकारी के अनुसार सोनो चौक निवासी मछली कारोबारी शमसीर जमुई से मछली खरीद कर सोनो स्थित अपने दुकान पिकअप वाहन से जा रहा था। इसी दौरान दुकान पहुंचने से पहले पंच पहाड़ी के समीप पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। पिकअप वाहन के पेड़ से टकराते ही उसके इंजन में आग लग गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पिकअप में फंसे चालक और मछली कारोबारी को पिकअप से बाहर निकाला। दुर्घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने सोनो पुलिस को दिया, जिसके बाद मौके पर सोनो थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंचे और घायल पिकअप ड्राइवर मुफकिर और मछली कारोबारी शमसिर को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनो ले गए। इस मामले में स्थानीय लोगों का कहना है कि पिकअप की रफ्तार तेज होने की वजह से यह दुर्घटना घटी है। वहीं पुलिस ने पिकअप वाहन को अपने कब्जे में लेकर घटना की छानबीन में जुट गई है।

भाकपा माले नेता राम स्वार्थ सिंह की मौत, श्रधांजलि सभा आयोजित

प्रात: किरण, संवाददाता

हाजीपुर। प्रखंड के बहुआरा निवासी राम स्वाथ सिंह का हृदय गति रुकने से आज निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही भाकपा-माले जिला सचिव कामरेडविशेश्वर प्रसाद यादव, जिला कमेटी सदस्य योगेंद्र राय, रामबाबू पासवान, सुमन कुमार,सुरेंद्र प्रसाद सिंह, संगीता देवी, रामबाबू भगत, मनोज पांडे,पार्टी नेता गोपाल पासवान, मजिंदर शाह, रामनाथ सिंह, लाला प्रसाद सिंह, हरि नारायण सिंह, विजय सिंह, श्रवण कुमार, महताब राय, विकास कुमार, अरविंद ठाकुर, बच्चा बाबू, सहित सैकड़ो की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक उनके निवास स्थान पर जाकर श्रद्धांजलि दिया । श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसे संबोधित करते हुए जिला सचिव विशेश्वर प्रसाद यादव ने कहा कि कामरेड रामस्वाथसिंह लंबे समय तक पार्टी के पूर्णकालिक कार्यकर्ता रहे, बिहार प्रदेश किसान सभा का जिला सचिव रहते हुए जिले के किसानों मजदूरों को संगठित कर संघर्ष को आगे बढ़ने का काम किया, अपने राजनीतिक जीवन में कई बार अपराधियों और गुंडो के हमले का भी शिकार हुए, जेल की यातनाएं भी सहनी परी, परंतु कभी भी अपने राजनीतिक विचारधारा से पीछे नहीं हटे, 1988 से 1991 तक वे पार्टी के जिला सचिव भी रहे, इनके अंदर कभी भी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा दिखाई नहीं दिया, पार्टी के निर्देश पर आइपीएफ के चुनाव चिन्ह से 1990 में हाजीपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़े।

स्वतंत्रता सेनानी पूर्व मंत्री वीरचंद पटेल की मनाई गई जयंती समारोह

प्रात: किरण, संवाददाता

हाजीपुर । हाजीपुर के सांचीपट्टी तंगौल चौक स्थित सरदार पटेल सेवा सदन भवन परिसर में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी पूर्व मंत्री बिहार गौरव वीरचंद पटेल की 114 वीं जयंती समारोह आयोजित हुई। समारोह में वीरचंद पटेल स्मारक महाविद्यालय देसरी में हिंदी के कार्यकारी विभागाध्यक्ष डा. चंद्रभूषण सिंह शशि को बिहार साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री दशई चौधरी, वैशाली विधायक सिद्धार्थ पटेल, अमनौर विधायक कृष्ण कुमार सिंह मंटू एवं अन्य साहित्यकारों ने सम्मान के रूप में उन्हें प्रतीक चिन्ह, चादर और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने कहा कि प्रो. शशि चालीस वर्षों से पत्रकारिता के साथ ही करीब तीस वर्षों से प्रोफेसर के रूप में हिंदी की सेवा कर रहे हैं। इनकी कई पुस्तकें पूर्व में प्रकाशित हो चुकी है। जबकि यह कई पत्र-पत्रिकाओं और न्यूज चैनल के मुख्य संपादक भी रह चुके हैं। समारोह का आयोजन वीरचंद पटेल समाजसेवा संस्थान बिहार और सरदार पटेल सेवा सदन ने संयुक्त रूप से किया था। समारोह की अध्यक्षता संस्थान प्रदेश अध्यक्ष विपिन विप्लवी, संचालन सदन महामंत्री दिग्विजय दिवाकार और धन्यवाद ज्ञापन सदन अध्यक्ष धुरन राय ने की। विवेक चौधरी तथा रश्मि चौधरी स्वागत गीत प्रस्तुत किया। समारोह में पटेल सेवा संघ अध्यक्ष अनिल कुमार, डा. हेमंत कुमार सिंह, डा. कृष्ण कुमार, जनार्दन प्रसाद सिन्हा, विश्वनाथ सिंह, सुधीर कुमार सिंह, शंभू प्रसाद सिंह, राजेश्वर सिंह, ओंकार सिंह, डा. रंजीत पटेल, प्रो. वेदप्रकाश, अधिवक्ता रघुवीर प्रसाद सिंह, अनीता कुमारी, मृत्युंजय कुमार, सुबोध पटेल, अरविंद कुमार, हरेंद्र सिंह, देवानंद सिंह आदि उपस्थित थे। इस मौके पर वीरचंद पटेल की जीवनी से संबंधित पुस्तकें और पत्रिकाओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी।

नवनियुक्त समन्वयक के सम्मान में स्वागत समारोह का हुआ आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

मधेपुरा ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में बुधवार को नवनियुक्त समन्वयक ले. गुड्डु कुमार के सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य डॉ. कैलाश प्रसाद यादव ने कहा कि महाविद्यालय में पंद्रह पारंपरिक विषयों के अतिरिक्त बी. एड. बीसीए, बीबीए, बायोटेक्नोलॉजी एवं बीपीएससी कोर्स संचालित है। इन सभी कोर्सों से विद्यार्थियों को काफी लाभ हो रहा है। मुख्य अतिथि उपकुलसचिव (स्थापना) डॉ. सुधांशु शेखर ने कहा कि कोसी-सीमांचल में रोजगारपरक कोर्स कम हैं। जो कोर्स हैं, उनका लाभ अधिकाधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने की जरूरत है। इसलिए सभी कोर्सों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। सम्मानित अतिथि नोडल पदाधिकारी डॉ. मोहित गुप्ता ने कहा कि नवनियुक्त समन्वयक से हमें काफी उम्मीदें हैं। इनके कार्यकाल में विभाग नई ऊंचाइयों को छूएगा। बायोटेक्नोलॉजी के समन्वयक सह गणित विभागाध्यक्ष ले. गुड्डु कुमार ने समन्वयक की जिम्मेदारी देने के लिए महाविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारीपूर्वक निभाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. शिवनाथ कुमार, कौशल किशोर, माधुरिका कुमारी, निशा कुमारी, प्रणव कुमार प्रियदर्शी, रामनरेश कुमार, आशीष कुमार, राहुल राज, मिथुन कुमार, अमन कुमार, मन्नू गुप्ता, प्रशांत कुमार, सुमित कुमार, नौसाबा परवीन, लक्ष्मी कुमारी, रिशु कुमार, सावन कुमार, दीपक कुमार, आशीष कुमार, नीतीश कुमार, केशव कुमार, गौरी कुमारी, अंजली कुमारी, आशा कुमारी, रितु कुमारी आदि उपस्थित थे।

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के कार्यकर्ताओं ने मनाई होली

प्रात: किरण, संवाददाता

हाजीपुर।लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के एनडीए गठबंधन से हाजीपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनने पर लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के कार्यकर्ताओं में अबीर, गुलाल एवं पटाखे छोड़कर होली के साथ-साथ दीपावली मनाया गया।सैकड़ो कार्यकर्ताओ के साथ हाजीपुर के आम ईमान भी इस रंग उत्सव मे उपस्थित हुए।सभी ने कहा कि स्वर्गीय रामविलास पासवान जी आज स्वर्ग लोक से भी बहुत खुश होंगे और अपने पुत्र चिराग को आशीर्वाद दे रहे होंगे ।साथ ही साथ हाजीपुर के कार्यकर्ता को भी उनका आशीर्वाद मिल रहा होगा । ये जीत लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के कार्यकर्ताओं की जीत है ,हाजीपुर की महान जनता की जीत है ।इस कार्यक्रम में अवधेश सिंह ,नगर अध्यक्ष मनोज सिन्हा ,राजकुमार पासवान ,श्रीकांत पासवान ,संतोष स्वराज ,संतोष शर्मा ,धर्मवीर यादव, सोनू कुमार, रणविजय चौरसिया, रिंकू कुमारी ,शंभू पासवान ,अजय सिंह ,लक्ष्मी देवी, रवि कुमार ,आकाश कुमार ,सुरेंद्र यादव, अविनाश शर्मा, मुन्ना पासवान ,सोनू सूद ,पवन राज ,सुजीत कुमार, दिलीप पासवान, हरीश सिंह, अधिवक्ता निर्मल सिंह ,अधिवक्ता राजकुमार दिवाकर ,राकेश पासवान, किस मुरारी पासवान, इंदल पासवानसहित अनेक कार्यकताओं ने गुलाल एवं पटाखे छोड़कर होली के साथ-साथ दीपावली मनाने का काम किया।

प्रखंड मुखिया संघ की अध्यक्षा बनी शुशीला देवी

प्रात: किरण, संवाददाता

वैशाली। वैशाली पंचायत की मुखिया सुशीला देवी वैशाली प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष पद पर चयन हुआ। गुरूवार को प्रखंड क्षेत्र के मदरना पंचायत के मुखिया सुनिल साह के आवास पर मुखिया संघ का बैठक आयोजित किया गया। बैठक मे 16 मुखिया मे ग्यारह मुखिया उपस्थित हुए।पुराने संघ को भंग कर नया चुनाव किया गया। बैठक मे मुखिया प्रभा देवी, राजकिशोर, सुनील कुमार साह, अनिता देवी, संजीव कुमार, बीरेन्द्र पासवान, निरमा कुमारी, संगीता देवी, पुष्पा कुमारी, कांती देवी उपस्थित हुए। उपाध्यक्ष पद पर मुखिया राजकिशोर कुमार ,सचिव पद पर मुखिया संजीव कुमार, कोषाध्यक्ष पद पर सुनील कुमार साह एवं मीडिया प्रभारी नीरमा कुमारी का चयन हुआ।ईस संबंध मे निवर्तमान मुखिया संघ अध्यक्ष राजनंदन राय ने पुछे जाने पर बताया कि यह पद कोई संवैधानिक पद नही है।

बिहार दिवस मनाने के लिए बैठक,लिए गये कई निर्णय

प्रात: किरण, संवाददाता

हाजीपुर। उप विकास आयुक्त, द्वारा आगामी 22 मार्च को बिहार दिवस मनाने की तैयारियों की समीक्षा बैठक की गई। पदाधिकारियों को बताया गया कि यह 112 वॉ बिहार स्थापना दिवस होगा, इसलिए इसे यादगार बनाने के लिए 112 दीयों को जला कर रौशनी किया जाये तथा इसे स्वीप गतिविधियों से भी लिंक किया जाए। इस अवसर पर सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई, वैशाली एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी, वैशाली को निदेश दिया गया कि 22 मार्च की प्रातःमें स्कूली बच्चों के माध्यम से पूर्व की भांति प्रभातफेरी निकाला जाए। साथ हीं जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के बीच रंगोली, वाद-विवाद तथा पेंटिंग प्रतियोगिता समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में दोपहर में कराने का निर्णय लिया गया। स्थापना दिवस की पूर्व संध्या से लेकर आयोजन की तिथि दिन तक समाहरणालय भवन तथा वैशाली जिला अर्न्तगत अन्य सरकारी भवनों पर नीले रंग की सीरीज लाईट से सजाने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त वैशाली जिले के सभी प्रमुख चौक-चौराहों, प्रवेश द्वारों तक पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था/ नीले रंग की सीरीज लाईट लगाने हेतु संबंधित पदाधिकरियों को निदेशित किया गया। विदित हो कि 22 मार्च 1912 को बिहार अस्तित्व में आया था। बिहार दिवस 2010 से मनाया जा रहा है। इसका मूल उद्देश्य है- बिहार की गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को परिचित कराया जाये। समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त श्री शम्स जावेद आंसारी के साथ एडीएम (आपदा) श्री अरुण कुमार सिंह, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सह जिला योजना पदाधिकारी श्री नीरज, सामान्य प्रशाखा के प्रभारी पदाधिकारी के साथ कई विभागों के पदाधिकारी बैठक में मौजूद थे।

16वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा आयोजित मोबाइल फोन रिपेयरिंग ट्रेनिंग प्रशिक्षण का हुआ समापन

प्रात: किरण, संवाददाता

गिद्धौर/ जमुई: 16वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत एक माह से चले आ रहे मोबाइल फोन रिपेयरिंग ट्रेनिंग प्रशिक्षण का समापन गुरुवार को किया गया। 16वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कमांडेट मनीष कुमार द्वारा विधिवत प्रशिक्षण दिलाया गया। सशस्त्र सीमा बल द्वारा सुरक्षा के साथ साथ क्षेत्र के लोगों को स्वरोजगार परक बनाने के उदेश्य से समय समय पर सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत विभिन्न प्रकार के कम्प्यूटर, सिलाई, मोबाइल रिपेरिंग, ब्यूटी पार्लर आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वह अपने आप को रोजगार योग्य बना सके। इसके तहत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गिद्धौर में मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण एक माह से दिया गया। जिसमें आसपास के गावों के 30 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। जिन्हें एक माह के प्रशिक्षण में मोबाइल रिपेयरिंग का काम सिखाया गया, जिसमें यह सभी प्रशिक्षनार्थी निपुण भी हुए। इस दौरान प्रशिक्षुओं को उप कमांनडेट विनोद कुमार दास के द्वारा प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन करते हुए 16वीं वाहिनी के कमांडेंट श्री कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण से युवा स्वावलम्बी एवं रोजगार योग्य बनेंगे और युवाओं के लिए अपने पैरों पर खड़ा होने का यह सुनहरा अवसर है। इस समापन पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गिद्धौर के मोहम्मद जावेद अहमद, समूह प्रशिक्षक संजय अत्री तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गिद्धौर के अन्य कर्मी सहित उप कमांडेट, सहायक कमांडेट, अधीनस्थ अधिकारी, जवान और प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे ।

जनहित एक्सप्रेस ट्रेन परिचालन होने पर सांसद का जताया आभार

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा जनहित एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन पूर्णिया कोर्ट स्टेशन से शुरू होने पर जदयू कार्यकताओं से सहित व्यवसायी वर्ग के लोग खुशी व्यक्त करते हुए सांसद दिनेश चंद्र यादव के प्रति आभार जताया है। आभार जताते हुए लोगों ने कहा कि जनहित का परिचालन पूर्णिया से होने की वजह से अब मधेपुरा के लोगों का पटना आना जाना आसान हो गया है। इससे आम लोगों सहित व्यवसायी वर्ग के लोगों को काफी फायदा होगा। सांसद प्रतिनिधि बिजेंद्र यादव ने बताया कि सांसद दिनेश चंद्र यादव के प्रयास की वजह से मधेपुरा का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने बताया कि सांसद के प्रयास के वजह से ही कपूरी चौक पर आरओबी निमार्ण कार्य शुरू हो सका है। एनएच 106 तथा 107 पूर्ण होने की स्थिति में है। मधेपुरा में कामर्स कालेज से बायपास तुनीयाही, सुखासन, मानिकपुर, मरुआहा, नेहलपट्टी होते राजपुर रोड तक निर्माण किया जा रहा है। वहीं मुरलीगंज में मीरगंज से बायपास केपी कालेज के पीछे से होते हुए गौशाला चौक से आगे एनएच 107 को जोड़ती है। इसका भी निमार्ण कार्य तेजी से बढ़ रहा है। पुनः मधेपुरा से सिंहेश्वर बायपास, मनिकपुर से सिंहेश्वर केला बाड़ी तक के निर्माण हेतु डी पी आर तैयार किया जा रहा है। एन एच 107 में कई आरओबी का निमार्ण कार्य पूर्ण होने की स्थिति में है। सांसद के पहल से जिले में चल रही विकास योजना ।

चुनाव से ठीक पहले

सीएए को सिर्फ सीमित चुनावी नजरिए से देखना उचित नहीं होगा। बल्कि यह भाजपा की वैचारिक परियोजना का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। इसके जरिए भारतीय नागरिकता को तय करने वाली कसौटियों में अब धर्म एक पहलू बन गया है। केंद्र सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लागू कर दिया है। इसके लिए जरूरी नियम जारी कर दिए गए हैं। जाहिर है, ये कदम 18वें आम चुनाव से ठीक पहले उठाया गया है। खबरों के मुताबिक हफ्ते भर के अंदर चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने वाली है। उस पृष्ठभूमि में इसे सरकार और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के एक चुनावी कदम के रूप में देखा जा सकता है। महजबी आधार पर ध्रुवीकरण भाजपा की एक प्रमुख राजनीतिक ताकत है। अगर चार साल पहले की घटनाओं पर-जब सीएए पारित हुआ था-गौर करें, तो तब इस कानून के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन हुआ था, जिसमें मुस्लिम समुदाय ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। उसी सिलसिले में दिल्ली में दंगा भी हुआ। इससे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को हवा मिली थी। कानून लागू होने के साथ उन सारी घटनाएं की याद ताजा हो सकती है। इसके अलावा अगर फिर से इस कानून का विरोध हुआ, तो ऐसा माहौल और अधिक गरमा सकता है। बहरहाल, इस कानून को सिर्फ इस सीमित नजरिए से देखना उचित नहीं होगा। बल्कि यह भाजपा की वैचारिक परियोजना का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। इसके जरिए भारतीय नागरिकता को तय करने वाली कसौटियों में अब धर्म एक पहलू बन गया है। इस कानून के तहत अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से भारत आने वाले गैर-मुस्लिम व्यक्ति भारतीय नागरिकता के लिए अर्जी दे सकेंगे। इस तरह मजहब नागरिकता तय करने की एक कसौटी बन जाएगा। समझा जा सकता है कि यही व्यवस्था करना इस कानून का मुख्य मकसद है। वरना, अगर उद्देश्य पड़ोसी देशों में उत्पीड़ित व्यक्तियों को राहत देना होता, तो फिर इस कानून के दायरे में श्रीलंका और म्यांमार को भी शामिल किया जाता-जहां अधिकतर उत्पीड़ित व्यक्ति हिंदू धर्म को मानने वाले होते हैं। जाहिर है, कानून उत्पीड़ित शरणार्थियों को राहत देने के लिए नहीं, बल्कि भारतीय राज्य के मूलभूत स्वरूप में परिवर्तन के लिए बनाया गया है। भाजपा का हमेशा से यह एक वैचारिक उद्देश्य रहा है। इस बीच चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने इसके खिलाफ दायरे याचिकाओं को लटका रखा है, इसलिए सरकार के इस ओर बढ़े का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

कितना कुछ जाहिर होगा?

आशंका जताई गई है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश में ही ऐसी बात शामिल है, जिससे कई महत्त्वपूर्ण सूचनाएं जाहिर होने से रह जाएंगी। फिलहाल, यह नहीं मालूम होगा कि किस व्यक्ति या उद्योग घराने ने किस पार्टी को कब और कितना चंदा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आम चुनाव तक इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स संबंधित विवरण पर परदा डालने की भारतीय स्टेट बैंक की कोशिश नाकाम कर दी। कोर्ट के आदेश के मुताबिक अब 15 मार्च को स्टेट बैंक से मिली जानकारियां निर्वाचन आयोग को अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करनी होंगी। इससे देश को पता चलेगा कि इन बॉन्ड्स के माध्यम से किन लोगों या उद्योग घरानों ने राजनीतिक चंदा दिया। किस राजनीतिक दल को कितना चंदा मिला, यह ब्योरा भी आयोग की वेबसाइट पर आ जाएगा। मगर यह सूचना तो पहले से सार्वजनिक दायरे में उपलब्ध है। आशंका जताई गई है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश में ही ऐसी बात शामिल है, जिससे कई महत्त्वपूर्ण सूचनाएं जाहिर होने से रह जाएंगी। फिलहाल, यह नहीं मालूम होगा कि किस व्यक्ति या उद्योग घराने ने किस पार्टी को कब और कितना चंदा दिया। अगर ये जानकारियां सामने आतीं, तो सिविल सोसायटी के लोग यह आकलन करने की स्थिति में होते कि केंद्र और विभिन्न राज्यों में सत्ताधारी दलों को किन घरानों से कितना पैसा मिला। फिर वे यह पड़ताल करते कि क्या संबंधित सरकार ने से फैसला लेते वक्त उन खास घरानों के साथ पक्षपात किया। यानी क्या उन घरानों को कोई अनुचित लाभ पहुंचाया गया। इससे वह पारदर्शिता आती, जिससे भविष्य में धनी-मानी तबकों और राजनीतिक दलों के बीच होने वाली प्रत्यक्ष लेन-देन पर रोक लगती। मगर, स्टेट बैंक ने कह दिया कि यह मिलान करने में उसे बहुत वक्त लगेगा। इस बीच उसके पास चंदा दाताओं और चंदा प्राप्तकताओं की सूची है, जिसे वह सौंप सकता है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी कर दी कि उसने कभी वह ब्योरा देने को नहीं कहा था, जिसके लिए स्टेट बैंक समय मांग रहा है। कोर्ट के इस नजरिए से उन बहुत से लोगों को निराशा हुई है, जो चुनावी चंदे में पूरी जवाबदेही के लिए प्रयासरत रहे हैं। इस तरह उनके नजरिए से देखा जाए, तो इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पारदर्शिता की आंशिक जीत ही है। अब देश के मतदाताओं को अगले आम चुनाव में अपना निर्णय बिना उपरोक्त महत्त्वपूर्ण जानकारी के ही तय करना होगा।

होली पर विशेष

क्या पूर्णिया से हुई थी होली की शुरूआत?

संजय कुमार सुमन

(लेखक संजय कुमार सुमन लगातार विभिन्न विधाओं पर लिखते रहे हैं।राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों सम्मानों से सम्मानित हैं।)

होलिका दहन को लेकर मान्यता है कि इसकी शुरूआत सबसे पहले बिहार के पूर्णिया जिले में हुई थी। जिले के बनमनखी के धरहरा गांव में पहली होली खेली गई थी।ऐसा कहा जाता हैं कि भक्त प्रह्लाद को बचाने के लिए इसी जगह भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार लेकर हिरण्यकश्यप का संध्या बेला में वध किया था। मान्यता है कि पूरे देश में होलिका दहन की शुरूआत बनमनखी के सिकलीगढ़ धरहरा से ही हुई थी। आज भी यहां वो खम्भा मौजूद है, जिसके बारे में मान्यता है कि भगवान नरसिंह प्रहलाद को बचाने के लिए इसी से बाहर आए थे। भगवान ने आधा नर और आधा सिंह का रूप रख इसी खंभे से अवतार लेकर राक्षस राज हिरण्यकश्यप का वध किया था। कहते हैं कि हिरण्यकश्यप को ब्रह्मा जी का वरदान था कि उनका वध ना तो देवता कर पाएंगे ना दानव, ना जल में होगा ना थल में ना ही नभ में, ना दिन में होगा ना रात में, ना घर में होगा ना बाहर। हिरण्यकश्यप ने अपने बेटे भगवान विष्णु के भक्त प्रहलाद को मारने का प्रयास किया। तब भगवान नरसिंह ने इसी खम्भे से अवतार लेकर घर की चौखट पर हिरण्यकश्यप को अपने जंघा पर रखकर अपने नाखून से फाड़ दिया था। मान्यताओं के अनुसार राजा हिरण्यकश्यपु राक्षसों का राजा था। उसका एक पुत्र था जिसका नाम प्रह्लाद था। वह भगवान विष्णु का परम भक्त था। राजा हिरण्यकश्यपु भगवान विष्णु को अपना शत्रु मानता था। जब उसे पता चला कि प्रह्लाद विष्णु का भक्त है तो उसने प्रह्लाद को रोकने का काफी प्रयास किया लेकिन तब भी प्रह्लाद की भगवान विष्णु की भक्ति कम नहीं हुई। यह देखकर हिरण्यकश्यपु प्रह्लाद को यातनाएं देने लगा। हिरण्यकश्यपु ने प्रह्लाद को पहाड़ से नीचे गिराया,हाथी के पैरों से कुचलने की कोशिश की किंतु भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद को कुछ भी नहीं हुआ। हिरण्यकश्यपु की एक बहन थी-होलिका।उसे वरदान था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती। हिरण्यकश्यपु ने प्रह्लाद को मारने के लिए होलिका से कहा। होलिका प्रह्लाद को गोद में बैठाकर आग में प्रवेश कई किंतु भगवान विष्णु की कृपा से हवा से तब भी भक्त प्रह्लाद बच गया और होलिका जल गई। तभी से बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक रूप में होली का त्योहार मनाया जाने लगा। क्या था वरदान हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद, भगवान विष्णु का उपासक था और यातना एवं प्रताड़ना के बावजूद वह विष्णु की पूजा करता रहा। क्रोधित होकर हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह अपनी गोद में प्रह्लाद को लेकर प्रज्ज्वलित अग्नि में चली जाय क्योंकि होलिका को वरदान था कि वह अग्नि में नहीं जलेगी। जब होलिका ने प्रह्लाद को लेकर अग्नि में प्रवेश किया तो प्रह्लाद का बाल भी बाँका न हुआ पर होलिका जलकर राख हो गई। अंतिम प्रयास में हिरण्यकशिपु ने लोहे के एक खंभे को गर्म कर लाल कर दिया तथा प्रह्लाद को उसे गले लगाने को कहा। एक बार फिर भगवान विष्णु प्रह्लाद को उबारने आए। वे खंभे से नरसिंह के रूप में प्रकट हुए तथा हिरण्यकशिपु को महल के प्रवेशद्वार की चौखट पर, जो न घर का बाहर था।

कांग्रेस में अपनी उपेक्षा से बहुत खिन्न थे सुरेश पचौरी

कांग्रेस पार्टी में रहकर सुरेश पचौरी ने जो पद और प्रतिष्ठा अर्जित की उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना गलत होगा कि वे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं। इस उच्च शिक्षित, विनम्र और सहज सरल व्यक्तित्व के धनी इस राजनेता ने पचास वर्षों के राजनीतिक जीवन में इतना यश अर्जित कर लिया था कि कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए प्रेरित नहीं कर सकती थी। 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा नीत राजग सरकार के गठन के बाद कई ऐसे मौके आए जब वे राजनीतिक सौदेबाजी करके भाजपा में शामिल हो सकते थे परन्तु शायद पानी गले तक पहुंच जाने के बाद वे यह अप्रत्याशित फैसला फैसला लेने के लिए विवश हो गये। कांग्रेस पार्टी सुरेश पचौरी के इस अप्रत्याशित फैसले के लिए आज उनकी आलोचना करते समय यह क्यों भूल जाती है कि उनके राजनीतिक सूझबूझ और अनुभवों से लाभ लेने के बजाय उन्हें एक तरह से हाशिए पर पहुंचा देने में भी संकोच नहीं किया गया। पिछले कुछ सालों में ऐसे अनेक अवसर आए जब पार्टी के विभिन्न फोरमों में लिए जाने वाले महत्वपूर्ण फैसलों में सुरेश पचौरी की राय लेने की आवश्यकता महसूस नहीं की गई। पार्टी में लगातार अपनी उपेक्षा से उपजी उनके मन की पीड़ा का अंदाजा कांग्रेस का वरिष्ठ नेतृत्व नहीं लगा पाया।

कृष्णमोहन झा-
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पिछले कुछ महीनों में मध्यप्रदेश में कांग्रेस के जिन वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी छोड़ कर भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है उनमें पूर्व केंद्रीअय मंत्री, पार्टी के भूतपूर्व अध्यक्ष और चार बार के राज्य सभा सांसद सुरेश पचौरी की कमी पार्टी को सबसे अधिक खल रही है। सुरेश पचौरी के भाजपा में शामिल होने की खबर के बाद भले ही अचानक आई हो परन्तु हकीकत यह है कि हमेशा ही कांग्रेस के समर्पित नेताओं की कतार में अग्रणी रहे सुरेश पचौरी ने यह फैसला तब लिया जब अत्यंत भरे मन से लिए गए इस फैसले के अलावा उनके सामने कोई अन्य विकल्प कांग्रेस ने नहीं छोड़ा था। कांग्रेस पार्टी में रहकर सुरेश पचौरी ने जो पद और प्रतिष्ठा अर्जित की उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना गलत होगा कि वे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं। इस उच्च शिक्षित, विनम्र और सहज सरल व्यक्तित्व के धनी इस राजनेता ने पचास वर्षों के राजनीतिक जीवन में इतना यश अर्जित कर लिया था कि कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए प्रेरित नहीं कर सकती थी। 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा नीत राजग सरकार के गठन के बाद कई ऐसे मौके आए जब वे राजनीतिक सौदेबाजी करके भाजपा में शामिल हो सकते थे परन्तु शायद पानी गले तक पहुंच जाने के बाद वे यह अप्रत्याशित फैसला फैसला लेने के लिए विवश हो गये। कांग्रेस पार्टी सुरेश पचौरी के इस अप्रत्याशित फैसले के लिए आज उनकी आलोचना करते समय यह क्यों भूल जाती है कि उनके राजनीतिक सूझबूझ और अनुभवों से लाभ लेने के बजाय उन्हें एक तरह से हाशिए पर पहुंचा देने में भी संकोच नहीं किया गया। पिछले कुछ सालों में ऐसे अनेक अवसर आए जब पार्टी के विभिन्न फोरमों में लिए जाने वाले महत्वपूर्ण फैसलों में सुरेश पचौरी की राय लेने की आवश्यकता महसूस नहीं की गई। पार्टी में लगातार अपनी उपेक्षा से उपजी उनके मन की पीड़ा का अंदाजा कांग्रेस का वरिष्ठ नेतृत्व नहीं लगा पाया। यह पीड़ा उस समय और घनीभूत हो गई जब कांग्रेस ने विगत दिनों अयोध्या में नवनिर्मित भव्य मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आमंत्रण ठुकरा दिया। कांग्रेस के इस फैसले से सुरेश पचौरी इतने व्यथित हो गये कि उन्होंने कांग्रेस से अपना पचास वर्षों का नाता तोड़ने का फैसला कर लिया। भाजपा में शामिल होने के बाद सुरेश पचौरी ने रामचरित मानस की एक चौपाई का उदाहरण देते हुए कहा कि कोई कितना भी प्रिय क्यों न हो लेकिन अगर वह राम का विरोध करे तो उसे छोड़ दो। जो लोग भगवान राम का अनादर कर रहे हैं मैं उनके साथ खड़ा नहीं हो सकता। सुरेश पचौरी ने साफ कहा कि मैं बिना किसी शर्त के भाजपा में आया हूं और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सेवा करूंगा। सुरेश पचौरी ने यद्यपि अयोध्या में नवनिर्मित भव्य मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शामिल न होने के कांग्रेस पार्टी के फैसले को पार्टी छोड़ने का मुख्य कारण बताया परंतु इसमें दो राय नहीं हो सकती कि पिछले कई महीनों से अनेक मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी के साथ उनके मतभेदों में निरंतर इजाफा हो रहा था। सर्जिकल स्ट्राइक पर कांग्रेस पार्टी द्वारा उठाए गए सवालों को अनुचित बताते हुए उन्होंने कहा कि सेना के शौर्य पर सवाल नहीं उठाए जाते परंतु कांग्रेस ने ऐसा किया। जाति जनगणना का समर्थन करके कांग्रेस ने वर्षों पुराने नारे ह्व जात पर न पात पर मोहर लगेगी हाथ पर ह्व को भुला दिया है। कांग्रेस कभी अपने जिन सिद्धांतों और नीतियों के लिए जानी जाती थी उनसे वह विमुख हो गई है। सुरेश पचौरी ने कांग्रेस छोड़ने के जो कारण गिनाए हैं उन पर निःसंदेह गौर करने की जरूरत है। जिस पार्टी में उन्होंने पचास वर्षों तक सेवाएं दीं उससे रिश्ता तोड़ने में उन्हें कितनी पीड़ा हुई होगी उसका अहसास शायद कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व को नहीं है। दिक्कत यह है कि कांग्रेस नेतृत्व गंभीरता पूर्वक आत्ममंथन करके उन कारणों का पता भी नहीं लगाना चाहती जो जिनकी वजह से समर्पित और निष्ठावान नेताओं को भरे मन से पार्टी छोड़ने के लिए विवश होना पड़ रहा है और अगर ऐसे समर्पित और निष्ठावान नेताओं का भाजपा में पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत किया जा रहा है तो कांग्रेस को उन पर विश्वासघात करने का आरोप लगाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

आम के खिले हुए मंजर पर कीटनाशकों का प्रयोग है नुकसान दायक

फूलों की पाँच पंखुड़ियाँ होती हैं और आमतौर पर लगभग 5 मिमी व्यास की होती हैं। उनके पास एक मीठी व सुखद सुगंध होती है जो परागण प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसी मीठी सुगंध के प्रति आकर्षित परागणकर्ता आम के बागों में आते हैं ,जो परागण जैसे अति महत्वपूर्ण कार्य को संपादित करते है। यह क्रिया फल के विकास के लिए आवश्यक है। अपूर्ण परागण की अवस्था में फल झड़ जाते है। आम के फूल बसंत और गर्मी के महीनों में खिलते हैं, और फल कई महीनों बाद परिपक्व होकर पकते हैं।मधुमक्खियों, मक्खियों, तितलियों और ततैया सहित कई प्रकार के परागणकों द्वारा आम का परागण किया जाता है। वे बताते हैं कि मधुमक्खियों की कुछ प्रजातियाँ, जैसे आम मधुमक्खी (एपिस मेलिफेरा) और अकेली बढ़ई मधुमक्खी (जाइलोकोपा प्रजाति), आम के फूलों के परागण में विशेष रूप से प्रभावी हैं। कुछ क्षेत्रों में, किसान अपने आम के पेड़ों को परागित करने के लिए मधुमक्खियों पर निर्भर रहते हैं। हालांकि, जंगली परागणकर्ता भी आम के परागण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और परागणकताओं के विविध समुदाय को बनाए रखने से इष्टतम परागण और फलों के उत्पादन को सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। प्राकृतिक परागणकताओं के अलावा, कुछ आम किसान मैनुअल परागण तकनीकों का भी उपयोग करते हैं, जैसे कि हाथ से परागण या फूलों की रिहाई और पराग हस्तांतरण को प्रोत्साहित करने के लिए कंपन उपकरणों का उपयोग।

प्रोफेसर डाक्टर एस के सिंह
लेखक

जब आम के फूल (मंजर)खिले हों, उस समय किसी भी कृषि रसायन खासकर कीटनाशक का प्रयोग न करें , नही तो मधुमक्खियां, मक्खियां, तितलियां और ततैया बाग से दूर चले जायेंगे ,जिससे आम के उत्पादन में भारी नुकसान हो सकता है। यह कहना है प्रधान अन्वेषक,अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (फल) एवं विभागाध्यक्ष ,पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट पैथोलॉजी एंड नेमेटोलॉजी ,डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के डाक्टर एस के सिंह का। डाक्टर सिंह ने इस सम्बंध में प्रातः किरण से विस्तार से बातचीत करते हुए बताया कि आम के फूल छोटे, सुगंधित और सफेद से लेकर गुलाबी रंग के होते हैं। वे पत्तियों के उभरने से पहले युवा शाखाओं की युक्तियों पर गुच्छों में बढ़ते हैं। फूलों की पाँच पंखुड़ियाँ होती हैं और आमतौर पर लगभग 5 मिमी व्यास की होती हैं। उनके पास एक मीठी व सुखद सुगंध होती है जो परागण प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसी मीठी सुगंध के प्रति आकर्षित परागणकर्ता आम के बागों में आते हैं ,जो परागण जैसे अति महत्वपूर्ण कार्य को संपादित करते है। यह क्रिया फल के विकास के लिए आवश्यक है। अपूर्ण परागण की अवस्था में फल झड़ जाते है। आम के फूल बसंत और गर्मी के महीनों में खिलते हैं, और फल कई महीनों बाद परिपक्व होकर पकते हैं।मधुमक्खियों, मक्खियों, तितलियों और ततैया सहित कई प्रकार के परागणकों द्वारा आम का परागण किया जाता है। वे बताते हैं कि मधुमक्खियों की कुछ प्रजातियाँ, जैसे आम मधुमक्खी (एपिस मेलिफेरा) और अकेली बढ़ई मधुमक्खी (जाइलोकोपा प्रजाति), आम के फूलों के परागण में विशेष रूप से प्रभावी हैं। कुछ क्षेत्रों में, किसान अपने आम के पेड़ों को परागित करने के लिए मधुमक्खियों पर निर्भर रहते हैं। हालांकि, जंगली परागणकर्ता भी आम के परागण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और परागणकताओं के विविध समुदाय को बनाए रखने से इष्टतम परागण और फलों के उत्पादन को सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। प्राकृतिक परागणकताओं के अलावा, कुछ आम किसान मैनुअल परागण तकनीकों का भी उपयोग करते हैं, जैसे कि हाथ से परागण या फूलों की रिहाई और पराग हस्तांतरण को प्रोत्साहित करने के लिए कंपन उपकरणों का उपयोग। ये तकनीकें फलों के सेट को बढ़ाने और फलों की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करती हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहां परागणकताओं की आबादी सीमित है। लेकिन यह सब अभी अनुसंधान स्तर तक सीमित है। जब फूल खिले हो उस समय किसी भी प्रकार का कोई भी कृषि रसायन खासकर कीटनाशक का प्रयोग नही करना चाहिए क्योंकि इससे फायदा तो कोई नही होगा बल्कि भारी नुकसान होगा ।आम के फूल के कोमल हिस्से इन रसायनों के प्रयोग से घायल हो सकते है एवं मेहमान परागण कर्ता कीट नाराज होकर बाग छोड़ कर चले जायेंगे। ये कीट हमारे मित्र है, जिन्हे आम के फूल से निकली हुई एक मीठी सुगंध आमंत्रण देकर बुलाती है । हमारी एक छोटी -सी नासमझी जिस वजह से जब हम कीटनाशक का उपयोग करते है तब ये परागकर्ता हमारे बाग को छोड़कर चले जाते है जिसकी वजह से परागण जैसे महत्वपूर्ण कार्य बीच में ही छूट जाते है। यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है की आम के बाग में मधुमक्खियां परागण का कार्य तो करती है लेकिन आम के बाग से मधु नही प्राप्त होता है जबकि इसके विपरीत लीची के बाग में ये मधुमक्खियां परागण भी करती है ।इनसे उच्च कोटि का शहद भी प्राप्त होता है।

डूबने की गारंटी भी देती है आज की सियासत....

राकेश अचल-
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

कम से कम हमारी पीढ़ी ने तो कभी नहीं सोचा था कि भारत जैसे महान देश में सियासत में गारंटी पर भी गारंटी दी जाएगी। लोग घोषणापत्रों पर नहीं व्यक्तियों की निजी गारंटी पर वोट देंगे और सुविधाएं लेंगे। लेकिन आज गारंटी की राजनीति ही एक कड़वा सच है। आप इसे मीठा सच भी मान सकते हैं बाशर्त कि आपके मन में भक्ति-भाव आम आदमी के मुकाबले कुछ ज्यादा हो, या आपकी दृष्टि कुछ ज्यादा धुंधली हो गयी हो। कायदे से गारंटी उपभोक्तावाद का प्रमुख लक्षण है। गारंटी में प्रोडक्ट की अदला-बदली का करार होता है, लेकिन सियासत की गारंटी में ऐसा कुछ नहीं है। आज की सियासत में गारंटी का युग शुरू करने का एकमेव श्रेय प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी को जाता है। उनसे पहले न उनके वंशजों ने गारंटी की सियासत की थी और न उन कांग्रेसियों ने जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में अग्रणीय भूमिका अदा की थी। नेहरू, शास्त्री, गाँधी, सिंह , राव और मन मोहन सिंह, जैसे प्रधानमंत्रियों को तो छोड़िये चौमासा प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, चंद्रशेखर , आइके गुजराल या हरदन हल्ली देवगौड़ा के अलावा माननीय अटल बिहारी बाजपेयी भी राजनीति में गारंटी का युग शुरू नहीं कर पाए। बाजपेयी जी ने इंडिया को साइन करने की कोशिश की थी तो उन्हें देश की जनता ने चमका दिया, लेकिन मानना पडेगा कि मोदी जी ने बाजपेयी जी को चमकाने का बदला देश की जनता से अच्छे दिन आएंगे का मिथ्या नारा देकर बराबर कर लिया। आजकल देश में कम से कम 80 करोड़ लोगों को रोजगार की गारंटी भले ही न दी गयी हो लेकिन आने वाले पांच साल तक दो जून मुफ्त अनाज देने की गारंटी जरूर दी गयी है। जाहिर है कि आने वाले पांच साल तक उनके दिन नहीं बदलने वाले। मोदी जी की गारंटी से माँ हो या बाबा सब मजबूत हो रहे हैं, ऐसा आजकल हमें टीवी चैनलों पर आ रहे विज्ञापनों से पता चल रहा है। विज्ञापनबाजी में सरकारों के बीच एक अंधी प्रतिस्पर्द्धा चल रही है। सिंगल इंजिन की सरकार हो या डबल इंजिन की सरकार बराबर अपनी गारंटियों का विज्ञापन कर रहीं है। इस कुकृत्य में न मोदी पीछे हैं है और न भगवंत सिंह मान। बहरहाल बात सियासत में गारंटी की चल रही है। मोदी जी ने दो आम चुनाव केवल जुमलों के बूते जीते थे, अब वे तीसरा चुनाव गारंटी के बल पर जीतना चाहते है। उनकी इच्छाशक्ति का कोई मुकाबला नहीं है। वे जो ठान लेते हैं, कर दिखाते है। उन्होंने ठाना कि वे जलते हुए मणिपुर नहीं जायेंगे तो देख लीजिये नहीं गए। उन्होंने ठान लिया कि वे सब कुछ करेंगे किन्तु आन्दोलनजीवी किसानों से संवाद नहीं करेंगे, तो उन्होंने अब तक नहीं किया। मोदी जी एक-एक दिन में चार राज्यों में चुनावी रैलियां करते हैं लेकिन किसानों से संवाद नहीं करते। उन्हें पता है कि यदि बात करेंगे तो किसानों को भी गारंटी देना पड़ेगी और मोदी जी के पास किसानों को देने के लिए कुछ बचा नहीं है। सब कुछ अडानी, अम्बानी और मोदियों की फौज पहले ही लूट-पाट चुकी है। मोदी जी ने गारंटी नहीं दी इसीलिए आप देख लीजिये कि कल शेयर बाजार में एक झटके में आम जनता के साथ अडानी जी के भी 13 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गए। 13 लाख करोड़ रुपए कुछ होते हैं, लेकिन किसी को भी इस होम का धुंआ उठता नहीं दिखाई दे रहा है। न भाजपा बोली और न कांग्रेस। बाकी की तो बोलने की हैसियत ही नहीं बची है। देश के किसान पहले एक साल दिल्ली के बाहर डेरा डेल रहे, सात सौ किसानों की जान चली गयी किन्तु किसी किसान को न तब किसी सियासत ने एमएसपी की गारंटी दी और न आज एक माह से ज्यादा से दिल्ली के बाहर डेरा डेल किसानों को कोई गारंटी देने के लिए तैयार है। मोदी जी किसानों की रैली के जबाब में दिल्ली में पार्टी के लिए रैली कर सकते हैं किन्तु किसानों को जरा सी गारंटी नहीं दे सकते, क्योंकि जानते हैं की किसान उनका, उनकी पार्टी का और उनकी सरकार का बाल भी बांका नहीं कर सकते। देश में गारंटी की राजनीति के जनक माननीय नरेंद्र मोदी की गारंटियों के जबाब में कांग्रेस ने भी चुनाव से पहले नारी न्याय गारंटी योजना का ऐलान किया है। इसके तहत गरीब महिलाओं को एक लाख सालाना मदद, सरकारी नौकरी में 50 फीसदी आरक्षण का वादा कर दिया है। कांग्रेस को भी पता है कि न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी। अर्थात न कांग्रेस कि सरकार बनेगी और न महिलाओं को दी गारंटी पूरी करना पड़ेगी। कांग्रेस इलेक्टोरल बांड के जरिये उतना कमा ही नहीं पायी कि सरकार बना ले। कांग्रेस के प्रति अब तो सहानुभूति जताने में संकोच होता है। कमाई का डाटा केंचुआ कि वेब साइट पर आजकल में मिल जाएगा। राजनीति में गारंटी ने बहुत कुछ बदला है। अब देखिये न लोकसभा चुनाव में टिकिट की गारंटी न मिलने पर कितने लोगों ने अपनी सियासी बल्दियत बदल डाली। कुछ भाजपा छोड़ कांग्रेस में चले गए और कुछ कांग्रेस छोड़ भाजपा में चले गए। देश में इस समय दल-बदल के लिए भाजपा और कांग्रेस ही दो प्रमुख ठिकाने है। यहीं गारंटी से सियासत करने की सुविधा है। बाकी के क्षेत्रीय दलों की गारंटी पर कोई ज्यादा यकीन करता नहीं। देश की जनता जब चड्डी-बनियान तक पर गारंटी मांगती है तो उसे यदि सियासत में गारंटी मिल रही है तो उसे आखिर क्यूँ कर नकारेगी? काश कि इस गारंटी में चड्डी-बनियान की तरह खराबी निकलने पर सरकार और प्रधानमंत्री बदलने का भी प्रावधान शामिल होता, लेकिन नहीं है ! देश में एक दशक से चड्डी-बनियान वालों कि सरकार है, किसी ने उसे बदला? फिलहाल लोगों को इस बात पर यकीन करना चाहिए कि देश में ये अंतिम आम चुनाव नहीं है। सरकार की और से गारंटी दी जा रही है कि 2029 में फिर चुनाव होंगे और एक देश, एक चुनाव की तर्ज पर होंगे। मोदी सरकार देश में सब कुछ एक देश की तरह एक करना चाहती है। जैसे एक कानून, एक चुनाव, एक नेता, एक भाषा, एक बोली, एक खानपान, एक परिधान, एक राष्ट्रगान, तीन रंग के बजाय एक रंग का निशान, एकांगी संविधान और एक भगवान। अब देखिये कब तक देश एकाकार होता है? हम भी फिलहाल यहीं हैं और आप भी। जय सियाराम।

संक्षिप्त खबरें

उप्र : सड़क हादसे में एमबीबीएस के दो छात्रों की मौत, दो घायल

बरेली। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के थाना फतेहगंज पश्चिमी के अंतर्गत-राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण हादसे में एमबीबीएस के दो छात्रों की मौत हो गई और दो अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए ।फतेहगंज (पश्चिमी) थाने के प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार पांडेय ने बताया कि बुधवार रात एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर को पार करते हुए पलट गयी जिससे एमबीबीएस के दो छात्रों दीपक भाटी (23) व राहुल श्रीवास्तव (24) की मौत हो गई जबकि दो अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गये ।उन्होंने बताया कि ये चारों राजश्री मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के छात्र हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि हादसे में मारा गया छात्र दीपक भाटी फरीदाबाद से था, और राहुल बिहार से था। ये सभी एमबीबीएस के अंतिम सेमेस्टर के छात्र थे। राजश्री कॉलेज के अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि देर रात हुई घटना में दो छात्रों की मौत हो गई और दो छात्र घायल हुए है। छात्रों की कल ज्योति कॉलेज में परीक्षा थी, वापसी में यह हादसा हो गया। छात्रों के परिजनों को सूचित कर दिया गया हैं।

भाजपा नेता विनय प्रधान रालोद में शामिल

मेरठ, । भाजपा नेता विनय प्रधान ने गुरुवार को राष्ट्रीय लोक दल का दामन थाम लिया। प्रधान ने दिल्ली में रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। विनय प्रधान की गिनती मेरठ के गुर्जर समाज के दिग्गज नेताओं में होती है। उनके दादा प्रभुदयाल और राम दयाल विधायक रह चुके हैं। विनय प्रधान पहले कांग्रेस के जिलाध्यक्ष थे, लेकिन राहुल गांधी पर टिप्पणी को लेकर उन्हें अपना पद गंवाना पड़ा था। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हो गए। राजनीति की मुख्यधारा में आने से पहले विनय प्रधान दिल्ली के किरोड़ीमल कॉलेज में छात्र संघ अध्यक्ष रहे। इससे पहले हस्तिनापुर के पूर्व विधायक गोपाल काली ने सपा छोड़कर रालोद की सदस्यता ग्रहण की। साथ ही मेरठ में आम आदमी पार्टी से महापौर का चुनाव लड़ चुकी रिचा सिंह भी रालोद की सदस्यता ग्रहण कर चुकी हैं।

शिक्षा से बदलेगा महिलाओं का जीवन : संजय कुमार शुक्ल

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में गुरुवार को प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में महिला विकास एवं सशक्तिकरण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करने के उपरांत सेमीनार को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि शिक्षा ही सबसे प्रमुख साधन है जिसके द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा सकता है। कहा कि भ्रूण, हत्या, दहेज-हत्या, यौन उत्पीड़न, महिलाओं का शोषण और दोहन सभ्य समाज के लिए कलंक है इससे निपटने के लिए महिलाओं को शिक्षित, जागरुक और संगठित होना आवश्यक है। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या नीलम सिंह और श्रीमती कृष्णा कुमारी पाण्डेय कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या सुरभि सिंह ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना होगा। महिलाओं को अपनी सोच मजबूत रखते हुए अपने आप को मानसिक रूप से सशक्त करना होगा तभी वह जीवन में आगे बढ़ पाएंगी। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षण प्रभारी डॉ रविनाथ त्रिपाठी ने किया। सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, गोविन्द प्रसाद, कल्याण पाण्डेय, कुलदीप चौधरी, अलीउद्दीन खान, इमरान सहित बड़ी संख्या में बीटीसी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

बलरामपुर नगर पालिका परिषद में हुआ मीटिंग का आयोजन

बलरामपुर। आदर्श नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू के द्वारा होली पर्व से पूर्व होली कमेटियों के पदाधिकारियों तथा गणमान्य नागरिकों और अधिकारियों के साथ मीटिंग की गई होली पर्व में सफाई पानी, पथ प्रकाश आदि व्यवस्थाओं किए जाने हेतु सुझाव प्राप्त किए गए अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बलरामपुर धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू द्वारा बताया गया कि नगर के सभी होलिका स्थलों के आस-पास सफाई एवं चूने का छिड़काव कराया जाएगा जिसमें नगर के सभी होलका स्थलों पर 6 कुंटल लकड़ी पालिका द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी नगर के मुख्य मार्गो तथा अन्य स्थानों पर पालिका में उपलब्ध संसाधनों से पथ प्रकाश व्यवस्था कराई जा रही है विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर होली पर्व में मुख्य मार्गो पर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने होली पर्व के पूर्व आयोजित बैठक मे कहा कि होली प्यार आपसी सौहार्द बढ़ाने का त्यौहार है इस त्यौहार को हम लोग को मिल जुल कर शान्ति पूर्ण रूप से मनाएं यदि कोई व्यक्ति रंगों से परहेज करता है तो किसी को जबरदस्ती रंग ना लगाए कोई ऐसा कार्य किसी को नहीं करना चाहिए जिससे किसी भी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे नगर में हमेशा सभी पर्व सभी धर्म के लोग प्रेम मोहब्बत से मनाते हैं।

सचिन चौधरी ने निभाया अपना वादा, शहीद परिजनों के नाम किए नेशनल हाईवे पर प्लॉट

वीर शहीदों को शत-शत नमन, शहीदों के परिवारों के साथ खड़ा रहूंगा: सचिन चौधरी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अमरोहा लोकसभा से कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रत्याशी सचिन चौधरी ने भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले वीर शहीदों के सम्मान में प्रत्येक शहीद के परिवार को एनएच -24 हाईवे पर एक-एक प्लॉट सम्मान के रूप में देकर उनका सम्मान किया। बृहस्पतिवार को नगर के सुमंगलम मैरिज हाल में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं इंडिया गठबंधन के संभावित प्रत्याशी सचिन चौधरी ने भारत मातृभूमि पर प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों के परिवारों का सम्मान कर एक प्लाट समर्पित किया ।सचिन चौधरी कई वर्षों से मुरादाबाद और मेरठ मण्डल के अन्तर्गत आने वाले हर शहीद परिवारों को वो एक-एक प्लाट देते हैं यही नहीं इन प्लाटों की रजिस्ट्री में लगने वाला शुल्क भी वह स्वयं वहन करते हैं। आज अपने इस वादे को सचिन जी ने फिर से पूरा किया। आयोजित हुए कार्यक्रम में बुलंदशहर के शहीद नितिन कुमार, ब्रह्मपाल सिंह व विशाल सिंह, संभल के सुदिश कुमार, मुरादाबाद के जितेंद्र सिंह व प्रीतम सिंह, अमरोहा के अरशद अली व अजीत सिंह, बिजनौर के गजेंद्र सिंह, सुनील कुमार एवं गजेंद्र होशराम सिंह, हापुड़ के सोबित कुमार के परिजनों को शाल ओढ़ाकर और रजिस्ट्री के कागजात देकर सम्मानित किया ।इस अवसर पर प्रेस को संबोधित करते हुए सचिन चौधरी ने कहा कि शहीदों की वीरता, उनका समर्पण और उनका अद्भुत पराक्रम हमारे देश की अमूल्य धरोहर हैं। उनके बलिदान ने सदा स्वतंत्रता, स्वाभिमान और गर्व की भावना से भरा हमारा इतिहास लिखा है। शहीदों का त्याग हमें यह याद दिलाता है कि भारत माता की रक्षा के लिए हमें समर्पित होना चाहिए। वीर जवान अपनी जान पर खेलकर हमारी और भारत माता की रक्षा करते हैं ताकि हम सभी अपने देश की स्वतंत्रता, सुरक्षा और समृद्धि के वातावरण में रह सकें ।उनका त्याग हमें यह सिखाता है कि कभी-कभी हमें अपने स्वार्थ को पीछे रखकर समाज के हित में काम करना होता है। पर कुछ लोग उनके नाम पर राजनीति करते हैं और अपने सत्ता के नशे में चूर होकर शहीद परिवारों को भूल जाते हैं ।बीजेपी नकली राष्ट्रवाद करती है, शहीद परिवार की पीड़ा को ये लोग क्या जाने, बीजेपी और आरएसएस के लोगों ने इस देश के लिए कोई बलिदान नहीं दिया ।सीमा पर लड़ रहे जवानों की चिंता प्रत्येक सरकार को करनी चाहिये।

सीमा पर लड़ते हुए शहीद होने वाले जवानों के परिवारों के लिए भारत सरकार ने कुछ नहीं किया। हम बीजेपी की तरह राष्ट्रवाद का ढिंढोरा नहीं पीटते हैं बल्कि वतन के लिए लड़ने वाले वीर जवानों की हर संभव मदद के लिए सदैव तैयार रहते हैं ।हमने पहले भी हर संभव देश के लिए लड़ने वालों की हर संभव मदद की है और आगे भी करते रहेंगे ।इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सचिन चौधरी, ज़िलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया, सपा ज़िलाध्यक्ष मस्तराम यादव, शहर अध्यक्ष फैजआलम रायनी, अफसर अली सैफी, हरस्वरूप प्रधान जी आदि उपस्थित रहे।

पिछली सरकारों के नेताओं की आजीविका का माध्यम थे माफिया : मुख्यमंत्री योगी

प्रात: किरण

अंबेडकरनगर/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि पिछली सरकारों के नेताओं की आजीविका का माध्यम माफिया हुआ करते थे। पहले जमीन पर कब्जा करते थे पर आज कोई माफिया किसी जमीन पर कब्जा या बेटी से छेड़छाड़ नहीं कर पाएगा, क्योंकि उसे मालूम है कि ऐसा करने वालों का यमराज अगले चौराहे पर उपचार कर देंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अंबेडकर नगर में 2,122 करोड़ की 4,977 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ दो निजी औद्योगिक विकास परियोजनाओं के शुभारंभ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने सपा पर खूब निशाना साधा और डबल इंजन की सरकार के विकास कार्यों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि माफिया पिछली सरकारों के पाले गए जीव थे, जो उन नेताओं की आजीविका के माध्यम बनते थे। हमने कहा कि गरीबों के जीने के अधिकार को छीनने वालों से जीने का अधिकार छीन लिया जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण सपा के लोग नहीं करा पाते। सपा के लोग आपके जनपद का नाम भी मिटा देना चाहते थे। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के नाम पर कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम हटा दिया, लेकिन हमने जोड़ दिया। हमने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर संविधान शिल्पी थे। उनके नाम पर कोई समझौता नहीं हो सकता। सपा दलित विरोधी है, उन्होंने भले ही नाम मिटाया, लेकिन हम फिर से नामकरण करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि यह वही सपा है, जिसने गेस्ट हाउस कांड कराया और दलित महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों को हटाने का आह्वान किया था। लेकिन, डबल इंजन की सरकार बाबा साहब के नाम पर पंच तीर्थ का निर्माण करती है। डबल इंजन की सरकार ने 4 करोड़ देशवासियों को आवास दिया, पहले गरीब और भक्त को आवास दिया गया, फिर भगवान के मंदिर का भी निर्माण किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने आगे जिक्र किया कि अभी यहां पर किसी को मकान, टैबलेट, नियुक्ति पत्र समेत अन्य विकास योजनाओं का लाभ दिया गया। यदि डबल इंजन की सरकार नहीं होती तो यूपी में 56 लाख गरीबों को मकान नहीं मिल पाता। सपा और कांग्रेस के लोग नहीं दे पाते, वहां चाचा और भतीजे में जंग लगी है। नियुक्ति आते ही परिवार वसूली में मस्त हो जाता था। लेकिन, आज हर जरूरतमंद को बिना भेदभाव के गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। जब सरकार का उद्देश्य लोककल्याण होता है तो ऐसे कार्यक्रम होते हैं, जब सरकार में बैठे लोगों का चश्मा परिवार के बाहर नहीं देखता है तो गरीब कल्याणकारी योजनाओं में डकैती पड़ती है।

जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना की प्रगति पर जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी

अभियंता जल निगम को लगाई फटकार, कार्यदाई संस्थाओं से मांगा स्पष्टीकरण

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन में कार्य कर रही कार्य दाई संस्थाओं से बिंदुवार प्रगति की जानकारी हासिल की और सन्तोष जनक प्रगति न मिलने पर अधिशासी अभियंता जल निगम को कड़ी फटकार लगाते हुए सभी कार्रवाई संस्थाओं के स्पष्टीकरण कॉल करने के निर्देश दिया। कहां की प्रतिदिन अच्छा से अभियंता जल निगम अपने स्तर से समीक्षा करें और क्या प्रगति हुई इसकी शाम को रिपोर्ट वर्चुअल माध्यम से जुड़कर बताएं। कहा की सरकार का जो लक्ष्य है हर घर योजना के तहत जो समय दिया गया कार्य को पूर्ण करने का उसमें अवश्य कार्य को पूर्ण लिया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में हर घर जल योजना के कनेक्शन टंकी निर्माण सहित अन्य कराए जाने वाले कार्य जो लक्ष्य दिया गया है अवश्य पूर्ण कर लिया जाए। कहा कि जनपद की सभी ग्राम पंचायत में हर घर योजना का तहत लाभ मिलना चाहिए। कहा की योजना के तहत जो सड़क तोड़ी गई है उसका पुनर्निर्माण अभियान चलाकर किया जाए शिकायत मिली तो संबंधित खैर नहीं होगी इसे प्राथमिकता समझते हुए कार्य कराया जाए ।जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि जमीन जहां पर विवादित है उसका सम्बन्धित अधिकारों से बात करके निस्तारण कराया जाए और काम किया जाए ।

कहा की कार्य की गुणवत्ता भी सही होनी चाहिए ।अधिक से अधिक मजदूर लगाकर अगली बैठक तक कार्य की प्रगति सुधरनी चाहिए अन्यथा कार्यवाही के लिए तैयार रहें ।परियोजना को समय से पूर्ण करना होगा मैनपॉवर बढ़ाई जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री अश्विनी कुमार मिश्र परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप अधिशासी अभियंता जल निगम कार्यदायी संस्थाओं प्रभारी सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

उप्र के पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति और करीबियों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

प्रात: किरण

अमेठी। समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति की मुश्किलें कम होने का नाम ही ले रही है। वर्तमान में गायत्री प्रसाद प्रजापति बलात्कार के आरोप में जेल में बंद है। गुरुवार की सुबह करीब पांच बजे प्रवर्तन निदेशालय की दो टीमों ने एक साथ अमेठी कस्बे के आवास विकास स्थित गायत्री प्रसाद प्रजापति एवं उनकी बेहद गरीबी गुड्डा देवी के घर पर छापेमारी की है।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम में एक दर्जन से अधिक अधिकारी मौजूद हैं और गायत्री प्रजापति के घर के अंदर खनन मामले और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। पिछले पांच घंटे से लगातार ईडी के अधिकारी घर के अंदर सभी लोगों को कैद कर जांच पड़ताल कर रहे हैं। घर के अंदर पूर्व मंत्री की पत्नी एवं अमेठी से समाजवादी पार्टी की विधायक महाराज जी प्रजापति और उनके बेटे अनुराग मौजूद हैं।

गायत्री प्रसाद प्रजापति के दोनों बेटे अनुराग प्रजापति एवं अनिल प्रजापति के ऊपर मनी लांड्रिंग के मामले भी चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय की टीम इसके बाद गायत्री प्रसाद प्रजापति के ड्राइवर रामराज के घर टिकरी स्थित आवास पर भी जा सकती है। कार्रवाई करने आई पूरी टीम में एक दर्जन से अधिक प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान मौजूद है।

मेरठ में कपड़े के कारखाने में भीषण आग से लाखों का नुकसान

मेरठ। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के करीम नगर में गुरुवार को कपड़े के कारखाने में शार्ट-सर्किट से भीषण आग लग गई। कारीगरों ने किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाई। इस भीषण से लाखों रुपए का सामान जल गया। लिसाड़ी थाना क्षेत्र में ढबाई नगर गली नंबर आठ निवासी आसिफ पुत्र यामीन कपड़ों के थान की धुलाई का काम करता है। आसिफ का करीम नगर गली नंबर दो में कपड़े धोने का कारखाना है। गुरुवार को अचानक कारखाने में अचानक आग लग गई। आग के कारण कारखाने में मौजूद कारीगर अंदर फंस गए तो उन्होंने शोर मचा दिया। आग की लपटों को देखकर आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। लोगों ने किसी तरह कारखाने में फंसे कारीगरों को बाहर निकाला।

शोभित विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को सिखाए गए रिटेल व्यवसाय के गुर

प्रात: किरण

मेरठ, एजेंसी। शोभित विश्वविद्यालय मोदीपुरम के नाइस स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज विभाग द्वारा रिटेल व्यवसाय से संबंधित व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के जरिए छात्रों को व्यापारिक उद्योग के विभिन्न पहलुओं और रिटेल सेक्टर के बारीकियां सिखाई गईं।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता दुबई स्टोर के प्रोपराइटर और दुबई की सबसे बड़ी ज्वेलरी टेस्टिंग के संस्थापक सुधीर भल्ला ने छात्र-छात्राओं को रिटेल व्यवसाय की बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय रिटेल का हाल क्या है और कैसे वहां की दुकानें और ऑनलाइन व्यवसाय अलग-अलग हैं। छात्रों ने ब्लिंकिट, जोमैटो, और अन्य कंपनियों के बारे में भी सीखा, जिन्होंने भारतीय बाजार को तेजी से बदल दिया है। इसके अलावा उन्होंने एफएमएफओ, उद्यमिता, लागत को कम करना, शॉप इन शॉप, सर्विस रिटेलिंग, ब्लैक स्टोर्स और छात्रों को उद्यमिता की दुनिया में नेतृत्व करने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। उनके अनुभव और विशेषज्ञता के साथ, छात्रों को व्यापार उद्योग के जटिलताओं को नेविगेट करने के वर्षों के अनुभव की साझा किया गया, जो एक उद्यमिता स्प्रिट को प्रेरित करता है।

सुधीर भल्ला ने कहा कि जो भी छात्र कोई बहुत अच्छा आइडिया लेकर हमारे सामने आएगा तो हम उनको आर्थिक रूप से सहायता देंगे जिससे वह अपने आइडिया को एक नया आकर दे पाए। नाइस स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज विभाग के निदेशक प्रो. डॉ. राजुल दत्त ने भी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए मुख्य वक्ता के द्वारा छात्रों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। इस अवसर पर डॉ अभिषेक डबास ने रिटेल व्यवसाय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी छात्रों के साथ साझा की। तत्पश्चात विभाग के छात्रों द्वारा मुख्य वक्ता से रिटेल व्यवसाय से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे। इस अवसर पर विभाग के निदेशक प्रोफेसर डॉ. राजुल दत्त द्वारा मुख्य वक्ता को प्रतीक चिन्ह एवं शॉल भेंट किया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. नेहा त्यागी रही। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक डबास, डॉ. अनुज गोयल, डॉ. नेहा यजुवेर्दी, डॉ. अंशु चौधरी, डॉ. प्रीति गर्ग, डॉ. गार्गी चौधरी आदि उपस्थित रहे।

पीएम मोदी एवं अमित शाह ने भाजपा को नई ऊंचाई दी : रवि शंकर प्रसाद

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन को मिट्टी में मिला देंगे : अनिल राजभर

प्रात: किरण

प्रयागराज, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। जिसमें कार्यकर्ताओं की कमर तोड़ परिश्रम रही है। जहां भाजपा का कमल नहीं खिलता था, आज नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में कमल खिल रहा है। हमने असम और नागालैंड में अपनी सरकार बनाई है और त्रिपुरा से वामपंथी सरकार को उखाड़ कर फेंक दिया है। अब पश्चिम बंगाल से ममता बनर्जी को उखाड़ फेंकने की तैयारी है।

यह बातें मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद रवि शंकर प्रसाद ने भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित क्लस्टर बैठक में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा के चुनाव में हमारा जीतना तय है लेकिन जीत का आंकड़ा हमें 400 सीटों के पार करना होगा। उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार सरकार बनाने का इतिहास रचा है और बिहार में भी लालू प्रसाद यादव के जंगल राज का अंत कर दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर देश का मतदाता भाजपा को वोट देने के लिए उत्साहित है। इसलिए चुनाव में लगे सभी जिम्मेदार पदाधिकारी एवं कार्यकताओं से सम्पर्क एवं संवाद स्थापित कर लाभार्थी एवं मतदाताओं से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि महिलाएं प्रधानमंत्री मोदी के कार्यो से प्रभावित होकर भाजपा के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाते हुए सम्मान दिया और नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू कर उन्हें राजनैतिक अधिकार दिए। इसलिए सभी महिला मोर्चा की पदाधिकारी कार्यकर्ता नारी शक्ति वंदन अधिनियम को जनांदोलन में परिवर्तित करें और सोशल मीडिया के कार्यकर्ता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से केंद्र की मोदी सरकार द्वारा किए गए सभी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाते हुए कांग्रेस के फर्जी कार्यो का पोस्ट करने वाले कार्यकताओं को सोशल मीडिया पर धराशायी कर दें।

इसके पूर्व प्रयागराज के क्लस्टर प्रभारी एवं उत्तर प्रदेश के मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत और सनातन धर्म स्वावलम्बन के साथ आगे बढ़ रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में सपा, बसपा, कांग्रेस को बुरी तरह से पराजित किया था और इस बार हम उन्हें मिट्टी में मिला देंगे।

बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल एवं संचालन रणजीत सिंह ने किया। बैठक में सांसद संगम लाल, विधायक राजेंद्र कुमार, कौशाम्बी जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य एवं प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव सहित क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं कौशाम्बी प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता, कौशलेंद्र सिंह पटेल, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, जिलाध्यक्ष गंगापार कविता सिंह पटेल, लोकसभा प्रभारी एवं संयोजक, विधानसभा प्रभारी एवं संयोजक और कोर कमेटी चुनाव प्रबंधन समिति एवं पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकसित भारत चाहते हैं तो मोदीजी को सफल बनाएं : हेमा

प्रात: किरण

मथुरा, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ द्वारा विकसित भारत संकल्प पत्र संगोष्ठी एवं सुझाव कार्यक्रम संस्कृति विश्वविद्यालय के संतोष मेमोरियल ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। मथुरा-वृंदावन लोकसभा क्षेत्र के इस आयोजन में मुख्य अतिथि सांसद डॉ. हेमा मालिनी ने प्रकोष्ठ से जुड़े शिक्षकों, अधिकारियों में उत्साह भरते हुए आह्वान किया कि यदि विकसित भारत चाहते हैं तो नरेंद्र मोदी को सफल बनाने के लिए जुट जाएं। मथुरा-वृंदावन लोकसभा सीट से भाजपा की तीसरी बार टिकट पाने वाली सांसद, सिने तारिका, नृत्यांगना हेमा मालिनी ने कहा कि मैं जब तक जीवित हूं मथुरा-वृंदावन की सेवा करती रहूंगी। मैं राजनीति में इसलिए आई कि जो इस क्षेत्र में आने में हिचकते हैं वे देख लें कि यहां अच्छे लोगों की कितनी जरूरत है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि आप लोग बच्चों को बताइए और प्रेरित करिए कि वे राजनीति में आएं और देश को सही दिशा दें। उन्होंने कहा कि हमारे देश का नेतृत्व सही हाथों में है। हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का जो लक्ष्य है, वह पूरा हो, हम उसी रास्ते पर उनके साथ हैं। शिक्षक ही हैं जो विद्यार्थियों को देश की संस्कृति, देश की गरिमा के बारे में बताकर उन्हें अच्छा नागरिक बनाते हैं। इसलिए मैं चाहती हूं कि ये विद्यार्थी जब राजनीति में आएं तो सारे देश को अच्छा बनाएं। मैंने मथुरा के लिए बहुत कुछ किया है और बेस्ट बनाने के लिए बहुत कुछ और करना चाहती हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरी भावनाओं को समझा और मुझे फिर से मौका देकर आपकी सेवा करने के लिए भेजा है। भाजपा के जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने उपस्थित शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों और कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि ऐसी पार्टी जिसने सभी वायदे पूरे किए और बहुते ही अल्प समय में देश को विकास के उस शिखर पर पहुंचाया जिसके बारे में सिर्फ कल्पना ही की जा सकती थी, उसको केंद्र की सत्ता में फिर से लाने के लिए जुट जाएं।

जेठ ने किया महिला से दुष्कर्म का प्रयास, एसएसपी से शिकायत

मेरठ। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र की महिला ने अपने जेठ पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाया है। गुरुवार को एसएसपी से शिकायत करके अपने पति और जेठ पर अवैध हथियार सप्लाई करने का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की। एसएसपी ने पुलिस को जांच कर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र की एक महिला गुरुवार को एसएसपी कार्यालय पहुंची। उसने एसएसपी रोहित सिंह सजवाण से शिकायत करते हुए कहा कि उसका पति अपने बड़े भाई से अवैध संबंध बनाने का दबाव बना रहा है। जेठ उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास कर चुकी है। इतना ही नहीं, उसका पति और जेठ पूरे प्रदेश में अवैध हथियारों की सप्लाई करते हैं। महिला ने अपने पति के अवैध हथियारों के साथ इंटरनेट मीडिया पर वायरल फोटो एसएसपी को दिखाए। महिला का आरोप है कि उसका पति अब जान से मारने की धमकी दे रहा है। पति अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले अपने दोस्तों को घर बुलाता है, जो पीड़िता पर गलत नजर रखते हैं। विरोध करने पर आरोपित पत्नी की पिटाई करता है। इसी कारण कुछ दिन पहले महिला ने खुद को आग लगा ली थी। पीड़ित पत्नी ने पति पर साइबर ठगी का भी आरोप लगाया। एसएसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना पुलिस को जांच कर तत्काल कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

हर-हर गंगे, गंगा मैया की जय के उद्घोष के बीच गंगज्योत मैराथन रथ पटना रवाना

प्रात: किरण

वाराणसी, एजेंसी। गंगज्योत मैराथन रथ गुरुवार को जिला मुख्यालय से हर-हर गंगे, गंगा मैया की जय के उद्घोष के बीच बिहार की राजधानी पटना के लिए रवाना हो गई। जिला मुख्यालय पर रथ के रवाना होने के पहले नमामि गंगे, क्रीड़ा कला भारती और अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के सदस्यों ने आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। गंगोत्री से पटना तक गंगा स्वच्छता के लिए अलख जगा रही गंगज्योत मैराथन को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद के अध्यक्ष प्रो. नागेन्द्र पांडेय ने रवाना किया। गिनीज बुक रिकॉर्ड धारक कथक नृत्यांगना और स्केटर सोनी चौरसिया, राजेश डोगरा, राजेश शुक्ला, प्रदीप चौरसिया ने गंगज्योत मैराथन में आए मेहमानों का स्वागत किया। मैराथन में शामिल 20 सदस्यीय युवा टीम का नेतृत्व कैप्टन प्रवीण कुमार (सनातनी गंगा फाउंडेशन संस्थापक), बृजेन्द्र प्रसाद सिन्हा (आईडीपीटीएस संस्थापक), हरीश शेमवाल (गंगोत्री न्यास अध्यक्ष एवं सनातनी गंगा फाउंडेशन निदेशक), प्रियांशु पांडेय (समन्वयक) कर रहे हैं। जिला मुख्यालय पर अतिथियों ने गंगा की अविरलता व निर्मलता के लिए जन भागीदारी का संकल्प दिलाया। क्रीडा कला भारती के बच्चों ने स्केट्स पर चलकर मैराथन का साथ निभाया।

हमारा प्रत्याशी कमल का फूल, उसे चारों तरफ खिलाने का कार्य करना है : मनोज जायसवाल

प्रयागराज/एजेंसी। हम सभी कार्यकताओं को जो जिम्मेदारी मिली है उसे सक्रियता के साथ निर्वहन करते हुए, हमारा प्रत्याशी कमल का फूल है उसे चारों तरफ खिलाने का कार्य करना है। इस बार लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार चार सौ पार के संकल्प को पूरा करना है। यह बातें मुख्य अतिथि इलाहाबाद लोकसभा प्रभारी मनोज जायसवाल ने गुरुवार को विधानसभा बारा चुनाव कार्यालय में विधानसभा बारा प्रबंधन समिति और कोर कमेटी की पहली बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा। लोकसभा चुनाव तक कोई बहाना, गिला शिकवा नहीं चलेगा। बैठकों में समय से उपस्थिति डायरी में लिखना और शीर्ष नेतृत्व के निर्देशों का पालन कर पुराने कार्यकताओं को साथ लेकर संकल्प को पूरा करना है। जिलाध्यक्ष यमुनापार विनोद प्रजापति ने सभी कार्यकताओं से कहा कि चुनाव के दौरान समय देखकर कार्य नहीं होता, सभी कार्यकताओं को हर समय तैयार रहना होगा। कार्यक्रम को विधानसभा प्रभारी व वरिष्ठ पार्षद भोला तिवारी ने भी सम्बोधित कर कार्यकताओं में ऊर्जा का संचार किया। संचालन विधानसभा बारा संयोजक रत्नाकर सिंह पटेल ने किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि विधानसभा चुनाव कार्यालय पर संकल्प पत्र सुझाव पेटी भी रखी गई है, जिसमें क्षेत्र की जनता व कार्यकताओं से इलाहाबाद लोकसभा में कैसा हो हमारा संकल्प पत्र पर सुझाव मांगा गया है।

संक्षिप्त खबरें

डीजे की धुन पर अश्लील गाने बजाए, तो अब नहीं छोड़ेगी भोजपुर पुलिस

आरा। भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने पत्रकारों को बताया कि भोजपुर में हुड़दंग अश्लील गाना डीजे बजाने पर कार्रवाई की जाएगी अक्सर कहा जाता है कि होली के अवसर पर गाने जाने वाले अश्लील लोकगीत व डीजे पर पूरी तरह से रोक लगाई जाएगी। लेकिन त्योहार शुरू होते ही यह बातें हवा हवाई साबित हो जाती हैं। कुछ गानों में इतनी अभद्रता होती है कि उन्हें सुनने में भी शर्म आ जाए। त्योहार पर ऐसे गानों को न बजाने को लेकर कानूनी प्रावधान बनाए गए हैं। पुलिस से व्हाट्सएप और कॉल के जरिये संपर्क कर इस तरह के गानों को रोकने के भी नियम हैं। अब इस नियम को भोजपुर पुलिस पालन करते हुए नजर आएगी क्योंकि भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी पत्रकारों को दी और कहा कि अगर होली में अश्लील गाना बजा या हुड़दंग हुआ तो उन हुड़दंगों को छोड़ा नहीं जाएगा, उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को बाइपास कर बिजली जलाना पड़ा महंगा

बिक्रमगंज(रोहतास)। बिक्रमगंज नगर परिषद बिक्रमगंज अंतर्गत कनीय विद्युत अभियंता नवदीप गोयल के नेतृत्व में कम खपत वाले उपभोक्ताओं का जांच हेतु एक जांच दल का गठन किया गया। जांच के क्रम में प्रीपेड मीटर को बाइपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर तेन्दुनी के मो० ईशा अंसारी पिता जिब्रील अंसारी पर 27 हजार 912 रुपये तथा कपिल मुनी साह पिता तरजेश्वर साह पर 9 हजार 136 रुपये राजस्व क्षति को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उपरोक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक पावर अवरुद्ध हो रहा था। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जो भी उपभोक्ता मीटर बाईपास कर विद्युत का उपयोग कर रहे हैं, वह दुरुस्त कर लें। साथ ही साथ जो व्यक्ति विद्युत संबंध नहीं लिए हैं, वह अपना विद्युत संबंध ले लें तथा जिनका बकाया पर विद्युत कनेक्शन काटा जाता है तो बकाया राशि और रिकनेक्शन शुल्क जमा करने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपयोग करें अन्यथा पकड़े जाने पर आर्थिक जुर्माना के साथ विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

अवैध बालू लदे एक ट्रक को पुलिस ने किया जब्त

नसरीगंज(रोहतास)। नासरीगंज पुलिस ने अवैध बालू लदे एक ट्रक को किया जब्त, मामले में ट्रक चालक गिरफ्तार। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के पडूरी से अवैध बालू लदे एक ट्रक को पुलिस ने जब्त कर लिया। साथ ही साथ पुलिस ने ट्रक चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि उक्त मामले में गिरफ्तार ट्रक चालक सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अदमा निवासी चंद्रदेव कुमार बताया जाता है। उन्होंने कहा कि ट्रक चालक के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया। श्री कुमार ने कहा कि अवैध बालू लदे ट्रक के विरुद्ध कागजी प्रक्रिया पूरी कर संबंधित विभाग के वरीय अधिकारियों के पास रिपोर्ट भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि जब्त ट्रक को स्थानीय पुलिस की निगरानी में रखा गया है।

सड़क हादसा में चिलहरी वार्ड सदस्य की मौत

डुमरांव (बक्सर) जिला क्षेत्र के चेनारी थाना स्थित सड़क हादसे में स्थानीय प्रखंड के चिलहरी पंचायत के वार्ड चार की वार्ड सदस्य मीना देवी 50 वर्ष पति रामलखन प्रसाद की मौत हो गई है। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार वह अपने एक रिश्तेदार के बच्चे के मुंडन संस्कार में शामिल होने के लिए दुर्घटनाग्रस्त पिकअप पर सवार होकर जा रही थी। उनके मौत की खबर मिलते ही गांव में कोहराम मच गया है।

तेज रफ्तार ट्रक ने महिला को रौंदा, मौत

सिमरी (बक्सर) रामदास राय के डेरा ओपी थाना क्षेत्र के नियाजीपुर में एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक महिला को रौंद दिया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। दुर्घटना को अंजाम दे ट्रक चालक अपना वाहन छोड़ भागने में सफल रहा। घटना बुधवार सुबह 11 बजे की है। मृतका की पहचान नियाजीपुर लाल सिंह के डेरा गांव निवासी ललन यादव की 54 वर्षीय पत्नी उमा देवी के रूप में हुई। मिली जानकारी के अनुसार वह बुधवार को घर से बाजार जाने के लिए निकली थी। जैसे ही नियाजीपुर विश्वानाथा आश्रम दुर्गा मंदिर से थोड़ा आगे बढ़ी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे रौंद दिया। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वही परिजन दौड़े भागे घटना स्थल पर पहुंचे तथा शव से लिपट विलाप करने लगे। इधर सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा।

एसडीएम ने विद्यालय का किया औचक निरीक्षण विद्यालय के पठन-पाठन की बच्चों से ली जानकारी

विद्यालय निरीक्षक के दौरान बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर पढ़ाने लगे डेहरी एसडीएम सूर्य प्रताप सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

रोहतास। कोई भी व्यक्ति अपने पद और प्रतिष्ठा से तो बड़ा होता है ही लेकिन अपने व्यक्तित्व और स्वभाव से महान बन जाता है। उच्च पद पर कार्यरत होने के बावजूद भी आम-जन से जुड़कर उनकी समस्याओं का निदान करना कोई भी व्यक्ति को महान बना देता है। दरअसल हम बात कर रहे हैं ऐसे एक आईएएस अधिकारी की जिनका स्वभाव बिल्कुल ही सरल है। 2021 बैच के इस आईएएस अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह फिलहाल रोहतास के डेहरी अनुमंडल पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित है।

आज डेहरी अनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह द्वारा औचक निरीक्षण के दौरान डेहरी के एक सरकारी विद्यालय में पहुँचे। जहाँ उन्होंने विद्यालय के क्लासरूम में बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर उनसे सवाल पूछे और उसके बाद शिक्षक की भूमिका में बच्चों को ब्लैक बोर्ड पर लिखकर पढ़ाने लगे। एसडीएम ने बच्चों से कई सवाल पूछे जिसका बच्चों ने भी बखूबी सही जवाब दिया। उसके बाद एसडीएम ने विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को कई जानकारियाँ भी दी और उन्हें अपने जैसे उच्च पद के अधिकारी बनने की प्रेरणा भी दी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने शिक्षकों से भी बच्चों की पढ़ाई से संबंधित कई जानकारियाँ ली और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बच्चों ने भी एक आईएएस अधिकारी को शिक्षक के रूप में अपने विद्यालय में देखकर काफी खुश हुए और एसडीएम के साथ बेहिचक बातें भी की। एक आईएएस अधिकारी अपने ताम- झाम को छोड़कर एक आम शिक्षक की तरह विद्यालय में पहुँचे और बच्चों को पढ़ाने लगे। एसडीएम को पढ़ाता देखकर विद्यालय में कार्यरत शिक्षक भी अचंभित रह गए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने विद्यालय में पठन-पाठन एवं सुविधाओं का जायजा भी लिया। इस संबंध की जानकारी देते हुए एसडीएम सूर्य प्रताप सिंह ने कहा कि आज उनके द्वारा विद्यालयों का निरीक्षण किया गया है। जिसमें बच्चों के पठन-पाठन की गुणवत्ता, मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि इस विद्यालय में सारी बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। इसके साथ ही बच्चे भी उपस्थित हैं और रोस्टर के अनुसार विद्यालय के शिक्षक भी विद्यालय में मौजूद है। वहीं उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान हम लोग देखते हैं कि बच्चों की वास्तविकता में कितनी जानकारी है विद्यालय में बच्चों को जो पढ़ाया जा रहा है इसका उन्हें ज्ञान है या नहीं। इसके साथ ही शिक्षकों द्वारा पढ़ाये गए विषय पर सवाल पूछा जाए तो वे बच्चे बिना किसी भय के उचित जवाब दे सके। इसे पता चलता है कि हमारे बच्चे सही दिशा में पढ़ाई कर रहे हैं। इसीलिए निरीक्षण के दौरान बच्चों से सवाल पूछे जाते हैं।

डीएम और एसपी ने अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिले में भोजपुर प्रशासन की अवैध खनन और परिवहन की लगातार चल रही कार्रवाई के तहत आज तड़के लगभग 04:00 बजे पुलिस अधीक्षक तथा जिलाधिकारी और सहायक पुलिस अधीक्षक-सह-अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर आरा और खनन के संयुक्त कार्रवाई दल में शामिल सभी पदाधिकारी और सशस्त्र बलों एवं एस०एस०बी०के साथ अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई की गई।

इस कार्रवाई में प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक अवैध चालान और ओवरलोडेड लगभग 80 से ज्यादा ट्रक और ट्रैक्टर को जब्त किया गया जिनसे लगभग 04 करोड़ से ज्यादा राजस्व की वसूली की संभावना है। बताया गया की भोजपुर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में लगातार भोजपुर पुलिस अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है और जो भी इससे संबंधित अपराधी तत्व या माफिया तत्व हैं उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए न सिर्फ राजस्व की वसूली की जायेगी बल्कि नए अपराध नियंत्रण कानून-2024 के तहत कार्रवाई भी सुनिश्चित की जायेगी। इस कार्रवाई में जिले के बाहर की भी अवैध खनन से संबंधित गाड़िया जब्त हुई हैं। जिला प्रशासन ने बताया की इसके अतिरिक्त इस कार्रवाई के दौरान संबंधित घाट को भी चिन्हित किया जाएगा, जहाँ से ओवरलोडेड या अवैधचालान से संबंधित या बिना चालान की गाड़ियों निकलती हैं और उनके खिलाफ भी सख्त विधि-सम्मत कार्रवाई की जायेगी।

युवती गोली कांड में तीन अपराधी गिरफ्तार

जिंदा कारतूस, आर्म्स सहित बाइक को पुलिस ने किया जब्त

प्रात: किरण संवाददाता

दिनारा (रोहतास) थाना क्षेत्र में विगत दिन एनएच 319 फ्लाई ओवर के नीचे ग्राम सरना के पास सूचना मिली कि एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति के द्वारा खनिता गांव निवासी गोल्डी कुमारी एक लड़की गोली मारकर जख्मी कर दिया गया था। जिसके विरुद्ध दिनारा थाना कांड सं. 98/24 तहत बुधवार को आर्म्स एक्ट के विरुद्ध अनिश कुमार सिंह, पिता सुशील सिंह, अमरेश कुमार सिंह, पिता हरेराम सिंह जो दोनों आरोपी दिनारा थाना क्षेत्र के कुम्हौरा गांव के रहने वालें है। जिसके विरुद्ध स्थानीय पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज किया था। जिस कांड की सूचना के बाद रोहतास पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने तत्काल एक्शन मूड में कार्रवाई करते हुए दिशा निर्देश जारी कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिक्रमगंज के नेतृत्व में एक टीम का गठन कराया।

जिसमें थानाध्यक्ष विनय कुमार सहित गौतम कुमार, पंकज कुमार, अमरनाथ कुमार, आशुतोष कुमार,कौशल कुमार कौशिक ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छपेमारी अभियान क्रम में विधि विरुद्ध बालक अनिश कुमार सिंह उर्फ अनिश कुमार, पिता सुशील सिंह, ग्राम कुम्हौरा, थाना दिनारा जिला रोहतास को निगरानी में लेकर गहन पूछ-ताछ किया। जिस क्रम में उसने बताया कि वह उस लड़की से प्रेम करता था। जो किसी कारण उसका मोबाइल नंबर और इस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया गया। जिसको लेकर वह तनाव में रहने लगा। जिसके बाद उसने विशुनपुरा गांव के अशोक कुमार यादव, पिता कमेश्वर सिंह एवं उनके दोस्त दीपक कुमार, पिता बासुदेव सिंह के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर अभियुक्त अनिश कुमार, अशोक कुमार, दीपक कुमार को गिरफ्तार करते हुए घटना में संलिप्त एक दो नाली देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक लोडेड खोखा सहित पल्सर बाइक को बरामद कर जेल भेज दिया गया है। वही गिरफ्तार तीनों अपराधियों का अपराधिक इतिहास पता करने में पुलिस जुट गई है।

सड़क हादसे में जख्मी महिला को इलाज के लिए पहुंचाया अस्पताल

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। आरा नगर निगम की महापौर इंदु देवी के पुत्र प्रतीक राज नेकी मिशाल पेश की। उन्होंने सड़क हादसे में बुरी तरह जख्मी महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। उनके इस कार्य की सभी लोगों ने सराहना की है। जानकारी के अनुसार शहर के नवादा थाना क्षेत्र के पश्चिमी ओवरब्रिज के समीप बुधवार को अज्ञात वाहन के ठोकर से बाइक सवार महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उन्हें सर में काफी चोटे आई थी। उसी वक्त महापौर इंदू देवी के पुत्र प्रतीक राज अपने प्रतिष्ठान से नगर निगम की ओर जा रहे थे, उन्होंने अपनी कार में स्टाफ के सहयोग से जख्मी महिला को बैठाया और उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए। सदर अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड में ड्यूटीरत डॉ. सूर्यकांत निराला के द्वारा जख्मी महिला का इलाज किया गया। महिला की प्रारंभिक जांच के बाद बेहतर उन्हें पटना रेफर कर दिया गया। हालांकि परिजनों के द्वारा उन्हें निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है। महापौर पुत्र प्रतिक राज ने बताया कि महिला किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक से गिरकर जख्मी हो गई थी। ठीक उसी वक्त मैं अपनी कार से शोरूम से निगम की ओर जा रहा था। महिला को सर में काफी चोटें आई थी, लेकिन कोई भी वाहन चालक और व्यक्ति अपनी गाड़ी नहीं रोक रहा था।

पुण्यतिथि पर याद किए गए सम्भावना के संस्थापक स्वर्गीय शारदा प्रसाद सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। स्थानीय शान्ति-स्मृति सम्भावना आवासीय उच्च विद्यालय, शुभ नारायण नगर, मझौवाँ, आरा में आज पूर्व सहकारिता पदाधिकारी सह सम्भावना आवासीय उच्च विद्यालय के संस्थापक स्व० शारदा प्रसाद सिंह की 17वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक डॉ० कुमार द्विजेन्द्र, प्राचार्या डॉ० अर्चना सिंह समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उनके तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि व्यक्त की। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक डॉ० कुमार द्विजेन्द्र ने कहा कि बाबूजी की प्रेरणा से आज सम्भावना विद्यालय भोजपुर जिले ही नहीं बल्कि सूबे में अपना नाम रौशन कर रहा हैं। यहां से शिक्षा प्राप्त कर होनहार छात्र-छात्रा उच्च पदों पर आसीन होकर देश में विद्यालय का नाम बढ़ा रहे हैं। प्राचार्या डॉ० अर्चना सिंह ने कहा कि बाबू जी का शिक्षा के प्रति विशेष लगाव था। उनका कहना था कि शिक्षा के माध्यम से ही हमारा समाज व देश तरक्की कर सकता है। उनके अधूरे कार्यो को पूरा करना ही हमारी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आज लोगों को उनके पद चिन्हों पर चलने एवं विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है।

मां आरण्य देवी मंदिर के ग्राउंड फ्लोर के दूसरे हिस्से की हुई ढलाई

आरा। शहर की अधिष्ठात्री मां आरण्य देवी के भव्य मंदिर का नवनिर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है। इसी कड़ी में गुरुवार को माता के मंदिर के ग्राउंड फ्लोर के दूसरे भाग के ढलाई का कार्य हुआ। इसके पूर्व पूजा-पाठ कराकर ढलाई का कार्य शुरू किया गया। मां आरण्य देवी मंदिर ट्रस्ट के मीडिया प्रबंधक कृष्ण कुमार ने बताया कि ढलाई का कार्य सुबह 10 बजे से शाम साढे.7 बजे तक चला। ढलाई के दौरान विभिन्न विभागों के ठेकेदार के नेतृत्व में एक्सपर्ट व मजदूरों की टीम अपने कार्यो को अंतिम रूप देने में लगी रही। ढलाई का कार्य इंजीनियर जीतू सिंह, ठेकेदार धर्मेंद्र कुमार सिंह एवं पाठक जी की देखरेख में कराया गया, उन्होंने बताया कि आज मां आरण्य देवी मंदिर के गर्भगृह के दाएं तरफ के हिस्से की ढलाई का कार्य पूरा हुआ। तीसरे चरण में भैरव बाबा मंदिर के ढलाई का कार्य होगा। ढलाई के दौरान भक्तों को किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। महिला-पुरुष भक्त मां आरण्य देवी मंदिर में दर्शन करते रहें। इस मौके पर मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक भीम सिंह भवेश, सचिव अरविंद कुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष सरवन कुमार जलान, लालदास राय, मलिक यादव, संजय सरावगी उर्फ लल्लू भाई, महंथ रंगनाथ मिश्रा, संजय मिश्रा, विद्यानंद मिश्रा उर्फ बब्लू बाबा, महंथ मनोज कुमार पांडेय, राजीव रंजन, रितेश चौरसिया, रूपेश कुमार, नरेश कुमार, जयशंकर तिवारी, विनोद कुमार, रवि कुमार, ठेकेदार धर्मेंद्र कुमार सिंह, शैलेन्द्र पाठक, जेपी यादव, नारायण सर्राफ, मुकेश पोद्दार, अमित कुमार उर्फ भोलू, रिशु कुमार उर्फ सोनू एवं ट्रस्ट के सभी स्टाफ सक्रिय दिखे।

सिर्फ धन संपति अर्जित कर लेना बड़प्पन नही होता : जीयर स्वामी

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास)। बिक्रमगंज प्रखंड के जोन्ही निज ग्राम में आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर दूसरे दिन गुरुवार को अपने श्रीमुख से श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि मानव के लिए शर्म का त्याग वैभव का विनाशक होता है। स्वामी जी महाराज ने कहा कि वर्तमान परिवेश में नर और नारी के द्वारा उपयोग में लाए जा रहे परिधानों पर चर्चा करते हुए कहा कि यह शर्म विहीन व्यक्तियों का परिचायक है। वस्त्र को हमारी संस्कृति, मयार्दा एवं संस्कार बताते हुए कहा कि वर्तमान में मनुष्य परिधान धारण कर स्वयं के एडवांस होने का परिचय देता है। मनोवृति को शूर्पणखा और पूतना जैसे राक्षसीन का प्रतीक बताते हुए स्वामी जी ने कहा कि इससे मानवतावादी विचारों पर कुठाराघात हो रहा है। मानव के मन मस्तिष्क में घर कर बैठे नास्तिक स्वरूप अंधियारी को दूर भगाने के लिए कथा को अनिवार्य बताया। सनातन धर्म को सृष्टि उत्पत्ति के समय से अस्तित्व में होने की बात बताते हुए सनातन धर्म को विश्व का प्रथम धर्म होना बताया। उन्होंने कहा कि सनातन के अर्थ पर चर्चा करते हुए कहा कि अधर्मी भी नहीं चाहता कि मेरे पुत्र व पुत्री अधर्म के रास्ते पर चले, यही सनातन धर्म का परिचय है। स्वामी जी ने कहा कि दो से गुणा करने पर द्वापर, तीन से गुणा करने पर त्रेता एवं 4 से गुणा करने पर प्राप्त वर्षो की संख्या को सतयुग का काल होने का गुणा करने पर एक मनु का शासनकाल होना तथा 14 मनु शासकों के शासनकाल को ब्रह्मा जी के एक दिन होना बताते हुए कहा कि अभी ब्रह्मा जी की आयु उस गुना से मात्र 50 वर्ष होना बताया गया है। व्यक्ति के बड़प्पन पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ धन संपति अर्जित कर लेना बड़प्पन नहीं होता बल्कि भक्ति, साधना, आराधना, ज्ञान, वैराग्य, प्रेम और सदाचारी प्रवृत्ति वाले व्यक्ति को धरा धाम पर सबसे बड़ा होने की बातें उनके द्वारा बताई गई। मौके पर कथा को सुनने के लिए प्रवचन स्थल पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु लोग मौजूद थे।

डिप्टी डायरेक्टर ने सीएचसी रिजनल का किया निरीक्षण

चौगाई (बक्सर) चौगाई सीएचसी का बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी डायरेक्टर अखिलेश कुमार के नेतृत्व में पटना से आई चार सदस्ययी टीम ने निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने इस अस्पताल की साफ सफाई, मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं, चिकित्सकों तथा स्वास्थ्यकर्मियों की मौजूदगी, उपलब्ध दवाईयों तथा अन्य संसाधनों की स्थिति, ओपीडी आदि की सूक्ष्मता से पड़ताल की तथा संतोष जताया। निरीक्षण के दौरान सीएचसी प्रभारी डॉ. मितेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रांतीय टीम के सामने इस 30 बेड वाले अस्पताल में डॉक्टरों तथा अन्य कर्मियों की कमी बताई। जिस पर उप निदेशक ने इसे पूरा करने का आश्वासन दिया। डॉ मितेन्द्र ने उनसे बताया कि इस अस्पताल में चौगाई के अलावे केसठ, डुमरांव व नावानगर के सीमावर्तीवर्ती इलाकों के करीब एक लाख से अधिक की आबादी जुड़ी है।

कैपेसिटी बिल्डिंग मीटिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन रेफरल अस्पताल, जगदीशपुर में किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। मासिक कैपेसिटी बिल्डिंग मीटिंग और ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन रेफरल अस्पताल, जगदीशपुर के प्रांगण में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य प्रवक्ता के रूप में डॉ. प्रवीण कुमार सिन्हा, एन. सी. डी. ओ. भोजपुर ने इस क्षेत्र की सी. एच. ओ., एक. एन. एम. और आशाओं को एन. सी. डी. से संबंधित सारी जानकारियां देते हुए सरकार के कार्यक्रम को सफल बनाने पर जोर दिया।

ज्ञातव्य हो कि एन. सी. डी. के तहत एक मुख्य कार्यक्रम पी. बी. एस. यानी पोपुलेशन बेस्ड मास स्कृनिंग जिसे आशाओं एवं ए. एन. एम. के सामंजस्य से संपादित होना है, इन दोनों श्रेणी के कार्यकताओं की लापरवाही व काम के प्रति उदासीनता के वजह से भोजपुर बिहार के कुल ३८ जिलों में सबसे निचले पायदान यानी ३८ वें स्थान पर विगत चार वर्षो से विद्दमान है। डॉ प्रवीण के अथक प्रयासों के वावजूद इस कार्य में कोई सुधार नहीं हो पा रही है। इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाने के उपरांत, एक फार्म भरने पर, १० रुपए प्रति फार्म आशा को और ५ रुपए प्रति इन्ट्री, एन. सी. डी. पोर्टल पर अपलोड करने, पर मिलना तय है। आशाओं के द्वारा राजनीतिक हस्तक्षेप करा कर विशिष्ट बने रहना और सरकारी फायदे को नजरंदाज कर देना एवं बहानेबाजी कर काम से बचते रहना एक आदत सी बन गई है। कार्य में लापरवाही होते हुए भी इन लोगों के खिलाफ कोई कदम उठाने में प्रशासनिक और स्वास्थ्य सेवा दोनों विफल हो चुकी है। गौरतलब इस कार्य को भलि भांति संपन्नता के लिए आम जनमानस में इसकी गंभीरता से परिचित कराना नितांत आवश्यक है। हमारे राष्ट्र के विकास के लिए समाज व सरकार के सबसे निचले पायदान पर स्थित लोगों में जागरूकता और निरंतर कार्यशील और प्रयत्नशील रहना अतिआवश्यक है।

इलेक्ट्रॉन बांड घोटाले से घिरी मोदी सरकार ध्यान भटकाने के लिए CCA लागू किया : दिलराज प्रीतम

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भेदभाव व विभाजनकारी अन्यायपूर्ण उउअ कानून लागू करने के खिलाफ भाकपा-माले के राष्ट्रव्यापी विरोध दिवस के आज आरा माले जिला कार्यालय श्रीटोला विरोध मार्च निकालकर बस स्टैंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया !पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान माले कार्यकताओं ने देश में उउअ,ठफ्ळ कानून नहीं चलेगा,उउअ कानून वापस लो,देश में मोदी की तानाशाही नहीं चलेगी आदि नारे लगा रहे थे।

पुतला दहन कार्यक्रम के बाद बस स्टैंड में सभा आयोजित किया !सभा को संबोधित करते हुए भाकपा-माले नगर सचिव दिलराज प्रीतम ने कहा कि दिसम्बर 2019 में पास किये गये भेदभावकारी और विभाजनकारी अन्यायपूर्ण नागरिकता संशोधन कानून को लागू करने वाली नियमावली की अधिसूचना 2024 चुनावों की अधिसूचना आने से ठीक पहले जारी करना एक राजनीतिक साजिश का संकेत है !जैसा कि अमित शाह ने खुद सीएए की'क्रोनोलॉजी'समझाते हुए कहा था कि इस कानून को लागू करने के बाद एनआरसी-एनपीआर को देशव्यापी स्तर पर लाया जायेगा जिसके माध्यम से दस्तावेज न दिखा पाने वाले नागरिकों को नागरिकता के अधिकार से वंचित कर दिया जायेगा. सीएए नागरिकों को धर्म के आधार पर बांटने के मकसद से लाया गया है,जो भ्रामक रूप से गैरमुस्लिम'शरणार्थियों'को नागरिकता देने और मुसलमानों की नागरिकता छीनने,यहां तक कि देश निकाल देने,तक की बात करता है !लेकिन असम में की गयी एनआरसी की कवायद और देश में जगह-जगह चलाये जा रहे बुलडोजर ध्वस्तीकरण अभियानों से स्पष्ट हो चुका है कि आदिवासियों और वनवासियों समेत सभी समुदायों के गरीब इससे प्रभावित होंगे ! आगे माले नगर सचिव दिलराज प्रीतम ने कहा कि देश का लोकतांत्रिक अभिमत और समान नागरिकता एवं संवैधानिक अधिकार आन्दोलन ने सीएए-एनआरसी के पूरे पैकेज को संविधान पर हमला बता कर खारिज कर दिया है।

चुनाव से पहले सीएए नियमावली की अधिसूचना ने लोकतंत्र के संवैधानिक आधार को बचाने के जनआन्दोलन की अनिवार्यता को पुनः रेखांकित किया है !मोदी सरकार को आगामी आम चुनावों में सत्ताच्युत करना जरूरी हो गया है। हम अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत समाज के सभी तबकों से एमएसपी के कानूनी अधिकार के लिए लड़ रहे किसानों, श्रम अधिकारों के लिए लड़ने वाला मजदूर वर्ग,पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए संघर्षरत सरकारी कर्मचारियों, सुरक्षित रोजगार की मांग कर रहे युवाओं,आजादी,सुरक्षा और समान अधिकारों के लिए संघर्षरत महिलाओं,जातीय जनगणना व विस्तारित आरक्षण की मांग कर रहे वंचित लोगों,क्षेत्रीय पहचान और संघीय लोकतंत्र की संवैधानिक गारंटी की जद्दोजहद में जुटीं राष्ट्रीयताओं से अपील करते हैं कि वे भेदभावपूर्ण और विभाजनकारी सीएए के विरुद्ध समान नागरिकता आन्दोलन का साथ दें।

हमें एकजुट रहना होगा ताकि जनता को बांटने व आगामी चुनावों में फासिस्ट ताकतों को शिकस्त देने के मिशन से जनता का ध्यान हटाने की मोदी सरकार और भाजपा की साजिश नाकामयाब हो।

सीएचसी स्वास्थ्य कर्मियों ओपीडी में जड़ा ताला

नावानगर(बक्सर) विगत छह माह से वेतन का भुगतान नहीं होने से आक्रोशित स्थानीय सीएचसी के स्वास्थ्यकर्मियों ने गुरुवार को ओपीडी में ताला जड़ दिया जिससे इलाज कराने आये ग्रामीणों को बगैर इलाज कराये जाना पड़ा ओपीडी में ताला सुबह दस बजे से लेकर 12 बजे तक बन्द रहा उक्त ताला बंदी बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले हुआ तालाबंदी की सूचना पर पहुचे नावानगर बीडीओ मनोज कुमार द्वारा सभी कर्मियों को समझा बुझा कर ताला खोलवाया गया जब बारह बजे ताला खुला तो अधिकतर लोग बगैर इलाज के जा चुके थे। ताला बंदी के बाद एएनएम द्वारा सीएससी प्रभारी के खिलाफ दूसरे दिन भी नारेबाजी करते हुए कार्य का बहिष्कार किया इस दौरान काफी संख्या में एएनएम सीएचसी के मुख्य द्वार को जम कर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के विरोध में नारे लगाए। जिसको लेकर कुछ देर के लिए अस्पताल में अराजक स्थिति उत्पन्न हो गई स्वास्थ्य कर्मियों के कार्य वहिष्कार से अस्पताल में टीकाकरण योजना पूरी तरह प्रभावित हो गई। जिसके चलते टिका लगाने के लिए पहुंची महिलाओं और ननिहालो को वैरन लौटना पड़ा प्रभारी के विरोध में उतरे स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि विगत छह माह से उन्हे वेतन नहीं मिला है।

प्रेम में पागल जीजा के सब्र का बांध टूटा

प्रात: किरण संवाददाता

- तमंचे के बल पर बनाया शादी का दबाव
- सरहज के घर पहुंच कर लहराया हथियार
- ग्रामीणों ने जीजा की पिटाई कर किया पुलिस के हवाले

काराकाट(रोहतास)। काराकाट थाना क्षेत्र के कुरुर गांव से एक अजीबो-गरीब मामला प्रकाश में आया है। कुरुर गांव की सरहज से जीजा का प्रेम प्रसंग वर्ष 2021 से चल रहा था। प्रेम प्रसंग में जीजा सरहज से शादी करने के लिए दबाव बनाता था लेकिन सरहज शादी से इंकार करती रही। जब जीजा के सब्र का बांध टूट गया तो जीजा सरहज के गांव कुरुर पहुंच गया। कट्टा व गोली के साथ सरहज के घर में घुसकर सरहज व उसकी मां के साथ मारपीट करने लगा और कट्टा दिखाकर शादी करने का दबाव बनाने लगा। घर में हो हंगामा सुन पास-पड़ोस के लोग व ग्रामीण जुट गये। जैसे ही घटना की जानकारी लोगों को हुई तो जीजा को कट्टा व गोली के साथ ग्रामीणों ने पकड़ लिया। पुलिस को सूचना देकर जीजा को पुलिस के हवाले कर दिया। प्रभारी थानाध्यक्ष रवि भूषण कुमार ने बताया कि गिरफ्तार युवक कछवां थाना क्षेत्र के झाकर-विगहा गांव निवासी मंगरू राम का 35 वर्षीय पुत्र विजय राम उर्फ विजय रजवार है। गिरफ्तार युवक के पास से एक कट्टा व पांच जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। श्री कुमार ने कहा कि उक्त मामले में गिरफ्तार युवक पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

घोड़ा कल्लू राजा ने जीत का लहराया परचम

ब्रह्मपुर (बक्सर) फाल्गुनी शिवरात्रि के अवसर पर ब्रहापुर में लगने वाले पशु मेला में घोड़ा रेस की प्रतियोगिता आयोजित हुई। क्वाटर फाइनल प्रतियोगिता में 18 घोड़ों ने हिस्सा लिया। प्रथम राउंड में 12 घोड़ों का चयन हुआ। दूसरे राउंड में सेमीफाइनल का आयोजन हुआ जिसमें 6 घोड़ो ने अपनी जगह बनायी। चुने गए छह घोड़ों में रोमा खान प्रवीण राय वैशाली मुखिया के घोड़े को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर घोड़ा दौड़ के आयोजक नगर पंचायत प्रतिनिधि राकेश महतो एवं सभी वार्ड पार्षद मौजूद रहे। इस बार का घोड़ा दौड़ प्रतियोगिता ऐतिहासिक रहा। शांतिपूर्ण माहौल में निर्णायक मंडली द्वारा लिया गया निर्णय सर्वमान्य रहा। प्रथम कृष्णा पांडे का घोड़ा कल्लू राजा है जिसकी घुड़सवारी मेघु ने किया जो की शाहपुर के रहने वाले हैं। द्वितीय फरहाज खान का घोड़ा एकता एक्सप्रेस जिसकी घुड़सवारी गोलू ने किया जो की मोतिहारी के रहने वाले है। तीसरा पुरस्कार फरहाज खान का घोड़ा बाबू धाम एक्सप्रेस है जिसकी घुड़सवारी जय हिंद ने किया है जो की मोतिहारी के रहने वाले हैं। विशेष पुरस्कार सरफराज खान का घोड़ा अपाचे है जो की फैजाबाद के रहने वाले हैं जिसकी घोड़े सवारी मकसूद ने की है।

मेरे बाबा स्टार नहीं थे और मैं स्टारकिड नहीं हूं

बाबिल खान दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे हैं। पिछले दिनों वे वेब सीरीज द रेलवे मेन में नजर आए थे। दर्शकों को उनका काम इस सीरीज में काफी पसंद आया था। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान अभिनेता अपने बचपन के दिनों को याद करते दिखे। साथ ही साथ उन्होंने फिल्म बिल्लू बार्बर और शाहरुख खान से जुड़े कई दिलचस्प किस्सों को भी साझा किया।

बाबिल खान धीरे-धीरे ही सही बॉलीवुड में अपनी जगह बना रहे हैं। दर्शक उनके काम को सराह भी रहे हैं। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान वे बचपन के दिनों को याद करते हुए बोले, जिन दिनों बाबा बिल्लू बार्बर में काम कर रहे थे, उन दिनों मैं काफी छोटा था। मैं कभी-कभी सेट पर उनके साथ चला जाता था। एक दिन मैं सेट पर था कि अचानक ही मुझे शाहरुख खान दिखे। मैं उन्हें देखते ही उनकी तरफ भागा और उनके पैरों से लिपट गया था।

शाहरुख हैं प्यारे इंसान

बाबिल अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था। मैं सिर्फ इतना महसूस कर रहा था कि ये शाहरुख खान हैं, जिन्हें मैं काफी पसंद करता हूं। मैं उनके पैरों से लिपटा हुआ था और वे धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे। उन्होंने बड़े प्यार से मेरे माथे पर अपना हाथ फिराया था। मुझे आज भी याद है जब वे सेट पर आए थे, तब उनके पीछे-पीछे कितनी बड़ी भीड़ भी वहां पहुंच गई थी।

स्टार किड नहीं हूं मैं

जब बाबिल से पूछा गया कि वे बॉलीवुड की पार्टियों में क्यों नहीं दिखाई देते हैं। इस सवाल के जवाब में वे कहते हैं, देखिए मेरे बाबा न तो स्टार थे और न ही मैं स्टार किड हूं, जो मुझे पार्टियों में बुलाया जाएगा। बाबा कभी भी ऐसी कॉमर्शियल पार्टी या फिल्मों का हिस्सा नहीं रहे। आप उन्हें किसी बॉक्स में नहीं फिक्स कर सकते और दूसरी बात मुझे अकेले रहना भी पसंद है इसलिए मैं इन पार्टियों में नहीं जाता हूं।

भूल भुलैया 3 के लिए 1 करोड़ से कम ली है तृप्ति ने फीस कार्तिक को 35 करोड़

तृप्ति डिमरी को फिल्म एनिमल से काफी सक्सेस मिली है। इस फिल्म के बाद तो उन्हें नेशनल क्रश तक का टैग भी मिला है। अब तो तृप्ति फिल्म भूल भुलैया 3 में भी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। ऐसा कहा जा रहा था कि भूल भुलैया 3 के लिए तृप्ति अच्छी खासी फीस ले रही हैं। उन्होंने अपनी फीस बढ़ा दी हैं। अब जानें क्या सच में तृप्ति ने अपनी फीस डबल कर दी हैं। बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के मुताबिक एलिमल के बाद तृप्ति के ना सिर्फ इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स तेजी से बढ़े हैं। इतनी तारीफ और सोशल मीडिया सेंसेशन बनने के बाद तृप्ति ने अपनी फीस डबल कर दी हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि वह फिल्म में पूरा किरदार निभा रही हैं ना कि एनिमल की तरह छोटा रोल। रिपोर्ट्स के मुताबिक भूल भुलैया 3 के मेकर्स भी तृप्ति को उनके हिसाब से पैसा देने के लिए तैयार हैं। वहीं कहा जा रहा है कि तृप्ति अभी एक समय में एक ही फिल्म करना चाहती हैं। वह फिलहाल काम को लेकर ज्यादा जल्दबाजी नहीं करना चाहती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबित तृप्ति ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में अपने किरदार के लिए 40 लाख रुपये लिए थे। वहीं अब वह 80 लाख रुपये लेंगी। वहीं कार्तिक आर्यन की बात करें तो वह 35-50 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं।

बता दें कि इससे पहले भूल भुलैया 2 की सक्सेस पर फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने उन्हें 4.7 करोड़ की लग्जरी गाड़ी गिफ्ट की थी। फिल्म भूल भुलैया 3 की बात करें तो इसमें तृप्ति, कार्तिक के अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित लीड रोल में होंगी। ऐसा कहा जा रहा है कि विद्या और माधुरी फिल्म में भूत का किरदार निभाएंगी।

बॉलीवुड में डेब्यू को तैयार उर्फी जावेद

उर्फी जावेद अक्सर अपनी अजीबोगरीब ड्रेस की वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनके लाखों प्रशंसक हैं। फैंस को उनकी पोस्ट का हमेशा इंतजार रहता है। इस बीच बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन में नजर आ चुकी उर्फी को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे जल्द ही हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। बताया जा रहा है कि उर्फी लव सेक्स और धोखा के सीक्वल से बॉलीवुड में एंट्री करने जा रही हैं। इस फिल्म की कहानी को मौजूदा पीढ़ी के हिसाब से बुना गया है। इसमें इंटरनेट और सोशल मीडिया की प्रासंगिकता को दिखाने की कोशिश की गई है। चूंकि फिल्म सोशल मीडिया और प्यार के बारे में बात करती हैं, ऐसे में इस फिल्म के लिए उर्फी को बिल्कुल फिट माना जा रहा है। इस खबर के सामने आने के बाद फैंस उर्फी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित हैं। लव सेक्स और धोखा के सीक्वल का निर्माण एकता कपूर और शोभा कपूर की प्रोडक्शन कंपनी ने किया है। फिल्म का निर्देशन दिबाकर बनर्जी ने किया है। यह फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। उर्फी जावेद की बात करें तो वे अब तक कई टीवी शोज का हिस्सा रह चुकी हैं। बेपनाह, डायन, ये रिश्ता क्या कहलाता है, बड़े भैया, ऐ मेरे हमसफर, चंद्र नंदिनी और मेरी दुर्गा जैसे धारावाहिकों में वे नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वे कई म्यूजिक वीडियो का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

सलमान खान नहीं होंगे शाहरुख की पठान 2 का हिस्सा!

साल 2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान में 30 साल बाद शाहरुख खान और सलमान खान एक साथ पर्दे पर नजर आए। दोनों सितारों को साथ में एक्शन करते देख दर्शकों ने भी इसका खूब आनंद लिया। इसके बाद सलमान की फिल्म टाइगर 3 शाहरुख ने कैमियो किया, जिस पर सिनेमाघरों में खूब तालियां बजी। इंडस्ट्री के दोनों खान की जोड़ी को लेकर दर्शकों का उत्साह तब और बढ़ गया, जब पठान 2 में सलमान खान के होने की खबर सामने आई, लेकिन बीते दिन ही इस फिल्म से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आई, जिसने फैंस को निराश कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान पठान 2 का हिस्सा नहीं होगें। रिपोर्ट्स की मानें तो यशराज फिल्म्स ने स्पाई यूनिवर्स में अब तक 5 फिल्में बनाई हैं, जिनमें से चार फिल्मों में दर्शकों को टाइगर यानी सलमान खान की मौजूदगी देखने को मिली। अब मेकर्स को यह लग रहा है कि बार-बार टाइगर की मौजूदगी से उस का किरदार कमजोर पड़ जाएगा। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है, यशराज की स्पाई यूनिवर्स में अब टाइगर की वापसी सबसे महत्वपूर्ण मोड़ पर होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स टाइगर के किरदार को लेकर कुछ बहुत बड़ा करने की योजना बना रहे हैं। आदित्य चोपड़ा का मानना है कि स्पाई यूनिवर्स एक बड़ा ड्रामा है, इसलिए भविष्य को ध्यान में रखते हुए इसके मुख्य किरदारों के लिए बहुत ही सोच-समझकर कहानी को आगे बढ़ाएंगे। कहा जा रहा है कि भविष्य में टाइगर की वापसी बिल्कुल अलग और अनोखे तरीके से करने पर विचार चल रहा है।

असल जिंदगी में फैशन और मेकअप से कोसों दूर हैं एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना

फैशन पर अपनी राय रखते हुए एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने कहा कि वह असल जिंदगी में फैशन से कोसों दूर हैं। उन्होंने कहा कि वह न तो मेकअप और न ही फैंसी आउटफिट पसंद करती हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह जैसी दिखती हैं, उससे बिल्कुल उलट हैं। लैक्मे फैशन वीक एक्स एफडीसीआई के नवीनतम एडिशन में डिजाइनरों के लिए शोस्टॉपर बनीं करिश्मा ने बताया कि वह ऑफ-स्क्रीन अपना जीवन कैसे जीती हैं। उन्होंने कहा कि आप चौंक जाएंगे.. मैं पर्दे पर और इस इंडस्ट्री में जैसी दिखती हूं, असल में उससे उलट हूं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह दो जिंदगियां जी रही हैं। उन्होंने कहा कि मेरी दो जिंदगियां हैं, जिन्हें मैं जीती हूं। मेरी रील और रियल लाइफ बिल्कुल अलग है। जब मैं अपनी जिंदगी में होती हूं तो बिल्कुल अलग होती हूं। मैं पूरी तरह डी-ग्लैम हूं, मुझे मेकअप करना पसंद नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि जब आप कैमरे के सामने होते हैं या फैशन व्यवसाय में होते हैं तो आपको पूरी तरह अलग दिखना होता है। करिश्मा को आखिरी बार हंसल मेहता की स्कूप सीरीज में देखा गया था, जिसमें मोहम्मद जीशान अय्यूब और हरमन बावेजा भी थे। यह सीरीज जिग्ना वोरा के जीवनी संबंधी संस्मरण बिहाइंड बार्स इन बायकुला- माई डेज़ इन प्रिज़न पर आधारित है।

प्रभास की कल्कि 2898 एडी का हिस्सा होंगे तेजा सज्जा

साउथ अभिनेता तेजा सज्जा की फिल्म हनुमान ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। यह फिल्म इस साल की पहली ब्लॉकबस्टर फिल्म बनी और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए कई रिकॉर्ड भी तोड़ दिए। तेजा सज्जा के प्रशंसक अब प्रशांत वर्मा द्वारा निर्देशित जय हनुमान नाम की उनकी आगामी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच हाल ही में अफवाहें उड़ीं कि तेजा सज्जा नाग अश्विन द्वारा निर्देशित प्रभास की कल्कि 2898 एडी का हिस्सा होंगे। वहीं, तेजा ने आगामी साइंस-फिक्शन में अपनी भागीदारी होने की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार के दौरान तेजा ने अपनी आगामी परियोजना और कल्कि 2898 एडी में अपनी भागीदारी की अफवाहों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, पाइपलाइन में कुछ बहुत ही रोमांचक परियोजनाएं हैं और मजेदार सहयोग पर विचार किया जा रहा है। मैं स्वयं अपने भविष्य के लाइनअप के बारे में और अधिक खुलासा करने के लिए सही समय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। हालांकि, अभिनेता ने इस परियोजना में अपनी भागीदारी के बारे में स्पष्ट रूप से बात नहीं की। ऐसी अफवाह है कि तेजा फिल्म में एक कैमियो भूमिका निभाने वाले हैं। इस बीच कल्कि 2898 एडी में तेजा की भूमिका और उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इससे पहले एक तस्वीर ऑनलाइन सामने आई थी, जिसमें तेजा सज्जा को कल्कि निर्माता सी.अस्वनी दत्त के साथ दुबई हवाई अड्डे पर देखा गया था, जिससे तेजा के कल्कि 2898 एडी में अभिनय करने की अटकलें तेज हो गईं। तेजा सज्जा वर्तमान में प्रशांत वर्मा द्वारा निर्देशित अपनी फिल्म हनुमान की सफलता का आनंद ले रहे हैं। संक्रांति के अवसर पर 12 जनवरी को रिलीज हुई सुपरहीरो फिल्म को भारी सफलता मिली। यह फिल्म अंजनाद्रि की काल्पनिक दुनिया पर आधारित है और हनुमंथु नाम के एक युवा चोर की यात्रा को दिखाती है, जो एक प्राचीन पत्थर की खोज करता है, जो उसे भगवान हनुमान की शक्तियां प्रदान करता है। तेजा सज्जा के अलावा फिल्म में वरलक्ष्मी सरथकुमार, अमृता अय्यर, विनय राय, वेनेला किशोर और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में धमाल मचाने को तैयार पा रंजीत

मशहूर तमिल फिल्मकार पा रंजीत साउथ के बाद जल्द ही बॉलीवुड में धमाल मचाने जा रहे हैं। वे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपने निर्देशन की शुरुआत करने जा रहे हैं। इस बात की पुष्टि उन्होंने खुद एक साक्षात्कार के दौरान की है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर अहम जानकारी साझा की।

हिंदी फिल्म बनाएंगे रंजीत

उन्होंने बताया कि वे एक हिंदी फिल्म पर काम कर रहे हैं, लेकिन इसके मुख्य अभिनेता को लेकर कोई भी नाम अब तक तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सही समय आने पर इसका एलान किया जाएगा। रंजीत तमिल सिनेमा का जाना पहचान नाम हैं। उन्हें मद्रास, काला, कबाली, सरपट्टा परंबराई जैसी सामाजिक और राजनीतिक रूप से प्रासंगिक फिल्में बनाने के लिए जाना जाता है।

जल्द रिलीज होगी थंगालान

निर्देशक होने के साथ वे निर्माता भी हैं। उन्होंने इस साल दो सफल फिल्में ब्लू स्टार और जे बेबी का निर्माण किया है। विक्रम स्टारर थंगालान का निर्देशन भी उन्होंने ही किया है। यह फिल्म 12 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। वे ध्रुव विक्रम और अनुपमा परमेश्वरन की आगामी फिल्म का निर्माण एप्लॉज एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म होगी। इसकी जल्द ही शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है।

हिंदी फिल्म को लेकर किए जा रहे ये दावे

पा रंजीत की आगामी हिंदी फिल्म की बात करें तो हाल ही में कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि वे रणवीर सिंह के साथ हिंदी में डेब्यू करेंगे और कहानी एक बहादुर आदिवासी नेता बिरसा मुंडा के बारे में हो सकती है, जिन्होंने 1800 के दशक में ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। रिपोर्ट्स में बताया गया था कि रंजीत इस कहानी पर दो साल से काम कर रहे हैं और फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू हो सकती है कि, रंजीत ने इस बात की पुष्टि नहीं की है।

देशभक्ति से जुड़ी फिल्में करने पर सामने आया सिद्धार्थ मल्होत्रा का बयान

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म योद्धा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिशा पाटनी और राशि खन्ना भी अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्देशन सागर अंब्रे और पुष्कर ओझा द्वारा किया गया है, और यह धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। सिद्धार्थ अब तक देशभक्ति से भरी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। इनमें शेरशाह, मिशन मजनू, वेब सीरीज भारतीय पुलिस बल और अब योद्धा शामिल है। अभिनेता ने देशभक्ति से जुड़े अपने किरदारों के लेकर हाल ही में बातचीत की है। सिद्धार्थ मल्होत्रा से हाल ही में एक के बाद एक देशभक्ति वाली फिल्में करने के बारे में पूछा गया, तो इस पर उन्होंने कहा कि यह कोई सोच-समझकर उठाया गया कदम नहीं था। अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि यह बस संयोग से हुआ। मैं शायद वर्दी के प्रति थोड़ा अधिक प्यार है। किसी भी प्रकार की परवाह किए बिना एक आदमी पर वर्दी से बेहतर कुछ भी नहीं दिखता है। सिद्धार्थ ने नई दिल्ली में योद्धा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, यह एक काल्पनिक वर्दी है, इसलिए हमने सेना बनाई है, हमने पुलिस बनाई है, मैंने अपनी योद्धा टीम बनाई है। ताकि मैं यहां वर्दी पहन सकूं। इसके साथ उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि वह रोमांटिक किरदार निभाने के विचार से पूरी तरह से अलग नहीं हुए हैं। अभिनेता ने कहा, योद्धा भी एक लव स्टोरी का संकेत है, जैसा कि आप ट्रेलर में देख सकते हैं। हालांकि ये पूरी तरह से लव स्टोरी नहीं है। उन्होंने आगे कहा, हम यही पर हैं और धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म का प्रचार कर रहे हैं, इसलिए करण जौहर से पूछना चाहिए कि वह मेरे लिए अपनी अगली रोमांटिक फिल्म कब बना रहे हैं। बता दें कि योद्धा एक बहादुर सैनिक की कहानी है जो एक अपहृत विमान के यात्रियों को बचाने के लिए सभी बाधाओं से लड़ता है।

सेंसेक्स
73097.28 पर बंद
निफ्टी
22146.65 पर बंद

सोना
65,782
चांदी
75,514

संक्षिप्त समाचार

वैश्विक एकीकरण मापदंडों पर चीन से आगे निकल गया भारत

सेवा निर्यात में तेजी से तरक्की कर रहा देश

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में एकीकरण के संबंध में भारत दो प्रमुख मापदंडों जीडीपी अनुपात में निर्यात और सेवा निर्यात में चीन से आगे निकल गया है। डीएचएल ग्लोबल कनेक्टेडनेस रिपोर्ट के मुताबिक, जीडीपी की तुलना में भारत का निर्यात अनुपात 2021 के बाद से चीन से अधिक हो गया है।

निर्यात व आयात दोनों के लिए देश का सेवा व्यापार भी बहुत अधिक है। बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2021 व 2022 में जीडीपी के अनुपात में भारत का निर्यात और आयात तेजी से बढ़ा है। वस्तु-सेवा निर्यात जीडीपी का 23 फीसदी और आयातित वस्तुओं व सेवाओं का 26 फीसदी से अधिक रहा है।

देश का गेहूं भंडार 2018 के बाद पहली बार 100 लाख टन से नीचे

3.20 करोड़ टन तक पहुंच सकती है खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के गेहूं भंडार में इस साल तेज गिरावट हुई है। भारतीय खाद्य निगम यानी एफसीआई के पास रखे गेहूं का भंडार घटकर 97 लाख टन तक पहुंच गया है। साल 2018 के बाद पहली बार भंडार 100 लाख टन से नीचे पहुंचा है। यह गिरावट दो साल से सरकारी खरीद के सीमित रहने से देखने को मिली है। दूसरी ओर, चावल के भंडार भरे हुए हैं। एफसीआई के पास चावल बफर सीमा के दोगुना से ज्यादा है। बीते कुछ महीनों में सरकार ने कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए भंडार से गेहूं की खुले बाजार में बिक्री की थी। इससे भंडार में और कमी आ गई। 97 लाख टन के साथ ही मौजूदा गेहूं भंडार जरूरी सीमा से काफी ऊपर है। नियमों के मुताबिक सरकार के भंडार में पहली अप्रैल को 74.6 लाख टन गेहूं रहना चाहिए। गेहूं की खरीद का सीजन पहली मार्च से शुरू हो चुका है। इस साल सरकारी खरीद दो साल के मुकाबले ज्यादा रह सकती है। सरकार का अनुमान है कि इस साल गेहूं की खरीद 3.20 करोड़ टन तक पहुंच सकती है। दूसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस सीजन में गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.2 करोड़ टन रह सकता है। एक साल में सरकार ने गेहूं की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए कई बार में 90 लाख टन गेहूं बाजार में उतारा था।

टेलीविजन खरीदने के लिए जेब करनी पड़ेगी ज्यादा ढीली, अप्रैल से बढ़ने वाले हैं दाम!

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप नया टेलीविजन खरीदने का मन बना रहे हैं तो अब आपको जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है। टीवी का पैनल बनाने में इस्तेमाल होने वाले ओपन सेल के दाम बढ़ने के कारण कंपनियां टीवी के दाम में 10 फीसदी की बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं ताकि लागत का बोझ कुछ कम हो सके। महामारी के बाद से ही इंडस्ट्री को कीमतों में वृद्धि की समस्या का सामना करना पड़ रहा है और पिछले एक साल में ओपन सेल की कीमतें लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं।

फरवरी में थोक महंगाई दर में मामूली परिवर्तन, चार महीने के निचले स्तर 0.20 प्रतिशत पर पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सालाना आधार पर फरवरी में चार महीने के निचले स्तर 0.20 प्रतिशत पर आ गई, जो जनवरी में 0.27 प्रतिशत थी। वाणिज्य मंत्रालय के गुरुवार को इसके आंकड़े जारी किए।

समीक्षाधीन महीने में आनुक्रमिक मूल्य सूचकांक में 0.07 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि इससे एक महीने पहले इसमें 0.33 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

फरवरी, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, मशीनरी और उपकरण और मोटर वाहनों, ट्रेलरों और सेमी-ट्रेलरों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति फरवरी में 6.95 प्रतिशत थी। प्राथमिक वस्तुओं की मुद्रास्फीति फरवरी में बढ़कर 4.49 प्रतिशत रही जो इससे पूर्व महीने में 3.84 प्रतिशत थी।

कच्चे तेल की थोक कीमतों में इजाफा- कच्चे तेल की थोक मुद्रास्फीति फरवरी में 8.24 प्रतिशत बढ़ी। ईंधन और बिजली मुद्रास्फीति फरवरी में शून्य से 1.59 प्रतिशत नीचे रही जबकि जनवरी में इसमें शून्य से 0.51 प्रतिशत की गिरावट आई थी। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति फरवरी में शून्य से 1.27 प्रतिशत नीचे रही।

इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी किए गए थे, जिसमें बताया गया था कि यह जनवरी के 5.10 प्रतिशत की तुलना में फरवरी में वार्षिक आधार पर 5.09 प्रतिशत तक कम हो गया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से यह आंकड़े जारी किए गए थे।

अमित शाह बोले- तीन नई सहकारी समितियां कृषि से जुड़ी दिक्कतों को सुलझाएगी, किसानों की आय बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए जैविक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि सरकार ने आने वाले वर्षों में जैविक खाद्य वस्तुओं का निर्यात 10 गुना बढ़ाकर 70,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है।

सहकारिता मंत्री शाह नौरोजी नगर के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में तीन राष्ट्रीय स्तर की बहुराज्यीय सहकारी समितियों- भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल), नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) और नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (एनसीईएल) के 31,000 वर्ग फुट क्षेत्र को कवर करने वाले नए कार्यालय भवन का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, इन समितियों का उद्देश्य देश में कृषि क्षेत्र की समस्याओं को दूर करके जैविक खाद्य पदार्थों समेत अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना है। ऐसा होने से किसानों की आय में वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान शाह ने रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करते हुए जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, अगले पांच वर्षों में हर जिले में जैविक फार्म और उत्पादों को प्रमाणित करने के लिए एक प्रयोगशाला होगी। शाह ने कहा कि एनसीओएल देश में जैविक खेती को बढ़ावा देगी।

उन्होंने कहा कि वैश्विक जैविक उत्पादों का बाजार कुल 10 लाख करोड़ रुपये का है। भारत का जैविक उत्पादों का निर्यात केवल 7,000 करोड़ रुपये है। हम भारत के जैविक निर्यात को 70,000 करोड़ रुपये तक ले जाना चाहते हैं।

बैंक-बीमा से म्यूचुअल फंड तक में एक ही केवाईसी, एफएसडीसी का प्रस्ताव, समय और लागत को कम करने में मददगार

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक, बीमा से लेकर म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय क्षेत्रों में अब एक ही केवाईसी लागू हो सकता है। इससे विभिन्न वित्तीय क्षेत्रों के साथ जुड़ते समय बार-बार केवाईसी देने की जरूरत नहीं होगी। वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद यानी एफएसडीसी ने वित्तीय क्षेत्र में एक समान केवाईसी प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव दिया है।

अभी ग्राहकों को हर बार बैंक खाता खोलने, म्यूचुअल फंड या स्टॉक में निवेश करने, इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने के लिए बार-बार केवाईसी जमा करना पड़ता है। केंद्र ने समान केवाईसी नियमों पर सिफारिशों के लिए वित्त सचिव टीवी सोमनाथन की अगुवाई में विशेषज्ञ समिति बनाईहै।इस प्रक्रिया के लागू होने से कागजी कार्रवाई, समय और लागत को कम करने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में एफएसडीसी ने एक समान केवाईसी सुविधा लाने और इसकी प्रक्रिया के डिजिटलीकरण को सरल बनाने का प्रस्ताव रखा था।

अडानी के 66000 करोड़ तो अंबानी के 36000 करोड़ डूबे

मुंबई। शेयर मार्केट में बीते कारोबारी दिन भारी गिरावट देखने को मिली। इससे निवेशकों को करीब 14 लाख करोड़ का भारी नुकसान हुआ। गिरावट की वजह से न सिर्फ निवेशकों को बल्कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के मालिकों की संपत्ति में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। दुनिया के दिग्गज कारोबारियों में शामिल अंबानी और अडानी की कमाई पर भी शेयर मार्केट के टूटने का असर हुआ है। जहां अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी को 66,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ और वो 100 अरब डॉलर के क्लब से बाहर हो गए तो वहीं दूसरी ओर देश की सबसे वैल्युएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को भी 36,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

अडानी 100 अरब डॉलर क्लब से बाहर- बुधवार को शेयर बाजार में आई गिरावट से दुनिया के टॉप अमीरों की लिस्ट में शामिल दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी और मुकेश अंबानी को बड़ा घाटा झेलना पड़ा है। गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी ग्रुप का मार्केट कैप 90,000 करोड़ रुपए घट गया। गौतम अडानी की सभी लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। स्टॉक्स में आई इस गिरावट का सीधा असर गौतम अडानी की नेटवर्थ पर दिखा, जो ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, 8 अरब डॉलर यानि करीब 66,000 करोड़ रुपए से ज्यादा घट गई।

अंबानी की इतनी घट गई नेटवर्थ

फोर्ब्स के मुताबिक मुकेश अंबानी को बुधवार को 4.42 अरब डॉलर या करीब 36,000 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। रिलायंस की मार्केट वैल्यू कम होकर 19.39 लाख करोड़ रुपए रह गई। रिलायंस के शेयर टूटने की वजह से मुकेश अंबानी की नेटवर्थ घटकर 112.5 अरब डॉलर रह गई।

ट्रेडिंग मानसिक लड़ाई...

गौतम अडानी ने हिंडनबर्ग तूफान का जिक्र कर सफलता का गुरुमंत्र दे दिया!

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने अपनी सफलता का राजफाश किया है। पिछले साल हिंडनबर्ग के तूफान का जिक्र कर उन्होंने वो मंत्र बता दिए हैं जिन्होंने मुश्किल समय में भी उन्हें चट्टान की तरह खड़ा रखा। गौतम अडानी ने अपने किशोरावस्था के संघर्षों के बारे में भी बताया है। उन्होंने कहा है कि हर नुकसान एक सबक सिखाता है। इससे दुखी होने के बजाय सकारात्मक तरीके से लेना चाहिए। गौतम अडानी के मुताबिक, उनकी जिंदगी में ऐसे मोड़ आए जिनकी उन्होंने कभी कल्पना तक नहीं की थी। उद्यमिता में कदम रखना भी कुछ वैसा ही था। उन्होंने जो भी कारोबार खड़े किए उनमें उम्मीद से कहीं ज्यादा मुश्किलें आईं। ये बाधाएं और रुकावटें उन्हें ज्यादा समझदार बनाती चली गईं।

हर कारोबार खड़ा करने में आई मुश्कलि

गौतम अडानी ने बताया कि उन्होंने किशोरावस्था में उद्यमिता का सफर शुरू किया था। उद्यमिता जोखिम लेने और कभी गंवाने, कभी गिरने के साथ स्थितियों के साथ ओके रहने का नाम है। वह बोले, मुझे गिरने का कभी डर नहीं था। सभी सफलता अपनी चुनौतियों के साथ आती हैं। इसी तरह हर गिरावट अपने साथ दर्द लाती है। लेकिन हर बढ़त अपने साथ फायदा लाती है। इस लाभ को लचीलापन कहा जाता है। गौतम अडानी के अनुसार, उन्होंने जो भी व्यवसाय खड़े किए हैं वह उनकी अपेक्षा से कहीं ज्यादा मुश्किल थे। पिछले कुछ सालों में वह ज्यादा समझदार हुए हैं।

अडानी ने साझा कएि जंदिगी के कई अनुभव

मायानगरी मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में गौतम अडानी ने अपनी जिंदगी के कई अनुभव साझा किए। उन्होंने शेयर बाजार का जिक्र करते कहा, ट्रेडिंग एक मानसिक लड़ाई है। यह बाजार के साथ भी चलती है और खुद के साथ भी। हर नुकसान सबक सिखाता है। प्रत्येक लाभ ज्ञान देता है। यह मंत्र हमेशा मेरे साथ रहा है। दिग्गज कारोबारी ने बताया कि उन्होंने डायमंड बिजनेस में मुंबई में चार साल तक काम किया। मुंबई को अनोखी जगह बताते हुए वह बोले कि यह ऐसा शहर है जहां हर दिल की धड़कन गूंजती है – बड़ा सोचो, बड़ा सपना देखो। वास्तव में मुंबई ने उन्हें सिखाया कि क्या आकांक्षाएं रखनी हैं। गौतम अडानी ने कहा कि इसके बाद जब वह 19 साल के होने वाले थे और मुंबई में बसने की सोच रहे थे तो जिंदगी में एक अप्रत्याशित मोड़ आया। वह बोले, मेरे बड़े भाई ने एक छोटे पैमाने की पीवीसी फिल्म फैक्ट्री चलाने में सहायता करने के लिए मुझे वापस बुलाया। इस फैक्ट्री को उन्होंने अहमदाबाद के पास खरीदा था। भारी आयात प्रतिबंधों के कारण कच्चे माल की कमी के कारण व्यवसाय चुनौतीपूर्ण था।

बैंक ऑफ इंडिया और बंधन बैंक पर आरबीआई का एक्शन, दोनों पर लगाया भारी जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। बैंक ऑफ इंडिया और बंधन बैंक के खिलाफ भारतीय रिजर्व बैंक ने एक्शन लिया है। केंद्रीय बैंक ने कुछ नियामकीय मानदंडों का पालन नहीं करने को लेकर दोनों बैंकों पर जुर्माना लगाया है। बैंक ऑफ इंडिया पर बैंकिंग रेगुलेटर ने 1.4 करोड़ की पेनाल्टी लगाई है। वहीं, कुछ निर्देशों का अनुपालन नहीं करने के लिए निजी क्षेत्र के बंधन बैंक पर भी 29.55 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बुधवार को यह जानकारी दी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि उसने कुछ रेगुलेटरी नॉर्म्स का पालन नहीं करने को लेकर बैंक ऑफ इंडिया पर 1.4 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसी तरह कुछ निर्देशों का अनुपालन नहीं करने के लिए निजी क्षेत्र के बंधन बैंक पर भी 29.55 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बैंक ऑफ इंडिया पर जुर्माना जमा पर ब्याज दर, बैंकों में ग्राहक सेवा, कर्ज पर ब्याज दर और क्रेडिट सूचना कंपनी नियम, 2006 के प्रावधानों के उल्लंघन से संबंधित रिजर्व बैंक के निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया है।

इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस के खलिाफ भी एक्शन- इस बीच रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड पर एनबीएफसी (रिजर्व बैंक) दिशानिर्देश, 2016 में धोखाधड़ी की निगरानी और केवाईसी निर्देशों के कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने पर 13.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

संकट के बीच पेटीएम को बड़ी राहत

आरबीआई की डेडलाइन से पहले एसबीआई से मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। संकट में फंसी फिनटेक कंपनी पेटीएम ने आखिरकार 15 मार्च की डेडलाइन से पहले अपना पार्टनर बैंक चुन लिया है। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से हाथ मिलाया है। पेटीएम का यूपीआई बिजनेस अभी तक उसकी सब्सिडयरी पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर निर्भर था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पेमेंट्स बैंक पर बिजनेस बैन लगाने के बाद से पेटीएम किसी पार्टनर बैंक की तलाश में थी। अब एसबीआई के साथ मिलकर पेटीएम थर्ड पार्टी एप प्रोवाइडर बन सकेगी।

ओसीएल ने नोडल अकाउंट एक्सिस बैंक को सौंपा- एक रिपोर्ट मुताबिक, इससे पहले पेटीएम ने एक्सिस बैंक, यस बैंक और एचडीएफसी बैंक के साथ टीपीएपी पार्टनरशिप के लिए हाथ मिलाया था। एक दिन पहले आई रिपोर्ट में यही बैंक पेटीएम के साथ गठजोड़ करने की दिशा में सबसे आगे बताए जा रहे थे। पिछले महीने वन 97 कम्युनिकेशंस ने अपना नोडल या एस्क्रो अकाउंट एक्सिस बैंक को सौंप दिया था। कंपनी ने इसकी जानकारी बीएसई को भी दी थी। इसकी मदद से पेटीएम के जरिए डिजिटल पेमेंट स्वीकार कर रहे मर्चेंट्स 15 मार्च की डेडलाइन के बाद भी काम कर सकेंगे।भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने पेटीएम फास्टैग उपयोगकर्ताओं को सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने और टोल प्लाजा पर असुविधा से बचने के लिए 15 मार्च से पहले किसी अन्य बैंक से नया फास्टैग लेने की सलाह दी है।

फिच रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी के अनुमान में किया संशोधन

एफवाय 24 में 7.6 प्रतिशत रह सकती है विकास दर

नई दिल्ली, एजेंसी। फिच रेटिंग्स ने गुरुवार को चालू और अगले वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित किया है। एजेंसी को उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था अपने मजबूत विस्तार को जारी रखेगी। हालांकि, एजेंसी ने चीन के लिए अपने पूर्वानुमान को कम कर दिया है। कंपनी ने इसके पीछे चीन में रहे संपत्ति संकट का तर्क दिया है।

फिच रेटिंग एजेंसी ने अपनी मार्च आउटलुक रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 25 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी 7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। इसमें 0.5 प्रतिशत

की बढ़ोतरी की गई है। फिच ने अपनी रिपोर्ट में कहा, चीन से इतर उभरते बाजारों के लिए संभावनाएं भी उज्ज्वल हुई हैं, विशेष रूप से भारत में, जहां हम अब वित्त वर्ष 24 में जीडीपी के 7.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष 25 में 7.0 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं।

भारत सरकार ने भी हाल ही में वित्त वर्ष 24 की जीडीपी वृद्धि के पूर्वानुमान को पहले के 7.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया है। फिच को उम्मीद है कि व्यापार और उपभोक्ता विश्वास के निरंतर स्तर के बीच घरेलू मांग, विशेष रूप से निवेश, भारत में विकास का मुख्य चालक होगा। फिच ने कहा, हमारे पूर्वानुमान बताते हैं कि अल्पावधि में वृद्धि अर्थव्यवस्था की अनुमानित क्षमता को पीछे छोड़ देगी और फिर गतिविधियों की वृद्धि की गति वित्त वर्ष 2025 में नरम रहेगी और वास्तविक जीडीपी 6.5 प्रतिशत बढ़ेगी।

बीएनपी परीबस ओपन

नवारो ने सबालेंका को हराया, कोको गॉ क्वार्टर फाइनल में पहुंची

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। एम्मा नवारो ने बीएनपी परीबस ओपन के चौथे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन एरिना सबालेंका को 6.3, 3.6, 6.2 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। वह अपने करियर में चौथी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची है और 1000 श्रेणी के टूर्नामेंट में पहली बार वह अंतिम आठ में खेलेगी। वहीं कोको गॉ ने अपने 20वें जन्मदिन पर एलिसे मर्टेंस को 6.0, 6.2 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। तीसरे दौर में मर्टेंस ने नाओमी ओसाका को हराया था। पुरूष वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने 13वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव को 6.4, 6.4 से हराया। वहीं नौवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने गाएल मोंफिल्स को 3.6, 7.6, 6.4 से शिकस्त दी। वहीं नोवाक जोकोविच को हराने वाले इटली के लुका नारडी को 17वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने 6.4, 6.3 से हराया।

आईपीएल 2024

आरसीबी का शिविर शुरू, अगले कुछ दिन में जुड़ेंगे कोहली

बेंगलुरू (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने इंडियन प्रीमियर लीग से पहले अपने शिविर की शुरूआत की लेकिन उसके स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अगले कुछ दिन में टीम से जुड़ेंगे। आरसीबी को आईपीएल में गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 22 मार्च को पहला मैच खेलना है। अधिकांश घरेलू खिलाड़ी नए मुख्य कोच एंडी फ्लावर और क्रिकेट निदेशक मो बबाट के मार्गदर्शन में शिविर में पहुंच गए हैं। कप्तान फाफ डु प्लेसी और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अलजारी जोसेफ भी शिविर में पहुंच गए हैं। कोहली पितृत्व अवकाश के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला भी नहीं खेले थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'कोहली अगले कुछ दिन में पहुंचेंगे। कोहली टीम के सालाना कार्यक्रम 'आरसीबी अनबॉक्स' में भी पहुंच सकते हैं जिसमें प्रशंसकों को अपने पसंदीदा सितारों की झलक देखने का मौका मिलता है। डु प्लेसी ने आरसीबी 'बोल्ड डायरीज' में कहा, 'फ्लावर शानदार कोच है और टीम खुशकिस्मत है कि वे हमारे साथ है।' वहीं फ्लावर ने कहा ,''हम आरसीबी की कहानी का नया अध्याय लिखेंगे और यह हमारी खुशकिस्मती है। हम इसे लेकर काफी रोमांचित हैं।

ड्वेन ब्रावो ने सीएसके को लगातार मिल रही कामयाबी का राज खोला

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की अप्रतिम सफलता के पीछे सिर्फ महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी या खिलाड़ियों में झलकता इत्मीनान ही नहीं है बल्कि गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो का कहना है कि टीम में बाहरी दखल नहीं होना भी लगातार मिल रही कामयाबी का राज है। इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में चेन्नई सुपर किंग्स सबसे कामयाब टीम है और इसने पांच बार खिताब जीतने के अलावा सबसे ज्यादा बार प्लेआफ में जगह बनाई है। ब्रावो ने कहा, 'टीम में कोई बाहरी दखल या मालिकों की ओर से दबाव नहीं है। वे खिलाड़ियों को खुलकर खेलने देते हैं। यही इस टीम की खूबसूरती है। आईपीएल से पहले टीम संयोजन के बारे में उन्होंने कहा, 'हमारे पास अच्छी टीम है। हम वहीं से शुरूआत करेंगे जहां पिछले सत्र में छोड़ा था। हमने युवा गेंदबाजी आक्रमण के साथ पिछली बार बेहतरीन प्रदर्शन किया। यहां अविरा डायमंड्स के स्टोर लांच के मौके पर उन्होंने कहा, 'इस बार हमारे पास शार्दुल ठाकुर है जो बोनस होगा। मुस्ताफिजूर रहमान भी काफी अनुभवी है जबकि मथीषा मथिराना भी उपयोगी गेंदबाज है।

मुंबई ने खत्म किया आठ साल का इंतजार

42वीं बार जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब

502 रन, 29 विकेट लेने वाले तनुष कोटियन बने प्लेयर ऑफ द सीरीज

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई रणजी ट्रॉफी के नवीनतम संस्करण की चैम्पियन बनी। मुंबई को जीत दिलाने में तनुश कोटियन के हरफनमौला प्रदर्शन का अहम योगदान रहा। बल्ले से 502 रन बनाने के साथ 29 विकेट लेने वाले तनुष को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में भी महत्वपूर्ण 7 विकेट चटकाए।घरेलू क्रिकेट की दिग्गज मुंबई ने आठ साल का इंतजार खत्म करते हुए अपना ही रिकॉर्ड बेहतर करके 42वीं बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीता। फाइनल के पांचवें और आखिरी दिन मेजबान ने विदर्भ को 169 रन से हराया। टूर्नामेंट के इतिहास में 90 में से 48वीं बार मुंबई फाइनल में पहुंची थी। प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने पर तनुश कोटियन ने कहा कि जब सीजन शुरू हुआ, तो हम यह रणजी ट्रॉफी जीतना चाहते थे क्योंकि दो साल पहले हम उपविजेता थे। हम इस कप को पाने के लिए काफी प्रयास कर रहे थे और आखिरकार इसे हासिल करके बहुत खुश हैं। पिछले सीज़न के प्रदर्शन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। मेरे पिता, मेरे कोच और अज्जू दा ने मेरे साथ बहुत मेहनत की है, उन्होंने पूरे रास्ते मेरा मार्गदर्शन किया है। टीम का माहौल बहुत अच्छा था, हम पूरे समय अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन नॉकआउट में मुश्किल आई। खासकर तेज गेंदबाजों के लिए जो बहुत अधिक ब्रेक के बिना खेल रहे थे। हमने एक टीम के रूप में अच्छा खेला, इस सीजन में निचले क्रम में बल्लेबाजी भी शानदार रही।

विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर ने कहा-

हमारी पहली पारी अच्छी नहीं गई। पहली पारी में मुंबई को जल्दी आउट करने के बाद हमें अच्छी बल्लेबाजी करनी थी।हालांकि, हम ऐसा नहीं कर सके और यहीं हम इस फाइनल में पिछड़ गए।मुंबई ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, खासकर धवल कुलकर्णी ने।पिच पर बल्लेबाजी करना मुश्किल हो रहा था, लेकिन मुंबई के बल्लेबाजों ने गजब का जज्बा दिखाया। श्रेयस ने जिस तरह से कुछ गेंदों में तेजी से रन बनाए उसने हमसे लय छीन ली।
मुकाबले की बात करें तो मुंबई ने 8 साल का इंतजार खत्म करते हुए अपना ही रिकॉर्ड बेहतर करके 42वीं बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीता। फाइनल के पांचवें और आखिरी दिन मेजबान ने विदर्भ को 169 रन से हराया।टूर्नामेंट के इतिहास में 90 में से 48वीं बार मुंबई फाइनल में पहुंची थी।वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए फाइनल में विदर्भ को 538 रन का लक्ष्य मिला था।विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर (102) और हर्ष दुबे (65) ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन टीम को हार झेलनी पड़ी।

मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा-

मैं विदर्भ के प्लेयरों की सराहना करता हूं। उन्होंने संघर्ष दिखाया। वे पिछले 7-8 साल से जिस तरह से खेल रहे हैं वह देखना शानदार है। हमारे लिए रणजी जीत वाकई खास है। पिछले साल, हम 1 रन से क्वालीफाई नहीं कर पाए थे इससे हमें वास्तव में दुख हुआ था। हम जानते थे कि हमारे पास प्रतिभा हैं, लेकिन जो महत्वपूर्ण है वह सही संस्कृति और दृष्टिकोण का निर्माण करना है। मैं एमसीए को भी उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

रणजी ट्रॉफी के टॉप स्कोरर

939 रन - अग्नि चोपड़ा
902 रन - रिकी भुई
830 रन - सचिन बेबी
829 रन - चेतेश्वर पुजारा
816 रन -एन जगदीशन

रणजी ट्रॉफी के टॉप विकेटटेकर

56 विकेट - तनय त्यागराजन
53 विकेट - रविश्रीनिवासन साई किशोर
43 विकेट - मोहित जांगड़ा
41 विकेट - कुमार कार्तिकेय
41 विकेट - एस अजित राम

फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों की प्लेइंग-11

मुंबई - पृथ्वी शॉ, भूपेन लालवानी, मुशीर खान, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), श्रेयस अय्यर, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, शार्दुल ठाकुर, तनुष कोटियन, धवल कुलकर्णी, तुषार देशपांडे। **विदर्भ** - अथर्व तायडे, ध्रुव शोरे, अमन मोखड़े, करुण नायर, यश राठौड़, अक्षय वाडकर (विकेटकीपर/कप्तान), आदित्य सरवटे, उमेश यादव, हर्ष दुबे, यश ठाकुर, आदित्य ठाकरे।

10वें नंबर पर आकर लगा चुके शतक

मुंबई के हरफनमौला खिलाड़ी तनुष कोटियन ने तुषार देशपांडे के साथ मिलकर बीकेसी ग्राउंड में बड़ौदा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान रणजी ट्रॉफी इतिहास में दसवें विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी की थी।उडुपी मूल के तनुष कोटियन और देशपांडे ने मिलकर 10वें विकेट के लिए 232 रन बनाए। तनुष 10वें नंबर पर आकर शतक लगाने वाले पहले प्लेयर बने।तनुश ने सीजन के 10 मैचों में बल्ले के साथ 502 रन बनाए।वह 5 अर्धशतक और एक शतक जमाने में भी सफल रहे।वहीं गेंद के साथ भी धमाल मचाते हुए उन्होंने 29 विकेट चटकाए।

विराट कोहली की फॉर्म आरसीबी की प्लेऑफ में जगह तय करेगी : मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैद ने धमाकेदार बल्लेबाज की फॉर्म पर प्रकाश डाला और कहा कि विराट कोहली का प्रदर्शन प्लेऑफ में आरसीबी की

जगह तय करेगा। कोहली ने बेंगलुरु में अफगानिस्तान के खिलाफ शून्य रन बनाया और जनवरी के बाद से भारत के लिए नहीं खेले हैं। कोहली ने निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से खुद को अलग कर लिया था। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने सोमवार को अपना आईपीएल प्रशिक्षण सत्र शुरू किया और 2024 का अपना पहला मैच 22 मार्च को चेन्नई में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलेंगे। उम्मीद है कि सीजन की शुरुआत से पहले विराट टीम में शामिल हो जाएंगे।

कैफ ने विराट कोहली के उल्लेखनीय फॉर्म और आरसीबी की प्लेऑफ आकांक्षाओं में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बात की। कैफ ने कहा, विराट कोहली पिछले 1-2 वर्षों से अद्भुत क्रिकेट खेल रहे हैं; वह अच्छी फॉर्म में हैं। मुझे याद है एशिया कप के दौरान जब उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ शतक बनाया था; तब से उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह तब से अद्भुत फॉर्म में हैं और जब विराट कोहली जैसा खिलाड़ी फॉर्म में होता है, तो वह जानता है कि हर मैच में रन कैसे बनाने हैं, वह विश्व कप के दौरान टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी थे। इसलिए मुझे लगता है कि वह इस अद्भुत फॉर्म को जारी रखेंगे। दो शतकों के साथ विराट कोहली ने 2023 आईपीएल सीज़न में 14 मैचों में 53.25 की शानदार औसत के साथ 639 रन बनाए। कैफ ने ब्रेक के बाद खतरनाक वापसी करने की क्षमता को स्वीकार करते हुए कोहली का समर्थन किया। उन्होंने कहा, विराट कोहली के बारे में एक खास बात यह है कि वह जब भी ब्रेक से वापस आते हैं तो बहुत अच्छा खेलते हैं। अधिकांश खिलाड़ी फॉर्म में रहने के लिए संपर्क में रहना चाहते हैं और नियमित रूप से खेलना चाहते हैं, लेकिन विराट कोहली जब भी ब्रेक से वापस आते हैं, तो वह अधिक खतरनाक बल्लेबाज के रूप में सामने आते हैं। हां, टीम में ग्रीन और मैक्सवेल हैं, लेकिन विराट कोहली की फॉर्म आरसीबी की प्लेऑफ में जगह तय करेगी। यह महत्वपूर्ण है कि आरसीबी के लिए प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए मैक्सवेल और ग्रीन के साथ विराट कोहली फॉर्म में हों।

ऋषभ पंत का सकारात्मक रवैया देखकर दंग रह गए : मेडिकल स्टाफ

बेंगलुरू (एजेंसी)। ऋषभ पंत को 2022 में हुई भयावह कार दुर्घटना के बाद पूरी तरह फिट होने में मदद करने वाले मेडिकल स्टाफ ने उनकी इच्छाशक्ति और मानसिक दृढता का तारीफ करते हुए कहा है कि थकाऊ रिकवरी प्रक्रिया के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। पंत 23 मार्च को आईपीएल के जरिये क्रिकेट के मैदान पर वापसी करेंगे जिसमें वह मोहाली में पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे।

पंत ने बीसीसीआई टीवी से कहा, 'मैं सामान्य होने के करीब महसूस कर रहा हूं।' पंद्रह महीने पहले हुई कार दुर्घटना को देखकर यह असंभव लग रहा था कि वह वापसी कर सकेंगे। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के खेल मेडिसिन सेंटर के निदेशक डॉक्टर दिनशॉ पर्डीवाला और बेंगलुरू के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के स्टाफ ने उनकी मदद की। पर्डीवाला ने कहा, 'एक सर्जन होने के नाते हमारा काम मरीज, उसके परिवार और सभी संबंधित पक्षों को चोट के बारे में वास्तविक जानकारी देना है। ऋषभ की मां उसके साथ थी और बहुत चिंतित थी कि वह दोबारा चल सकेगा कि नहीं।

उन्होंने कहा, 'मैने उनसे कहा कि चोट बहुत गंभीर है लेकिन हम कोशिश करेंगे कि वह फिर खेल सके। लेकिन

यह बहुत लंबी प्रक्रिया होगी। पर्डीवाला ने कहा कि वह रिकवरी प्रक्रिया के दौरान पंत का आत्मविश्वास देखकर हैरान रह गए। उन्होंने कहा, 'मैने उससे कहा कि 18 महीने लगेंगे तो उसने कहा कि वह 12 महीने में कर दिखाएगा। और ऐसा ही हुआ भी।

पंत ने कहा, 'मैने जब बैसाखियों के बिना चलना शुरू किया तो वह निर्णायक मोड़ था। उसके बाद जॉगिंग शुरू की और फिर बल्लेबाजी। इसके बाद विकेटकीपिंग और सबका मजा लिया।पर्डीवाला ने कहा कि घुटने की पेचीदा चोट, हादसे को लेकर दहशत और क्रिकेट से दूर रहने की पंत की अपनी हताशा, इन सबसे प्रभावी तरीके से निपटना था।

उन्होंने कहा, 'किसी भी सर्जन के लिए घुटने की हड्डी खिसकने की चोट सबसे खराब होती है क्योंकि सब कुछ टूट जाता है। मरीज दहशत में रहता है और मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। एक दिन आप सामान्य रहते हैं, सुपरस्टार हैं और दुनिया आपकी वाहवाही कर रही है लेकिन एक सप्ताह बाद आप सामान्य इंसान की तरह कुछ नहीं कर पा रहे। ऋषभ के लिए यह कठिन दौर था और हमें उसका साथ देना था।

एनसीए के फिजियो धनंजय कौशिक ने कहा कि पंत का सकारात्मक रवैया देखकर वह दंग रह गए। उन्होंने कहा, 'हादसे में उसका कोई लिगामेंट साबूत नहीं बचा था। मुझे लगता है कि अगर कोई इस हादसे के बाद वापसी कर सकता था तो ऋषभ पंत ही था क्योंकि उसका रवैया इतना सकारात्मक था। एनसीए पर स्ट्रेंथ और कंडिशनिंग कोच निशांता बारडोलोइ ने कहा कि पूरे घटनाक्रम में पंत एक बेहतर इंसान बनकर निकला है। उन्होंने कहा, 'वह एक बेहतर इंसान बना है। अब वह जिंदगी की कद्र ज्यादा करता है। पहले से अधिक दृढ हुआ है। वह पहले भी अच्छा इंसान था लेकिन अब और बेहतर हो गया है।

धोनी डीजल इंजन की तरह है जो कभी खत्म नहीं होता : डिविलियर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तुलना एक डीजल इंजन से की है जो कभी काम करना बंद नहीं करता। घुटने की सर्जरी के बाद अब 42 साल की उम्र में धोनी मैदान पर वापसी कर रहे हैं। डिविलियर्स ने कहा कि धोनी के दृढ़ नेतृत्व में चेन्नई सुपर किंग्स ने कोच स्टीफन फ्लेमिंग के शांत मार्गदर्शन और रवींद्र जड़ेजा जैसे दिग्गजों के अनुभव के कारण शानदार प्रदर्शन किया है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि क्या अविश्वसनीय खिलाड़ी है, क्या अविश्वसनीय कप्तान है। उन्होंने पिछले साल कुछ अविश्वसनीय क्रिकेट खेला। पिछले साल एमएस धोनी के खत्म होने के बारे में बहुत सारी अफवाहें थीं, देवियों और सज्जनों, ऐसा नहीं था। वह फिर वापस आएगा। क्या यह

उनका अंतिम सीज़न होगा? कोई नहीं जानता। वह बस इस डीजल इंजन की तरह लगता है जो कभी खत्म नहीं होता। वह दौड़ता रहता है।डिविलियर्स ने कहा कि मेरा मानना ??है कि चेन्नई का यह स्थिति धोनी के नेतृत्व के कारण मिली है। वह ऐसी टीम है जोकि डरा देती है। ई कारण वह बहुत सफल टीम रहती है। जब आप अच्छा खेल रहे होते हैं, तो यह होता है। वह हमेशा विरोधी टीम को टक्कर देने के लिए तरीका ढूंढ ही लेते हैं।

डिविलियर्स ने प्रतिद्वंद्वी आईपीएल टीमों को चेतावनी देते हुए कहा कि पिछले सीज़न में खिताब जीतने के बाद सीएसके अब मजबूती से आएगी। उन्होंने कहा कि वे पिछले साल जीते थे। हां, वे अपने खिताब का बचाव करना चाहते हैं लेकिन धोनी और उनके सैनिकों पर लगभग कोई दबाव नहीं है और मुझे लगता है कि यह उन्हें खतरनाक बनाता है। क्या वे बैक-टू-बैक जा सकते हैं? उनके पास निश्चित रूप से क्षमता है।

केरल में अफ्रीकी फुटबॉलर को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, नस्लीय दुर्व्यवहार का भी आरोप

मलप्पुरम (एजेंसी)। केरल के मलप्पुरम जिले में एक फुटबॉल टूर्नामेंट के दौरान आइवरी कोस्ट के एक फुटबॉलर को दर्शकों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भीड़ ने उनके साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किया। घटना का एक वीडियो जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में नीली टी-शर्ट पहने हुए डेरासौबा हसने जूनियर नाम का व्यक्ति एरिकोड में जमीन पर छटपटाता हुआ दिखाई दे रहा है जबकि लोगों का एक समूह उसका पीछा कर रहा है। आखिरकार, आइवरी कोस्ट फुटबॉलर को पकड़ लिया जाता है और लोगों द्वारा उसकी बुरी तरह से पिटाई की जाती है। कुछ दर्शकों ने आरोप लगाया कि फुटबॉलर ने उनमें से एक को लात मार दी, जिसके कारण यह घटना हुई। सफेद टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति अफ्रीकी व्यक्ति को बचाता हुआ दिखाई दे रहा है। व्यक्ति को गुस्साए लोगों से बात करते हुए देखा जा सकता है और बाद में फुटबॉलर को गेट से निकलते हुए देखा जाता है। हसने जूनियर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और अपना बयान दर्ज कराया।

अभिमन्यु पौराणिक ने जीता 40वां कैपेल ला ग्रांड शतरंज ओपन 2024

कैपल ला ग्रांड , फ्रांस (एजेंसी)। भारत के ग्रांड मास्टर अभिमन्यु पुराणिक नें लगातार अच्छे प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए एक और बड़ा टूर्नामेंट अपने नाम किया है , अभिमन्यु नें फ्रांस का बेहद प्रतिष्ठित कैपेल ला ग्रांड ओपन का 40वां संस्करण 2686 रेटिंग के प्रदर्शन के साथ जीता है ।

9 राउंड के इस क्लासिकल टूर्नामेंट में अभिमन्यु और इटली के ग्रांड मास्टर लोरेंजो लोडीसी दोनों ही 40वें 7.5/9 अंको पर थे पर बेहतर टाईब्रेक के चलते अभिमन्यु विजेता बनने में कामयाब रहे जबकि लोरेंजो को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा । इन दोनों के अलावा नौ खिलाड़ी 7 अंको पर थे पर उनमें से, इटली के इंटरनेशनल मास्टर अल्बर्टो बार्प तीसरा स्थान हासिल करने में सफल रहे ।

अभिमन्यु का वर्ष का यह तीसरा खिताब था इससे पहले, जनवरी में उन्होंने 33वें केरेस मेमोरियल ब्लिट्ज़ ओपन 2024 जीता था। फिर उन्होंने बांग्लादेश पुलिस के लिए बांगाबंधु प्रीमियर लीग 2024 जीती और अब उन्होंने 2024 में अपना पहला व्यक्तिगत क्लासिकल रेटिंग टूर्नामेंट जीता।

संक्षिप्त समाचार

किडनी फेल्योर के बारे में जागरूकता फैलाकर विश्व किडनी दिवस मनाया

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद के मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में, हम इस बात को समझते हैं कि दर्द सामान्य तौर पर प्रचलित एक लक्षण है जिससे लोग बड़ी संख्या में पीड़ित हैं, और यह उनके रोज़मर्रा के काम-काज पर काफी बुरा असर डालता है। सिर से लेकर पाँव तक, शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की शिकायत हो सकती है। ऐसे मामलों में, लोग अक्सर अपनी पीड़ा को कम करने के लिए डॉक्टरी सलाह के बिना दर्द निवारक दवाओं या घर पर मौजूद दवाओं का सहारा लेते हैं, लेकिन वे इसकी वजह से किडनी को होने वाले नुकसान जैसे संभावित खतरों से बेखबर होते हैं। पेनकिलर्स, यानी दर्द निवारक दवाओं के इस्तेमाल से किडनी संबंधी कई तरह की बीमारियाँ हो सकती हैं, जिनमें हल्की सूजन से लेकर किडनी फेल्योर जैसे गंभीर परिणाम शामिल है। आजकल बाज़ार में दर्द से राहत दिलाने वाली कई तरह की दवाएँ उपलब्ध हैं, जिन्हें मोटे तौर पर दो श्रेणियों- यानी एनएसएआइडीएस और नॉन-एनएसएआइडीएस में बाँटा जाता है। डॉ. सिद्धार्थ मवानी, डायरेक्ट नेफ्रोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, कहते हैं, एनएसएआइडी दवाएँ मुख्य रूप से तीन प्रकार से किडनी पर असर कर सकती हैं अस्थायी या एक्यूट रीनल फेल्योर, इन्टर्स्टिशल नेफ्रैटिस, और/या स्थायी या क्रोनिक किडनी फेल्योर, जिसे एक्यूट नेफ्रैटिस भी कहा जाता है। एक्यूट किडनी फेल्योर का मतलब अचानक किडनी खराब होना है। कई मरीज को तो सिर्फ एक या दो एनएसएआइडीएस दवाएँ लेने से ही किडनी फेल्योर हो सकता है। हालाँकि सामान्य तौर पर ऐसा नहीं होता है, लेकिन ऐसा होना पूरी तरह असामान्य भी नहीं है।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के दर्शन को उमड़ रहे कई देशों के श्रद्धालु

नई दिल्ली। भारत की ओर से प्रदर्शनी के लिए थाईलैंड भेजे गए भगवान बुद्ध और उनके दो शिष्यों अरिहंत सारिपुत्त तथा अरिहंत मोदगलायन के पवित्र अस्थि अवशेषों के दर्शन के लिए अब उबोन रत्चथानी शहर में भारी भीड़ उमड़ रही है। थाईलैंड में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''उबोन रत्चथानी के वाट महा वानाराम में भारत से आए पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी के दूसरे दिन थाईलैंड और पड़ोसी देशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। शुभ छठे चक्र और राजा राम दशम के 72वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में भारत और थाईलैंड के लोगों के बीच मित्रता के प्रतीक के रूप में भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों के पवित्र अवशेष थाईलैंड के चार अलग-अलग स्थानों पर लगने वाली 26 दिवसीय प्रदर्शनी के लिए 22 फरवरी को थाईलैंड भेजे गए थे।इन्हें प्रदर्शनी के पहले हिस्से के तौर पर 23 फरवरी को बैंकॉक में सनम लुआंग मंडप के एक भव्य मंडपम में स्थापित किया गया था। बैंकॉक के बाद अवशेषों को 4 से 8 मार्च के बीच चियांग माई शहर में भेजा गया। इन दोनों शहरों में 15 लाख से अधिक लोगों ने पवित्र अवशेषों पर श्रद्धांजलि अर्पित की। अवशेषों पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए थाईलैंड के अलावा कंबोडिया, लाओस और वियतनाम के श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। इसके बाद अवशेषों को दक्षिणी शहर क्राबी ले जाया जाएगा। इस अवसर पर थाईलैंड में भारतीय दूतावास ने यूपी पर्यटन के सहयोग से 'बुद्धभूमि भारत- भगवान बुद्ध के नक्शेकदम पर यात्रा' नामक एक मंडप भी बनाया है, जिसमें भारत की बौद्ध विरासत और समृद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक झलक दिखाई देती है। उल्लेखनीय है कि बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखे रहते हैं। उनके अवशेषों को उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के पिपरहवा से खुदाई के दौरान प्राप्त किया गया था, जिसे प्राचीन शहर कपिलवस्तु का ही एक हिस्सा माना जाता है। इसके अलावा उनके दोनों शिष्यों के अवशेष मध्य प्रदेश के सांची स्तूप में रखे होते हैं। उनके पवित्र अवशेषों की खुदाई 1851 में ब्रिटिश पुरातत्वविदों द्वारा की गई थी और फिर उन्हें इंग्लैंड के विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रहालय में ले जाया गया था। हालांकि भारत में महाबोधि सोसाइटी और कई लोगों के प्रयासों से एक लंबे संघर्ष के बाद 1948 में उनके अवशेषों को वापस भारत लाया गया।

जेवर एयरपोर्ट के पास बसाए जाएंगे 10 नए सेक्टर, यीडा बनाएगा लैंड बैंक

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) ने बजट पारित होने के बाद नए सेक्टर बसाने के लिए लैंड बैंक बनाने की तैयारी तेज कर दी है। सितंबर में जेवर एयरपोर्ट से उड़ान भरना प्रस्तावित है। ऐसे में इसके आसपास सेक्टरों में भी औद्योगिक पार्क विकसित करने की योजना है। इससे पहले प्राधिकरण अधिग्रहण की तैयारी कर रहा है। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-10 में पांच नए औद्योगिक पार्क विकसित करने की तैयारी है। इनमें लेदर फुटवियर पार्क, सामान और सहायक उपकरण पार्क, प्लास्टिक प्रसंस्करण पार्क, हथकरघा और इलेक्ट्रिक वाहन पार्क विकसित किए जाएंगे।

पांचों औद्योगिक पार्कों के लिए शासन से 243.9 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा यहां सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण केंद्र होंगे, जिन्हें पहले लगभग 500 एकड़ भूमि पर विकसित करने की घोषणा की गई थी। अब इन्हें सेक्टर-10 में 243 हेक्टेयर भूमि में विकसित किए जाने पर मंजूरी मिली है। इस परियोजना में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश आने की उम्मीद है।

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र को विकसित करने के लिए अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से बढ़ रही है।

वर्ष 2022-23 में भूमि अधिग्रहण के लिए 695 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित था, जिसके सापेक्ष खर्च 640 करोड़ रुपये किया गया। वहीं, वर्ष 2023-24 में यह बजट बढ़कर 1851 करोड़ कर दिया गया, जिसके सापेक्ष प्राधिकरण ने 1900 करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं, इस वर्ष प्राधिकरण ने भूमि अधिग्रहण पर छह हजार करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है। इससे प्राधिकरण खुद का 3700 हेक्टेयर भूमि का लैंड बैंक तैयार कर सकेगा, ताकि जरूरत पड़ने पर रुकी परियोजनाओं को भूमि देकर काम शुरू कराया जा सके।

इस वर्ष जापानी व कोरियन सिटी बसाने का रास्ता भी साफ हो गया है। इसके लिए सेक्टर-4ए और 5ए में जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। यह डेडिकेटेड सिटी होगी, जिसमें जापानी और कोरियन कल्चर से जुड़े अस्पताल, मकान, दुकान और शिक्षण संस्थान होंगे। यह सोसाइटी एयरपोर्ट के नजदीक प्रस्तावित है। यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा, लैंड बैंक के लिए भू-अधिग्रहण की प्रक्रिया को जल्द शुरू किया जाएगा। प्राधिकरण आठ सेक्टरों में भूमि अधिग्रहण करेगा। इनमें नए औद्योगिक पार्क और आवासीय क्षेत्र विकसित किया जा सकेगा। परियोजनाओं को पूरा करने में बाधा नहीं आएगी। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में छह जिलों के 1137 गांवों की जमीन अधिसूचित क्षेत्रफल में आती है। अगले 17 सालों में अधिकांश अधिसूचित क्षेत्रफल की जमीन अधिग्रहित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्राधिकरण ने अगले एक साल में 3700 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण करने का फैसला बोर्ड बैठक में किया है। जमीन एयरपोर्ट की जमीन से अलग है। 10 नए सेक्टर बसाने के लिए प्राधिकरण जमीन का अधिग्रहण करेगी। जमीन अधिग्रहण का मुआवजा दर इस समय 3100 रुपये प्रति वर्गमीटर है। कुछ महीने पहले ही इसमें 800 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। जानकारी के मुताबिक 3700 हेक्टेयर के लैंड बैंक बनाने पर 12 हजार करोड़ का खर्च आना है, जिसमें आधा पैसा शासन और आधा पैसा प्राधिकरण के स्तर से वहन किया जा रहा है।

दिल्ली में बेकाबू कार ने कई लोगों को कुचला, महिला की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में बुधवार की रात एक अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने कई लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में अब तक एक महिला की मौत हो गई है। वहीं गंभीर रूप से घायल 7 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह गाजीपुर थाना क्षेत्र में मयूर विहार फेस 3 स्थित बुध बाजार की घटना है।

हादसे के बाद सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर स्थानीय पुलिस व जिले के वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे। पूर्वी दिल्ली की पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि घायलों को फिलहाल अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। वहीं एक महिला की मौत हो चुकी है। स्थानीय लोगों ने कार चालक को मौके पर ही पकड़ लिया। कार चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पूर्वी दिल्ली की पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि बुधवार करीब 9:30 बजे, एक सिल्वर रंग की हुंडई गाड़ी ने कई लोगों को टक्कर मारी। इस में घायल हुए व्यक्ति जो अभी तक लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में आए हैं, उनकी कुल संख्या 7 है, इसमें पांच महिलाएं तथा दो पुरुष हैं। सात व्यक्तियों में से एक महिला सीता देवी पुत्री मुन्नालाल उम्र 22 वर्ष पता खोड़ा कॉलोनी, हयात नगर, गाजियाबाद मृत हैं। इसमें आरोपी अभियुक्त कार चालक भी घायल है, जिसका इलाज चल रहा है। आरोपी पुलिस की हिरासत में है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों ने जमकर खूब हंगामा काटा और कार चालक को मौके पर ही पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद लोग कार पर चढ़कर कार के साथ तोड़फोड़ किए और आक्रोश के चलते लोगों ने कार के शीशे व दरवाजे इत्यादि पूरी तरह तोड़ दिया। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी कार चालक से पूछताछ के साथ ही घायलों के राहत बचाव में लगी है। इस हंगामा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

केजरीवाल ने कोर्ट में खुद पेश होने का किया था वादा, अब खटखटा दिया ऊपरी अदालत का दरवाजा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेशी की तारीख से ठीक पहले ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटा दिया है। कथित शराब घोटाले में ईडी के समन को दरकिनार किए जाने की वजह से केजरीवाल के खिलाफ जांच एजेंसी ने शिकायत की थी। केजरीवाल को 16 मार्च को पेश होने को कहा गया था। अब उन्होंने अदालत के समन के खिलाफ सेशंस कोर्ट में याचिका दायर की है। राउज ऐवेन्यू कोर्ट में स्पेशल जज राकेश स्याल के सामने मामले को सूचीबद्ध किया गया है।

ईडी ने समन को नजरअंदाज किए जाने की वजह से 3 फरवरी और 6 मार्च को मजिस्ट्रेट कोर्ट में शिकायत की थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने केजरीवाल के खिलाफ आईपीसी की धारा 174 के तहत केस चलाने की मांग की है। लोकसेवक के आदेश पर हाजिर नहीं होने पर इस धारा के तहत केस चलाया जाता है। इसमें दोषी करार दिए जाने वाले व्यक्ति को एक महीने तक जेल और 500 रुपए जुर्माने की सजा हो सकती है। दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए बुलाते हुए ईडी ने केजरीवाल को अब तक कुल 8 समन भेजे हैं।

केजरीवाल को 4 मार्च, 26 फरवरी, 19 फरवरी, 2 फरवरी, 18 जनवरी, 3 जनवरी, पिछले साल 22 दिसंबर और 2 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। अडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) दिव्या मल्होत्रा ने ईडी की पहली शिकायत पर केजरीवाल को 17 फरवरी को बुलाया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री उस दिन वर्चुअल माध्यम से कोर्ट के सामने हाजिर हुए और बजट सत्र में व्यस्तता का हवाला देकर छूट की गुजारिश की। उन्होंने कोर्ट से अगली तारीख की मांग करते हुए कहा था कि वह खुद हाजिर होंगे। अदालत ने उनकी अपील को स्वीकार करते हुए 16 मार्च को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने को कहा था। इसके बाद ईडी ने अंतिम तीन समन को लेकर भी केजरीवाल के खिलाफ कोर्ट में शिकायत दायर की। मल्होत्रा ने इसका संज्ञान लेकर केजरीवाल को कोर्ट में 16 मार्च को खुद पेश होने को कहा। ईडी ने अपनी शिकायत में कहा कि उन्हें (केजरीवाल) को यह जानने का कोई लीगल हक नहीं है कि उन्हें गवाह के तौर पर बुलाया जा रहा है या फिर आरोपी के रूप में। जांच एजेंसी ने उन पर जानबूझकर समन को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। एजेंसी ने कहा था कि केजरीवाल को उनकी और कुछ अन्य लोगों की भूमिका के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

हिमाचल में पेंशनधारियों के लिए अच्छी खबर, मार्च माह से मिलेगा एरियर

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सरकार ने पेंशनर्स को छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक संशोधित वेतनमान के एरियर के भुगतान की अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य सरकार ने एरियर की अदायगी के लिए नया मापदंड अपनाया है। इसके लिए उनकी आयु को आधार बनाया गया है। एरियर के भुगतान को पेंशनरों की आयु के हिसाब वर्गीकृत किया गया है। अधिसूचना में मार्च महीने में पेंशनरों को मिलने वाली एरियर की किश्त उनकी आयु के मुताबिक तय होगी।

अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि मार्च महीने में 65 साल से कम आयु वाले पेंशनरों को एरियर का 15 फीसदी भुगतान होगा। इसके अलावा 65 से 70 वर्ष की आयु वाले पेंशनरों को 18 फीसदी, 70 से 75 वर्ष की आयु वाले पेंशनरों को 20 फीसदी और 75 व इससे अधिक आयु वर्ग के पेंशनरों को 35 फीसदी एरियर का भुगतान किया जाएगा।

इस बीच हिमाचल प्रदेश पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन ने एरियर सम्बंधी नई अधिसूचना के स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस मापदण्ड से एरियर भुगतान से पेंशनरों को सम्मानजनक राशि प्राप्त होगी। उन्होंने सरकार से पेंशनरों के लंबित डीए व ग्रेच्युटी को भी शीघ्र अधिसूचित करने की मांग की है।

बता दे कि इससे पहले प्रदेश सरकार ने एरियर भुगतान को लेकर अधिसूचना जारी की थी। जिसके तहत पेंशनरों को एक वर्ष में एरियर का तीन प्रतिशत भुगतान का प्रावधान था, वहीं पूरा एरियर के भुगतान में 33 वर्ष लगने थे। लेकिन पेंशनरों व कर्मचारियों के विरोध के चलते प्रदेश सरकार ने उस अधिसूचना को वापिस ले लिया था।

शॉर्ट कमीशन महिला अधिकारी नहीं मांग सकतीं स्थायी कमीशन, भारतीय तटरक्षक ने सुप्रीम कोर्ट में दिया जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय तटरक्षक ने सेवा में ज्यादा महिला अधिकारियों को शामिल करने की प्रतिबद्धता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) अधिकारियों से संबंधित वर्तमान भर्ती नियम के तहत वे स्थायी कमीशन की मांग नहीं कर सकती हैं। भारतीय तटरक्षक बल ने एक महिला अधिकारी द्वारा स्थायी कमीशन की मांग संबंधी याचिका के जवाब में दाखिल हलफनामे में यह बात कही है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने हाल में केंद्र से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि महिलाओं को तटरक्षक बल में स्थायी कमीशन दिया जाए। तटरक्षक के उप महानिरीक्षक राजकमल सिन्हा द्वारा दाखिल हलफनामे में कहा गया, (तटरक्षक के) भर्ती नियम में कहा गया है कि महिला अधिकारियों के पास भविष्य में स्थायी प्रवेश योजना में जाने का विकल्प नहीं होगा। इस मामले में याचिकाकर्ता सहित चयनित उम्मीदवारों को दिए गए नियुक्ति पत्र में भी इसका उल्लेख किया गया था। हलफनामे के अनुसार, तटरक्षक मुख्य रूप से समुद्री सेवा है। इसमें 66 प्रतिशत कर्मियों को तैरती इकाइयों को चलाने के लिए मंजूरी दी गई है और केवल 33 प्रतिशत कर्मियों को तट संबंधी इकाइयों के संचालन के लिए मंजूरी दी गई है। स्थायी प्रवेश को लेकर महिला अधिकारियों के लिए केवल 10 प्रतिशत नियुक्तियों पर विचार किया गया।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने तीसरी बार जीता विश्वास मत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड बुधवार को पिछले 14 महीनों में तीसरी बार विश्वास मत जीतने में सफल रहे। अध्यक्ष देवराज घिमिरे ने कहा कि पीएम प्रचंड ने 157 वोट हासिल किए, जबकि उनके विरोध में 110 सांसदों ने वोट किया। संसद सचिव ने कहा कि 275 सदस्यों में से 268 उस वक्त सदन में मौजूद थे, जब वोटिंग हो रही थी। पीएम प्रचंड को यूएमएल, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) और कुछ स्वतंत्र सांसदों का समर्थन प्राप्त था।

इससे पहले पीएम प्रचंड ने नेपाली कांग्रेस से अपना रास्ता अलग करते हुए कम्युनिष्ट पार्टी ऑफ नेपाल सहित अन्य दलों के साथ गठबंधन कर लिया था। सीपीएन-यूएमएल के समर्थन से वह साल 2022 के दिसंबर महीने में प्रधानमंत्री बन गए थे, लेकिन महज दो महीने के भीतर उन्होंने गठबंधन तोड़कर नेपाली कांग्रेस से हाथ मिला लिया था। मार्च 2023 में उन्होंने नेपाली कांग्रेस के समर्थन से दूसरी बार विश्वास मत हासिल कर लिया और इसके बाद मंत्रियों को पार्टी में से शामिल किया, लेकिन नेपाली कांग्रेस के साथ उनके रिश्ते अच्छे नहीं रहे। मार्च के पहले सप्ताह में प्रचंड ने नेपाली कांग्रेस से अपना गठबंधन तोड़ लिया और इसके बाद उन्होंने यूएमएल और दूसरी अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन कर लिया, जिसे कुछ लोगों ने बीजिंग समर्थन गठबंधन भी बताया। यूएमएल चेयरमैन केपी ओली ने स्पष्ट कर दिया कि हाल ही में हुए सत्ता परिवर्तन में चीन की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने उन सभी कयासों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें यह कहा जा रहा था कि चीन ही नेपाल में कम्युनिस्ट पार्टी सरकार लेकर आया है। उन्होंने आगे कहा, हम ही हैं, जिन्होंने यह गठबंधन बनाया है। सदन की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वास मत हासिल करना अनिवार्य हो जाता है।

युद्ध की तैयारी कर रहा उत्तर कोरिया?

तानाशाह किम जोंग ने युद्धक टैंकों का अभ्यास देखा, खुद भी चलाया टैंक

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन एक बार फिर चर्चा में हैं। दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा संयुक्त अभ्यास समाप्त होने से पहले कोरिया में एक नया सैन्य प्रदर्शन किया गया है। किम ने बुधवार को एक सैन्य प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने कमांडरों को एक वास्तविक युद्ध जैसा अभ्यास आयोजित करने को कहा। इस दौरान एक नए प्रकार के मुख्य युद्धक टैंक ने अपने पहले प्रदर्शन में अपनी मारक शक्ति का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। किम ने अपने कमांडरों के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया। भारी टैंकों ने एक ही बार में लक्ष्यों पर हमला किया और मजबूत रक्षा रेखाओं को तोड़ दिया। बता दें, 105वीं टैंक डिवीजन वह इकाई है, जिसने कोरियाई युद्ध के दौरान दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल पर कब्जा कर लिया था। इसे युद्ध अभ्यास का विजेता घोषित किया गया था। किम के साथ इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री कांग सुन नाम सहित वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। कोरियाई मीडिया ने सैन्य अभ्यास के दौरान की तस्वीरें जारी की हैं। एक तस्वीर में कोरिया के तानाशाह को टैंक से बाहर झांकते हुए देखा जा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि किम ने खुद टैंक चलाया था। जबकि अन्य तस्वीर में किम को एक लेदर जैकेट पहने और कमांडरों से घिरा हुआ देखा गया। साथ ही गोला बारूद को नष्ट करने वाले उत्तर कोरियाई ध्वज के साथ टैंक भी दिखाई दे रहे हैं। यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका से जुड़े संयुक्त वार्षिक अभ्यास गुरुवार को समाप्त होने वाला है। प्योंगयांग द्वारा नवंबर में तनाव को कम करने के उद्देश्य से 2018 के अंतर-कोरियाई सैन्य समझौते को रद्द करने के बाद होने वाला पहला अभ्यास था।

एक बिल्ली के कारण हाई अलर्ट पर जापान का फुकुयामा शहर

टोक्यो, एजेंसी। जापान का एक शहर एक बिल्ली के कारण हाई अलर्ट पर है। बता दें कि वो बिल्ली देर रात में गायब होने से पहले खतरनाक रसायनों के एक टैंक में गिर गई थी।

हिरोशिमा प्रान्त के फुकुयामा में अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने गश्त बढ़ा दी है और निवासियों को जानवर के पास न जाने की चेतावनी दी है, जिसे आखिरी बार सुरक्षा फुटेज में रविवार को एक प्लेटिंग फैक्ट्री से निकलते हुए देखा गया था।

अधिकारियों ने कहा कि सोमवार को एक कार्यकर्ता द्वारा खोजे गए पंजे के निशान से हेक्सावलेंट क्रोमियम की 3 मीटर गहरी टंकी मिली, जो एक कैंसर पैदा करने वाला रसायन है जो छूने या साँस लेने पर चकत्ते और सूजन पैदा कर सकता है। फुकुयामा सिटी हॉल के एक अधिकारी ने कहा कि आस-पड़ोस की तलाशी के दौरान अभी तक बिल्ली नहीं मिली है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि जानवर जीवित है या नहीं। नोमुरा मेक्की फुकुयामा फैक्ट्री के प्रबंधक अकिहिरो कोबायाशी ने कहा कि जब कर्मचारी सप्ताहांत के बाद काम पर लौटे तो रासायनिक वैट को ढकने वाली एक शीट आंशिक रूप से फटी हुई पाई गई। उन्होंने कहा, कर्मचारी तब से बिल्ली की तलाश कर रहे हैं।

कोबायाशी ने कहा, फैक्ट्री के कर्मचारी आमतौर पर सुरक्षात्मक कपड़े पहनते हैं और कर्मचारियों के बीच कोई स्वास्थ्य समस्या सामने नहीं आई है।

हेक्सावलेंट क्रोमियम, या क्रोमियम -6, शायद 2000 की फिल्म ÷एरिन ब्रोकोविच÷ में जूलिया रॉबर्ट्स अभिनीत कैंसरजन्य रसायन के रूप में जाना जाता है। वास्तविक जीवन के कानूनी मामले पर आधारित यह नाटकीयता एक उपयोगिता कंपनी के खिलाफ नामधारी कार्यकर्ता की लड़ाई पर केंद्रित है, जिस पर कैलिफोर्निया के ग्रामीण समुदाय में पानी को प्रदूषित करने का आरोप है, जिससे इसके निवासियों में कैंसर का स्तर बढ़ गया और मृत्यु हो गई। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार, यह पदार्थ आंखों, त्वचा और श्वसन प्रणाली के लिए हानिकारक है।

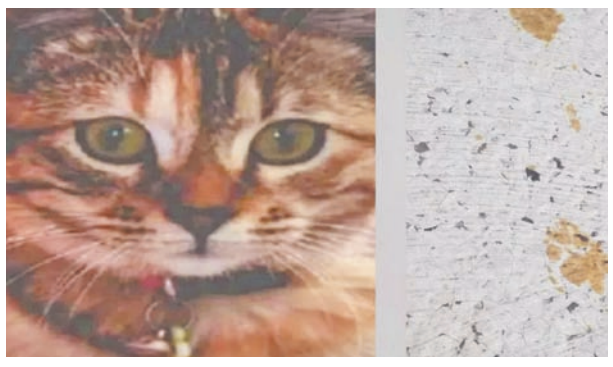

सीडीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा है कि हेक्सावलेंट क्रोमियम के संपर्क से श्रमिकों को नुकसान हो सकता है।एक्सपोजर का स्तर खुराक, अवधि और किए जा रहे कार्य पर निर्भर करता है। विशेषज्ञों ने इस बात पर संदेह जताया है कि पदार्थ के संपर्क में आने के बाद बिल्ली लंबे समय तक जीवित रह सकेगी या नहीं।

स्वीडन के कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट में रासायनिक जोखिम मूल्यांकन में विशेषज्ञता रखने वाली शोधकर्ता लिंडा शेंक ने कहा, भले ही फर त्वचा को तुरंत बड़ी जलन से बचाएगा, बिल्लियां अपने फर को चाटकर साफ करती हैं, संक्षारक घोल को मुंह में ले जाती हैं। मेरा अनुमान है कि बिल्ली दुर्भाग्य से रासायनिक जलन से मर गई है या शीघ्र ही मर जाएगी।

20-बेडरूम पैलेस, एक यॉट: दुबई की एक महिला ने बच्चे के जन्म पर मिलेनियर पति से मांगें महंगे तोहफे

दुबई , एजेंसी। दुबई की एक करोड़पति महिला है, जो अक्सर अपनी हाई-फाई लाइफ स्टाइल को सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में इस महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया है। बच्चे के जन्म के बाद उस महिला ने अपने मिलेनियर पति से बेहद महंगे गिफ्ट की मांग कर दी है। उनकी डिमांड अब दुनियाभर में लोगों के लिए चर्चा का विषय बन गई है। महिला की इस डिमांड के बारे में लोग सोशल मीडिया पर भी सर्च कर रहे हैं। इस खबर में जानते हैं कि आखिर महिला ने अपने करोड़पति पति से ऐसा क्या तोहफा मांगा जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है। बच्चे के जन्म के बाद से ये महिला काफी सुर्खियों में है। दरअसल, इस महिला ने एक वीडियो साझा कर इस बात का खुलासा किया है कि जब वो बच्चे को जन्म देगी तो अपने करोड़पति पति से इन चीजों की डिमांड करेगी। अब जब उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया तो उन्होंने अपने पति से एक शानदार याट, 20 कमरों का आलीशान महल, बुर्ज अल अरब पर 100,000 जेंडर रिवील, अमेरिका के शीर्ष सर्जनों के साथ 150,000 डॉलर की ममी का मेकओवर और बहुत सारे सामान की डिमांड की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129